नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 191 | नई दिल्ली, शनिवार 07 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | सलमान खान को लेकर फिल्म बनाएंगी एटली ← पेज-12

एक नजर

गणेश चतुर्थी पर राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु ने देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को गणेश चतुर्थी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी हैं और लोगों से एक जुट होकर देश में शांति तथा समृद्धि के लिए काम करने का आह्वान किया है। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को जारी शुभकामना संदेश में कहा है, गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर मैं देश और विदेश में रह रहे साभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। राष्ट्रपति ने कहा है, हर्ष और उल्लास से मनाया जाने वाला यह त्योहार सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता है। विद्या, ज्ञान और समृद्धि के दाता भगवान गणेश का यह पर्व हमें वनम्र और कर्तव्यनिष्ठ हरने की शिक्षा देता है। यह पर्व सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देता है। श्रीमती मुर्मु ने इस अवसर पर लोगों का देश सेवा के लिए आह्वान करते हुए कहा है, आइए , इस दिन हम सब एकजुट होकर एक शांतिपूर्ण और समृद्ध भारत के निर्माण का संकल्प लें।

महेश कुमार गौड़ तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के नये अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेश कुमार गौड़ को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी(एआईसीसी) महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर बताया कि श्री गौड़ की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है। कांग्रेस पार्टी ने निवर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के प्रति आभार व्यक्त किया और अपने कार्यकाल के दौरान उनके उत्कृष्ट योगदान की प्रशंसा की। पिछड़ा वर्ग (बीसी) समुदाय के प्रमुख नेता श्री गौड़ तेलंगाना के चौथे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हैं। वह वर्तमान में विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) हैं। इससे पहले उन्होंने प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दी है। उन्होंने अपना राजनीतिक जीवन नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया से शुरू किया और 2013-2014 में संयुक्त आंध्र प्रदेश के दौरान वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष रहे। वर्ष 2014 में उन्होंने निजामाबाद शहरी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा, लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाये।

भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव: डॉ.पॉल

नई दिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग के स्वास्थ्य सदस्य डॉ. वी के पॉल ने कहा है कि भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव हो रहे हैं और एक मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बढती उम्र के बोझ को कम करने के लिए एक उच्च प्राथमिकता है। डॉ. पॉल ने शुक्रवार को यहां ‌ह्लस्वास्थ्य सेवा तक सार्वभौमिक पहुंचः डिजिटल समाधानह्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश में स्वास्थ्य सेवा तंत्र को मजबूत करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल समाधान अधिकारों और समावेशिता के दायरे में होने चाहिए और जीवन को आसान बनाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना चाहिए तथा जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के महासचिव भरत लाल भी मौजूद थे। डॉ. पॉल ने कहा कि केंद्र सरकार आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के माध्यम से इसी कोविन मॉडल को दोहराना चाहती है।

विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने थामा कांग्रेस का हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रेसलर विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने शुक्रवार को कांग्रेस ज्वाइन कर ली। दोनों रेसलर कांग्रेस में शामिल होने से पहले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी मिलने उनके आवास पर पहुंचे। मुलाकात के बाद खरगे ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि आप दोनों पर हमें गर्व है। न्यूज एजेंसी एएनआई के सूत्रों की मानें तो विनेश फोगाट कांग्रेस के टिकट पर हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। वहीं, बजरंग पुनिया विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे और उन्हें हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए हरियाणा कांग्रेस की प्रचार समिति का सह-अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद विनेश फोगाट ने कहा, "सबसे पहले तो मैं पूरे देशवासियों का धन्यवाद कहना चाहती हूं। बुरे टाइम में पता चलता है कि अपना कौन है, जब हम सड़क पर घसीटे जा रहे थे, तो बीजेपी को छोड़कर बाकी पार्टियां हमारे साथ में थीं। मैं ऐसी पार्टी में हूं जो महिलाओं के खिलाफ हो रहे बुरे बर्ताव के खिलाफ खड़ी है। सड़क से लेकर संसद तक लड़ाई लड़ने को तैयार है। रेसलिंग में मैंने पूरी कोशिश की कि महिलाओं को इंस्पायर करूं। बीजेपी आईटी सेल ने कोशिश की कि हम लोग खत्म हो गए हैं, पॉलिटिक्स कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं ट्रायल देकर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैंने ट्रायल भी दिया और ओलंपिक के फाइनल तक गई। लेकिन भगवान को कुछ और मंजूर होगा। परमात्मा ने मुझे देश की सेवा करने का जो मौका दिया है, उससे ज्यादा पुण्य का काम कुछ नहीं हो सकता है। मेरे लिए गर्व की बात है। जो मैंने बतौर खिलाड़ी फेस किया, वह आगे कोई और न करे।"

बीजेपी से खफा हैं दोनों पहलवान

बता दें कि बजरंग पूनिया टोक्यो ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता हैं, जबकि विनेश फोगाट ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला पहलवान बनीं। हालांकि उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग के वजन में लगभग 100 ग्राम वजन अधिक पाए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था। बाद में उन्होंने खेल से संन्यास की घोषणा की। पूनिया और फोगाट 2023 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों पर 5 अक्टूबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी।

वहीं, बजरंग पुनिया ने कहा कि हमने जितनी कुश्ती, किसान आंदोलन के समय मेहनत है, वैसे ही मेहनत करके कांग्रेस और देश को मजबूत करेंगे। ग्राउंड में रहकर काम करेंगे। पूनिया ने आगे कहा कि बीजेपी हमारे साथ खड़ी नहीं हुई, लेकिन कांग्रेस हुई। बीजेपी का काम सिर्फ राजनीति करना ही है। इससे पहले बुधवार को विनेश और बजरंग ने नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से भी मुलाकात की थी, जिसके बाद दोनों के कांग्रेस ज्वाइन करने की अटकलें तेज हो गई थीं। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए पांच अक्टूबर को वोटिंग होनी है, जबकि आठ अक्टूबर को नतीजों का ऐलान होगा।

कांग्रेस ज्वाइन करने से ठीक पहले विनेश फोगाट ने निजी कारणों का हवाला देते हुए भारतीय रेलवे से इस्तीफा भी दे दिया। उन्होंने अपने त्यागपत्र की तस्वीर के साथ 'एक्स' पर पोस्ट किया, "भारतीय रेलवे की सेवा करना मेरे जीवन का एक यादगार और गौरवपूर्ण समय रहा है।" विनेश उत्तरी रेलवे में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने लिखा कि अपने जीवन के इस मोड़ पर, मैंने खुद को रेलवे सेवा से अलग करने का फैसला किया है और भारतीय रेलवे के सक्षम अधिकारियों को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने कहा, "मैं देश की सेवा में रेलवे द्वारा मुझे दिए गए इस अवसर के लिए भारतीय रेलवे परिवार की हमेशा आभारी रहूंगी।"

बता दें कि पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगाटा को 50 किलोग्राम स्वर्ण पदक मुकाबले से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उनका वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया था। खेल पंचाट न्यायालय (उअर) ने भी संयुक्त सिल्वर मेडल दिए जाने की उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। अयोग्य घोषित किए जाने के एक दिन बाद 8 अगस्त को उन्होंने कुश्ती से संन्यास की घोषणा की थी। विनेश के घर लौटने के बाद से ही इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह अपनी चचेरी बहन बबीता की तरह सक्रिय राजनीति में प्रवेश करेंगी।

खरगे बोले- आप दोनों पर गर्व है

कांग्रेस में शामिल होने से पहले विनेश और बजरंग ने मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की थी। मल्लिकार्जुन खरगे ने विनेश और बजरंग के साथ फोटो भी शेयर की। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि, चक दे इंडिया, चक दे हरियाणा! दुनिया में भारत का नाम रौशन करने वाले हमारे प्रतिभाशाली चैंपियन विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया से 10 राजाजी मार्ग पर मुलाकात। हमें आप दोनों पर गर्व है।

बजरंग पूनिया को पार्टी ने चेयरमैन पद देकर किया सम्मानित

अब ऑल इंडिया कांग्रेस समिति ने प्रेस रिलीज जारी करके बताया है कि बजरंग को ऑल इंडिया किसान कांग्रेस का चेयरमैन नियुक्त किया जा रहा है.

कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने घोषणा पत्र जारी करते हुए बताया कि कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने बजरंग पूनिया को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त करने के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है. यह घोषणा उस प्रेस कॉन्फ्रेंस के कुछ ही घंटों बाद हुई है जब बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट का औपचारिक रूप से कांग्रेस में स्वागत हुआ था. बताते चलें कि प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से पहले बजरंग और विनेश की कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे से दिल्ली में मुलाकात हुई थी.

दोनों ही पहलवान कांग्रेस की राजनीति के शिकार हुए : नायब सैनी

सीएम नायब सैनी ने कही ये बातविनेश और बजरंग के कांग्रेस में शामिल होने पर हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने कहा कि दोनों ही पहलवान कांग्रेस की राजनीति के शिकार हुए हैं। उन्होंने कहा कि विनेश हरियाणा की बेटी है, हमें उनपर गर्व हैं।

कोलकाता अस्पताल घोटाला: संदीप घोष और उनके परिजनों पर ईडी ने कसा शिकंजा

कोलकाता, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने कोलकाता स्थित आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के गिरफ्तार पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, उनके रिश्तेदारों तथा उनके आधिकारिक सहयोगियों के कोलकाता और पश्चिम बंगाल के अन्य जिलों में स्थित घरों सहित 10 जगहों पर छापे मारे हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। ईडी ने सुबह-सुबह चार स्थानों पर तलाशी शुरू की, जिसमें पूर्वी कोलकाता के बेलियाघाटा में श्री घोष का घर और हावड़ा के सालकिया में मेडिकल सप्लाई के विक्रेता बिप्लब सिंघा का घर शामिल है।वे दोनों अब दो अन्य लोगों - विक्रेता सुमन हाजरा और पूर्व प्रिंसिपल के बाउंसर-सह-निजी सुरक्षाकर्मी अक्षर अली खान के साथ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) की हिरासत में हैं।

सूत्रों ने बताया कि ईडी अधिकारियों ने हावड़ा के संकरैल में सिंघा के घर और पास में रहने वाले उनके सहयोगी कौशिक कोले के घर की भी तलाशी ली। जांच एजेंसी ने दमदम हवाई अड्डे के मिलन पल्ली के पास श्री घोष की साली अर्पिता बेरा के फ्लैट और उनके परिवार के किराए के फ्लैटों की भी तलाशी ली।

उन्होंने बताया कि अप्रिता बेरा कोलकाता के मानिकतला में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में डॉक्टर हैं और उनके पति प्रीतिन बेरा सेठ सुखलाल करनानी मेमोरियल अस्पताल में चिकित्सक हैं। ईडी ने श्री घोष के पूर्व निजी सचिव प्रसून चटर्जी के घर पर भी छापा मारा। श्री चटर्जी को उत्तर 24 परगना के सुभाषग्राम स्थित उनके घर से उठाया गया और सात घंटे की पूछताछ के बाद दक्षिण 24 परगना के कैनिंग साउथ ले जाया गया, जहां पूर्व प्रिंसिपल का दो बीघा में फैला एक बंगला है।

सूत्रों ने बताया कि श्री चटर्जी को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में अपराध स्थल पर देखा गया था, जहां 9 अगस्त को 31 वर्षीय महिला डॉक्टर की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। इससे पहले वह कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में डेटा एंट्री ऑपरेटर थे।

आर जी कर अस्पताल में कथित वित्तीय घोटाले में धन के लेन-देन की जांच ईडी कर रहा है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अस्पताल के पूर्व अधीक्षक अख्तर अली द्वारा दायर याचिका के मद्देनजर केंद्रीय जांच ब्यूरो को इस मामले की जांच करने के लिए कहा था।

ईडी ने आपराधिक मामलों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर घोष के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दायर की। 23 अगस्त को, उच्च न्यायालय ने राज्य द्वारा संचालित अस्पताल में कथित वित्तीय घोटाले की जांच राज्य द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से सीबीआइ को स्थानांतरित करने का आदेश दिया था।

बीजद सांसद सुजीत कुमार भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजू जनता दल (बीजद)के राज्यसभा सांसद सुजीत कुमार ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया।

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान,ओडिशा के प्रभारी विजय पाल तोमर, वरिष्ठ सांसद भर्तृहरि महताब, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी की उपस्थिति में श्री सुजीत कुमार ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

ओडिशा के कालाहांडी के रहने वाले श्री सुजीत कुमार ने इससे पहले राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। राजनीति में आने से पहले वह अमेरिका के हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में कार्य कर चुके हैं।

श्री प्रधान ने श्री सुजीत कुमार का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा, श्री सुजीत कुमार कर्मठ, संवेनशील एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, नीति, आदर्श एवं योजनाओं से प्रभावित होकर श्री सुजीत कुमार भाजपा में शामिल हुए हैं। प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक पार्टी में रहने के बावजूद श्री सुजीत कुमार हमेशा प्रधानमंत्री के जनकल्याण एवं विकास कार्यों की प्रशंसा करते रहे हैं। उन्होंने ओडिशा के विकास एवं जनकल्याण कार्यों के लिए निरंतर प्रयास किया। प्रधानमंत्री के ‘विकसित भारत’ की संकल्पना को पूरा करने में श्री सुजीत कुमार अपना योगदान देंगे।

भाजपा में शामिल होने के बाद श्री सुजीत कुमार ने कहा कि 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत और 2036 तक विकसित ओडिशा के लक्ष्य और विजन ने हमेशा उन्हें प्रभावित किया है। वह वर्ष 2020 में बीजद से राज्यसभा सांसद बने थे। उन्होंने श्री मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, श्री प्रधान, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री सिंह और श्री विजय पाल तोमर के प्रति आभार प्रकट किया।

जल संचय केवल एक पॉलिसी नहीं, यह एक प्रयास भी है: मोदी

सूरत, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के सूरत में जल संचय जनभागीदारी पहल के शुभारंभ पर शुक्रवार को कहा कि जल-संचय, ये केवल एक पॉलिसी नहीं है। ये एक प्रयास भी है, और यूं कहें तो ये एक पुण्य भी है। इसमें उदारता भी है और उत्तरदायित्व भी।

श्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि आज गुजरात की धरती से जलशक्ति मंत्रालय द्वारा एक अहम अभियान का शुभारंभ हो रहा है। उसके पूर्व पिछले दिनों देश के हर कोने में जो वर्षा का तांडव हुआ, देश का शायद ही कोई इलाका होगा, जिसको इस मुसीबत से संकट को झेलना ना पड़ा हो। मैं कई वर्षों तक गुजरात का मुख्यमंत्री रहा, लेकिन एक साथ इतने सभी तहसीलों में इतनी तेज बारिश मैंने कभी ना सुना था, ना देखा था। लेकिन इस बार गुजरात में बहुत बड़ा संकट आया। सारी व्यवस्थाओं की ताकत नहीं थी कि प्रकृति के इस प्रकोप के सामने हम टिक पाएं। लेकिन गुजरात के लोगों का अपना एक स्वभाव है, देशवासियों का स्वभाव है, सामर्थ्य है कि संकट की घड़ी में कंधे से कंधा मिलाकर के हर कोई, हर किसी की मदद करता है। आज भी देश के कई भाग ऐसे हैं, जो भयंकर वर्षा के कारण परेशानियों से गुजर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा जल-संचय, ये केवल एक पॉलिसी नहीं है। ये एक प्रयास भी है, और यूं कहें तो ये एक पुण्य भी है। इसमें उदारता भी है, और उत्तरदायित्व भी है। आने वाली पीढ़ियाँ जब हमारा आंकलन करेंगी, तो पानी के प्रति हमारा रवैया, ये शायद उनका पहला पैरामीटर होगा। क्योंकि, ये केवल संसाधनों का प्रश्न नहीं है। ये प्रश्न जीवन का है, ये प्रश्न मानवता के भविष्य का है। इसीलिए, हमने सस्टेनेबल फ्यूचर के लिए जिन नौ संकल्पों को सामने रखा है, उनमें जल-संरक्षण पहला संकल्प है। मुझे खुशी है, आज इस दिशा में जनभागीदारी के जरिए एक और सार्थक प्रयास शुरू हो रहा है। मैं इस अवसर पर, भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय को, गुजरात सरकार को और इस अभियान में भाग ले रहे देश के सभी लोगों को शुभकामनाएँ देता हूँ।

उन्होंने कहा आज जब पर्यावरण और जल-संरक्षण की बात आती है, तो कई सच्चाइयों का हमेशा ध्यान रखना है। भारत में दुनिया के कुल फ्रेस वॉटर का सिर्फ चार प्रतिशत ही है। हमारे गुजरात के लोग समझेंगे सिर्फ चार प्रतिशत ही है। कितनी ही विशाल नदियां भारत में हैं, लेकिन हमारे एक बड़े भूभाग को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। कई जगहों पर पानी का स्तर लगातार गिर रहा है। क्लाइमेट चेंज इस संकट को और गहरा रहा है। इस सबके बावजूद, ये भारत ही है जो अपने साथ-साथ पूरे विश्व के लिए इन चुनौतियों के समाधान खोज सकता है। इसकी वजह है भारत की पुरातन ज्ञान परंपरा। जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण ये हमारे लिए कोई नए शब्द नहीं है, ये हमारे लिए किताबी ज्ञान नहीं है। ये हालात के कारण हमारे हिस्से आया हुआ काम भी नहीं है।

श्री मोदी ने कहा, यह भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल को ईश्वर का रूप कहा गया है, नदियों को देवी माना गया है। सरोवरों को, कुंडों को देवालय का दर्जा मिला है। गंगा हमारी माँ है, नर्मदा हमारी माँ है। गोदावरी और कावेरी हमारी माँ हैं। ये रिश्ता हजारों वर्षों का है। हजारों वर्ष पहले भी हमारे पूर्वजों को जल और जल-संरक्षण का महत्व पता था। सैकड़ों साल पुराने हमारे ग्रन्थों में कहा गया है अद्भिः सर्वाणि भूतानि, जीवन्ति प्रभवन्ति च। तस्मात सवेर्षु दानेषु, तयोदानं विशिष्यते॥ अर्थात सब प्राणी जल से ही उत्पन्न हुये हैं, जल से ही जीते हैं। इसलिए, जल-दान, दूसरों के लिए पानी बचाना, ये सबसे बड़ा दान है। यही बात सैकड़ों साल पहले रहीमदास ने भी कही थी। हम सबने पढ़ा है। रहीमदास ने कहा था- रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून, जिस राष्ट्र का चिंतन इतना दूरदर्शी और व्यापक रहा हो, जलसंकट की त्रासदी के हल खोजने के लिए उसे दुनिया में सबसे आगे खड़ा होना ही होगा।

उन्होंने कहा कि आज का ये कार्यक्रम गुजरात की उस धरती पर प्रारंभ हो रहा है, जहां जन-जन तक पानी पहुंचाने और पानी बचाने की दिशा में कई सफल प्रयोग हुए हैं। दो-ढाई दशक पहले तक सौराष्ट्र के क्या हालात थे, ये हम सबको याद है, उत्तर गुजरात की क्या दशा थी हमें पता है। सरकारों में जल संचयन को लेकर जिस विजन की आवश्यकता होती है, पहले के समय में उसकी भी कमी थी।

सेबी प्रमुख कर रही हैं करोड़ों की अवैध कमाई : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच को लेकर एक और खुलासा करते हुए शुक्रवार को कहा कि जिस संपत्ति से वह करोड़ों का किराया वसूल कर रही हैं उसकी सूचना किसी को नहीं है और जिस कंपनी से यह कमाई की जा रही है श्रीमती बुच उसका केस भी देख रही हैं।

कांग्रेस प्रचार तथा संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा में शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, श्रीमती माधवी पुरी बुच 2018 में सेबी की पूर्णकालिक सदस्य बनी थीं। अब पूर्णकालिक सदस्य बनने के बाद उन्होंने अपनी एक प्रॉपर्टी किराए पर दी और वित्त वर्ष 2018-19 में इससे उन्हें सात लाख रुपए किराया मिला। इस प्रोपर्टी के लिए उन्हें 2019-20 में 36 लाख रुपए किराया मिला जो इस साल तक बढ़ते हुए 46 लाख रुपए तक पहुंच गया।

उन्होंने कहा, श्रीमती बुच ने अपनी प्रॉपर्टी जिस कंपनी को दी उसका नाम कैरोल इन्फो सर्विस लिमिटेड है जो वोकहार्ड कंपनी का हिस्सा है। वोकहार्ड वही कंपनी है जिससे जुड़ी शिकायतों को सेबी लगातार डील कर रहा है। ये पूरी तरह से करप्शन का मामला है। माधबी पुरी बुच जी सेबी की पूर्णकालिक सदस्य बनने के बाद एक कंपनी को अपना घर किराए पर दे देती हैं। वे उस कंपनी से अभी तक किराए के 2.16 करोड़ रुपए से ज्यादा ले चुकी हैं और हम जानना चाहते हैं कि आपने इसकी जानकारी कहां-कहां दी। क्या ये उचित है कि आपने अपनी प्रॉपर्टी एक ऐसी कंपनी को किराए पर दी जिसके आप केस देख रही हों।

प्रवक्ता ने कहा, हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछना चाहते हैं कि क्या आपका श्रीमती माधबी पुरी बुच जी के साथ समझौता है कि सरकार ऐसी किसी कंपनी में दखल नहीं देगी, जिसके साथ उनके व्यावसायिक संबंध हैं।

गीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया

कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने दी गणेश वंदना की मनमोहक प्रस्तुति

नई दिल्ली, एजेंसी। गीता ज्ञान संस्थानम में दिव्य लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद के सानिध्य में संपन्न हुआ, जिसमें गीता प्रेरणाओं की व्यवहारिक आदर्श की पहल हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कुरुक्षेत्र लोकसभा से स्थानीय सांसद नवीन जिंदल रहे। योग गुरु बाबा रामदेव की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर गीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प को पुनः दोहराया गया। समारोह में दिल्ली के मोहन गार्डन स्थित कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने गणेश वंदना की मनमोहक प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय रामलीला महोत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. वेद टंडन ने पूरे आयोजन की सराहना करते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि गीता पाठ से अनेक समस्याओं का समाधान सरलता से हो जाता है।

40 लाख रुपए की चोरी करने वाले दो सगे भाई चलती ट्रेन से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मालवीय नगर थाना पुलिस ने चार सितंबर को 40 लाख रुपये की चोरी के मामले में दो सगे भाइयों को बिहार जा रही ट्रेन से गिरफ्तार किया। आरोपियों में 26 वर्षीय मणि भूषण और 29 वर्षीय शशि भूषण शामिल हैं। आरोपियों के पास से 32 लाख 60 हजार रुपये और चोरी की रकम से खरीदी एक पुरानी रेसिंग बाइक बरामद हुई है। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि 30 अगस्त की रात मालवीय नगर थाना पुलिस को चोरी की शिकायत मिली थी। पीड़ित ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि मणि भूषण उनके वहां पिछले ढाई साल से काम कर रहा था, जो उनके 40 लाख रुपये लेकर फरार हो गया है। वारदात के बाद से चालक का मोबाइल फोन स्वीच ऑफ आ रहा है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के फोन को सर्विलांस पर लगाकर उसकी लोकेशन पता करने की कोशिश की। इस बीच सीसीटीवी कैमरों में आरोपी मणि भूषण को अपने भाई शशि के साथ बाइक पर जाते हुए देखा गया। इनकी बाद में फोन लोकेशन एक चलती ट्रेन में मिली। पुलिस ने सीतामढ़ी, बिहार जाने वाली ट्रेन में एक टीम को भेजा।

तलाशी लेने पर आरोपी एसी कोच में मिले। आरोपियों के पास से 32 लाख 60 हजार रुपये की नकदी और चोरी की गई नकदी में से साढ़े चार लाख रुपये से खरीदी गई एक रेसिंग बाइक बरामद की गई। आरोपियों से पूछताछ करने पर पता चला कि मणि भूषण शिकायतकर्ता के यहां ड्राइवर का काम करता था और कभी-कभी शिकायतकर्ता उसे पार्सल लाने और ले जाने के लिये देता था। उसको पता था कि पार्सल में मोटी रकम होती है। जिसके बारे में उसने अपने भाई को बताया। मौज-मस्ती की जिंदगी जीने के लिये दोनों ने वारदात को अंजाम दिया।

ट्रैफिक अपडेट : 15 से सरिता विहार फ्लाईओवर की एक लेन बंद होने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरिता विहार फ्लाईओवर पर मरम्मत कार्य बीते डेढ़ वर्षों से लटका हुआ है। तीन बार इसके लिए एनओसी जारी हुई, लेकिन काम नहीं हो सका। पीडब्ल्यूडी की ओर से एक बार फिर 15 सितंबर से इस पर कार्य करने की अनुमति मांगी गई है। ट्रैफिक पुलिस ने एनओसी देने के लिए कुछ शर्तों को पूरा करने के लिए पीडबल्यूडी को कहा है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, मथुरा रोड से रोजाना लाखों गाड़ियां दिल्ली-फरीदाबाद के बीच सफर करती हैं। व्यस्त समय पर यहां वाहनों का दबाव काफी ज्यादा रहता है। ऐसे में पीडब्ल्यूडी द्वारा सरिता विहार फ्लाईओवर की मरम्मत का कार्य 15 सितंबर से शुरू किए जाने की संभावना है। वर्ष 2023 में एनओसी मिलने के बाद पीडब्ल्यूडी की ओर से यहां कार्य नहीं किया गया था। बीते मई माह में चुनावी समय होने के चलते कार्य को टाल दिया गया था। बीते जून माह में भी एनओसी जारी की गई थी। 60 दिनों तक चलेगा मरम्मत कार्य पीडब्ल्यूडी की तरफ से ट्रैफिक पुलिस को बताया गया है कि 60 दिनों तक चलने वाले मरम्मत कार्य को चार फेज में किया जाएगा। प्रत्येक फेज में फ्लाईओवर के केवल आधे हिस्से को 15-15 दिनों के लिए बंद किया जाएगा। इससे एक समय पर पूरा फ्लाईओवर बंद नहीं होगा। केवल एक दिशा में फ्लाईओवर की आधी लेन बंद होगी, जबकि आधी लेन पर गाड़ियां चलती रहेंगी। केवल एक ही दिशा में लोगों को जाम का सामना करना पड़ेगा। सूत्रों ने बताया कि पहले चरण में आश्रम से फरीदाबाद जाने की दिशा में मरम्मत कार्य होगा, दूसरे चरण में इसी दिशा के बचे हुए आधे फ्लाईओवर की मरम्मत होगी।

महापौर ने नहीं सुनी तो केंद्रीय मंत्री के पास पहुंच शिक्षक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम में कार्यरत अनुबंधित अध्यापकों ने अपनी समस्याओं को लेकर करीब एक साल पहले दिल्ली नगर निगम की महापौर डॉ शैली ओबरॉय से पत्र लिखकर मांग की थी लेकिन समस्याओं का साल भर में भी समाधान नहीं हुआ। इसे लेकर फिर शुक्रवार को अनुबंधित अध्यापकों ने अनुबंधित अध्यापक एकता मंच व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, निगम निकाय दिल्ली प्रदेश के तत्वाधान में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा से उनके निवास स्थान पर भेंट की और अनुबंधित अध्यापकों से जुड़े दो प्रमुख मुद्दों, अनुबंधित अध्यापकों को सेवा सुरक्षा तथा महंगाई भत्ता फिर से शुरू करने पर चर्चा की। महासंघ दिल्ली प्रदेश के संयुक्त मंत्री सोनू कुमार ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री हर्ष मलहोत्रा ने हमारी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद आश्वासन दिया कि वह संबंधित अधिकारियों से इस विषय पर चर्चा करेंगे।

व्यक्ति की ईंट से हमला करके हत्या

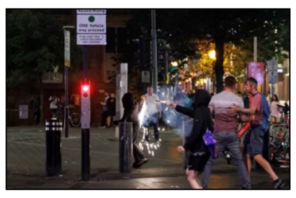

नई दिल्ली, एजेंसी। रनहौला इलाके में बीती रात अपमानित किये जाने के बाद एक व्यक्ति ने अपने ही जानकार व्यक्ति की ईंट से हमला करके हत्या कर दी। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटे बाद आरोपी सुरेश उर्फ मदन चिकना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीती रात दो बजकर 33 मिनट पर रनहौला पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि एफ-ब्लॉक, कृष्णा स्वीट्स, विकास नगर, ग्रीन एवेन्यू इलाके में एक युवक घायलावस्था में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची। वारदात वाली जगह पर काफी खून और ईंट, पत्थर और टूटे हुए पड़े थे। पता चला कि घायल को पीसीआर से नजदीक के डीडीयू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने घायल प्रमोद उर्फ गुड्डू नामक युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक के शरीर पर मिट्टी और बजरी के साथ-साथ चोट के निशान थे। उसके माथे पर व शरीर पर अन्य चोटें थीं। उसकी दाहिनी कलाई पर परमिला नाम लिखा हुआ है। उसके दाहिने हाथ के पंजे के पीछे ओम टैटू लिखा हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया। एसएचओ मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में इंस्पेक्टर मनोहर लाल की टीम को आरोपितों को पकडे का जिम्मा सौंपा गया। सीसीटीवी कैमरों और मैन सॉर्स की सहायता ली। आरोपित सुरेश उर्फ मदन चिकना की पहचान कर उसको उसके ठिकाने पर छापेमारी करके गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली पुलिस में बड़ा फेरबदल, ज्वाइंट सीपी और डीसीपी अफसर इधर-उधर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेंना के आदेश पर शुक्रवार को दिल्ली पुलिस के ज्वाइंट सीपी और डीसीपी लेवल के आईपीएस और दानिप्सप अधिकारियों के ट्रांसफर/पोस्टिंग आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के मुताबिक 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी रजनीश गुप्ता ज्वाइंट सीपी/स्पेशल ब्रांच को आईएफएसओ/स्पेशल सेल का नया ज्वाइंट सीपी नियुक्त किया गया है। वहीं, 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी विक्रमजीत सिंह को वेस्टर्न रेंज/ज्वाइंट सीपी से स्पेशल ब्रांच/ज्वाइंट सीपी बनाया गया है। इसके अलावा 2006 बैच के सीनियर आईपीएस अधिकारी जतिन नरवाल का भी ट्रांसफर किया गया है। अभी तक वह जॉइंट सीपी/सिक्योरिटी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे अब उनको विक्रमजीत सिंह की जगह नया ज्वाइंट/सीपी वेस्टर्न रेंज नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार की ऑन अराइवल पोस्टिंग की गई है। उनको दिल्ली। आने पर दिल्लीद पुलिस में नया ज्वाइंट सीपी/सिक्योरिटी नियुक्त किया गया है। इसी तरह से 2007 बैच की सीनियर आईपीएस अधिकारी नूपुर प्रसाद को भी ऑन अराइवल पोस्टिंग दी गई है। नूपुर प्रसाद को दिल्ली पुलिस के सामान्य प्रशासन में बतौर एडिशनल सीपी नियुक्त किया गया है। 2018 बैच की आईपीएस सृष्टि पांडे को भी ऑन अराइवल पोस्ी्एसग देते हु एडिशनल डीसीपी/ वेस्ट जिला नियुक्ता किया गया है। 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी राजा बांठिया, एडिशनल डीसीपी वेस्ट डिस्ट्रिक्ट को डीसीपी/ईओडब्ल्यू नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा दानिप्सट अधिकारियों में डीसीपी/एसपीयूडब्यू एसी, बीएल सुरेश डीसीपी/ईओडब्लूक, अनयेश राय डीसीपी/सिक्योरिटी, संदीप भ्याकला डीसीपी/सिक्योसरिटी, आनंद कुमार मिश्रा डीसीपी/पीसीआर (ऑपरेशंस), चंद्र कुमार सिंह डीसीपी/ट्रैफिक, ढल सिंह पाटले डीसीपी/3वीं बटालियन दिल्ली आर्म्ड फोर्स, तनु शर्मा डीसीपी/7वीं बटालियन दिल्ली आर्म्ड फोर्स, रविकांत कुमार एडिशनल डीसीपी/नई दिल्ली जिला, गौरव गुप्ता एडिशनल डीसीपी/नई दिल्ली जिला का भी ट्रांसफर किया गया है।

दिल्ली की जेलों में कैदियों की अस्वाभाविक मौत पर परिजनों को 7.5 लाख का मुआवजा देगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की जेलों में बंद कैदियों की अस्वाभाविक मौत पर उनके आश्रितों को दिल्ली सरकार 7.5 लाख रुपये का मुआवजा देगी। दिल्ली सरकार के गृह विभाग के मंत्री कैलाश गहलोत ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने दिल्ली की जेलों में बंद कैदियों की अस्वाभाविक मौत होने पर उनके परिजनों, कानूनी वारिसों को मुआवजा देने का फैसला किया है। इसमें दोषी जेल अधिकारियों के वेतन से मुआवजे की वसूली का प्रावधान भी है। इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा गया है। मंत्री ने कहा कि यह उन सभी कैदियों के परिवारों को सहायता प्रदान करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, जिनकी मृत्यु अस्वाभाविक परिस्थितियों में जेल में हो जाती है। साथ ही जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की दिशा में भी यह महत्वपूर्ण कदम है। बीते शनिवार को दिल्ली सरकार के जेल मंत्री कैलाश गहलोत ने तिहाड़ जेल का दौरा किया था। मंत्री ने कैदियों के रहने की स्थिति में सुधार लाने, कर्मचारियों के कल्याण और सुविधाओं को और बेहतर करने की बात कही थी। गहलोत ने कहा कि जेल की स्थितियों में सुधार के लिए दिल्ली सरकार का प्रयास जारी है। गरीब कैदियों की आर्थिक मदद के लिए कमेटी के गठन को पहले ही उपराज्यपाल मंजूरी दे चुके हैं। वहीं, तिहाड़ जेल में बंद वे गरीब कैदी जो जमानत की राशि का खर्चा उठाने में सक्षम नहीं है या आर्थिक तंगी के कारण उन पर लगाए गए जुमार्ने का भुगतान नहीं हो पाया है, ऐसे कैदियों को आर्थिक मदद उपलब्ध कराने वाली केंद्र सरकार की योजना अब दिल्ली में भी लागू होगी। इसके लिए एक एम्पावर्ड कमेटी और एक निगरानी समिति का गठन हो चुका है।

एनसीवेब की तीसरी कट ऑफ जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन कोलिजिएट वूमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में स्नातक के दाखिलों के लिए तीसरी कट ऑफ जारी कर दी है। तीसरी कट ऑफ में बीए व बीकॉम प्रोग्राम में 26 सेंटरों पर दाखिले का फुल चांस बना हुआ है। बीए प्रोग्राम(इतिहास-राजनीति विज्ञान) कॉम्बिनेशन में सामान्य श्रेणी के लिए चार कॉलेज सेंटरों पर और एससी श्रेणी के लिए तीन कॉलेज सेंटरों पर दाखिले बंद हो गए हैं। औसतन कट ऑफ में एक से सात फीसदी तक की गिरावट की गई है। दो कट ऑफ के आधार पर अब तक आठ हजार सीटें (आधी से अधिक) भरी हैं। एनसीवेब की बीकॉम की तीसरी कट ऑफ में औसतन एक से सात फीसदी और बीए प्रोग्राम में एक से पांच फीसदी तक की गिरावट हुई है। अब इस कट ऑफ के आधार पर सात सितंबर, आठ सितंबर दाखिले लिए जा सकेंगे और फीस का भुगतान 10 सितंबर तक किया जा सकेगा। बीए प्रोग्राम इतिहास-राजनीति विज्ञान में सामान्य श्रेणी के लिए जीसस एंड मेरी, कालिंदी कॉलेज, राजधानी कॉलेज, हंसराज कॉलेज में दाखिले बंद हो गए हैं।

वहीं एससी श्रेणी के लिए जीसस एंड मेरी, कालिंदी कॉलेज और एसपीएम कॉलेज में दाखिले बंद हो गए हैं। वहीं बीए अर्थशास्त्र-राजनीति विज्ञान में सामान्य श्रेणी के लिए जीसस एंड मेरी, हंसराज, मिरांडा हाउस में दाखिले बंद हो गए हैं। जबकि एससी श्रेणी के लिए जीसस एंड मेरी, व मिरांडा हाउस में दाखिला नहीं हो पाएगा। हंसराज कॉलेज ने बीकॉम की कट ऑफ 84 फीसदी व मिरांडा हाउस ने 82 फीसदी निकाली है। अदिति महाविद्यालय, भगिनी निवेदिता व आर्यभट्ट ने इस कोर्स के लिए सबसे कम 50 फीसदी कट ऑफ जारी की है। आर्यभट्ट कॉलेज ने दूसरी कट ऑफ के मुकाबले में आठ फीसदी की गिरावट की है। मोतीलाल नेहरू, डॉ बीआर अंबेडकर कॉलेज व भारती कॉलेज ने 55 फीसदी कट ऑफ जारी की है। इस कोर्स में एसटी श्रेणी के दाखिले के लिए सबसे कम 45 फीसदी और सबसे अधिक 72 फीसदी कट ऑफ जारी की गई है। ओबीसी के लिए सबसे कम 47 फीसदी अदिति और भगिनी निवेदिता ने और सबसे अधिक मिरांडा हाउस ने 72 फीसदी जारी की है। बीए प्रोग्राम इतिहास व राजनीति शास्त्र कॉम्बिनेशन की बात की जाए तो मिरांडा हाउस ने 87 फीसदी कट ऑफ जारी की है। हंसराज कॉलेज ने इस कट ऑफ के लिए दाखिले बंद कर दिए हैं।

फ्लैट पर कब्जे के साथ ही संपत्ति के सभी दस्तावेज देगा डीडीए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) अब फ्लैट खरीदने वालों को कब्जे के समय ही संपत्ति के सभी दस्तावेज प्रदान करेगा। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर फ्लैट खरीदारों को संपत्ति संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज अच्छी गुणवत्ता वाले कागज पर छपे हुए और एक ही फोल्डर में प्राप्त होंगे। डीडीए से फ्लैट खरीदने वालों को अभी तक दस्तावेज के तौर पर केवल पजेशन लेटर मिलता था। उप राज्यपाल सक्सेना ने लोगों से बातचीत के दौरान यह पाया था कि जरूरी कागजों की कमी या उनकी अनुपलब्धता, उनका खो जाने आदि के चलते कई बार व्यक्तियों और समूहों में विवाद होता है। इसे देखते हुए उप राज्यपाल ने डीडीए को एक फोल्डर बनाने का निर्देश दिया था। इसके बाद डीडीए ने तय किया कि वह अपने खरीदारों को एक कस्टमाइज फोल्डर में फ्लैट या डीडीए की संपत्ति से जुड़े संबंधित दस्तावेज सौंपेगा।

पार्लियामेंट हाउस एनेक्सीर में नहीं है पर्याप्त फायर सेफ्टी इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद परिसर यानी पार्लियामेंट हाउस एनेक्सीप के फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट रिनुअल एप्लीकेशन को दिल्ली दमकल विभाग ने रिजेक्ट कर दिया है। दिल्ली फायर सर्विस विभाग के निदेशक अतुल गर्ग की ओर से 3 सितंबर को इसे लेकर पत्र जारी किया गया है। पत्र में दमकल विभाग के निदेशक ने अवगत कराया है कि पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी बिल्डिंग के (ब्लॉक ए और बी), संसद परिसर, नई दिल्ली के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के लिए रिनुअल संबंधी एप्लीकेशन दिया गया था। इस पर गौर करते हुए दिल्ली दमकल विभाग की तरफ से पिछले महीने 21 अगस्त को संबंधित अधिकारियों की ओर से बिल्डिंग के ब्लॉक ए और बी का निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से बारीकी से फायर सेफ्टी इंतजामों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पार्लियामेंट हाउस एनेक्सीा बिल्डिंग के ब्लॉक ए और बी में कई बड़ी खामियां पाई गई, जिनको अर्गेिन सुरक्षा मानकों के लिहाज से उचित नहीं पाया गया। अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान संसदीय सौंध भवन के कई फ्लोर पर फायर डिटेक्टर्स चालू स्किारति में नहीं पाए गए और इनको एयर हैंडलिंग यूनिट रूम में भी उपलब्ध नहीं पाया गया। सीढ़ियों और लॉबी में प्रेशराइजेशन सिस्टम नॉन-फंग्शनल मिला।

इसके अलावा लिफ्ट साइनेज भी हटे मिले। फायरमैन स्विच नॉन फंग्शनल स्थिति में मिला। निरीक्षण के दौरान पार्लियामेंट हाउस बिल्डिंग के ए ब्लॉक बेसमेंट में स्मोक मैनेजमेंट सिस्टम नॉन-फंग्शनल स्थिति में पाया गया।

चोरी की स्कूटी पर निकला चोरी का मोबाइल फोन बेचने, पेट्रोल हुआ खत्म चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली, एजेंसी। सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने एक झपटमार को उस समय धर दबोचा जब वह चोरी का मोबाइल फोन किसी जरूरत मंद को बेचने के लिए निकला था कि तभी स्कूटी का पेट्रोल खत्म हो गया और वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पकड़ा गया आरोपी पुनीत है। पुलिस ने इसके पास से एक स्कूटी और एक मोबाइल फोन, बरामद किया है। इस पर लूट, झपटमारी व चोरी समेत 10 आपराधिक मामले दर्ज मिले हैं। पूछताछ में पता चला कि नशे की लत पूरा करने के लिए वारदातें करता था। उत्तरी जिला डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि थाना प्रभारी विकास राणा की देखरेख में गठित टीम टीम पुराने रोहतक रोड पर राम धर्म कांटा के पास पिकेट लगाकर जांच कर रही थी। रात के समय उन्हें एक व्यक्ति स्कूटी घसीटते हुए लाता दिखा और पुलिस को देखते ही इंदरलोक की तरफ भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने तुरंत उसे मौके पर धर दबोचा, पूछताछ में स्कूटी चोरी की निकली। इसकी तलाशी लेने पर चोरी का एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ। पुलिस ने स्कूटी व मोबाइल फोन जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी चोरी का मोबाइल फोन किसी जरूरत मंद को बेचने के लिए निकला था कि तभी स्कूटी का पेट्रोल खत्म हो गया और वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

एक नजर

बाइक सवार बदमाशों ने चलाई गोली, एक घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। गोविंदपुरी इलाके में बेखौफ बदमाशों ने गुरुवार देर रात अंधाधुंध फायरिंग की। जिससे इलाके में दशहत फैल गई। घटना में आइसक्रीम विक्रेता को सिर में गोली लगी। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक घटना यह घटना गोविंदपुरी थाना इलाके के गुरु रविदास मार्ग पर हुई। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने गुरुवार रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच फायरिंग की। मौके पर मौजूद जोगिंदर ने बताया कि उसने फायरिंग के संबंध में पुलिस को 112 नंबर पर कॉल किया और घटना के बारे में पुलिस को जानकारी दी। उसने आगे बताया कि बाइक पर दो लोग सवार होकर आए और आइसक्रीम विक्रेता पर फायरिंग कर के फरार हो गए। इस दौरान विक्रेता के सिर में गोली लगने से उसकी हालत गंभीर हो गई। फिलहाल वारदात के पीछे का कारण सामने नहीं आ पाया है। पुलिस ने बताया कि जांच में ही गोली चलाने की वजह का खुलासा हो पाएगा।

मृतक सफाई कर्मी के परिवार को मिलेगी आर्थिक मदद : निगम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के नियमित सफाई कर्मचारी सुरेंद्र सुपुत्र करतार सिंह की मौत पर निगम प्रशासन ने पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद की घोषणा की है। शुक्रवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार वह वार्ड नंबर 129 नजफगढ़ जोन में कार्यरत था, नीलवाल गांव का निवासी है और ड्यूटी के दौरान कूड़े से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली कर्मचारी के ऊपर पलट गई जिसके कारण कर्मचारी की मौत हो गई। इसे लेकर एमसीडी ने परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान करने की बात कही है। जिसमें मुआवजा राशि 5,42,240 रुपये, अंतिम संस्कार लाभ 10 हजार रुपये आदि संबंधित योजनाएं शामिल है। वहीं, प्रशासन ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हम इस कठिन समय में परिवार के साथ एकजुटता से खड़े हैं और परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एनडीएमसी का दावा, 94 फीसदी कम हुए डेंगू के मामले

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने दावा किया कि परिषद क्षेत्र में डेंगू के मामलों में पिछले साल की तुलना में 94 फीसदी की कमी आई है। परिषद सदस्य कुलजीत सिंह चहल ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि निगरानी और जागरुकता के चलते मच्छरजनित बीमारियों में कमी आई। परिषद क्षेत्र में पिछले साल एक जनवरी से 29 अगस्त तक 131 डेंगू के मामले आए थे। इस साल अब तक सात मरीजों की ही पुष्टि हुई है। बीते वर्ष मलेरिया का एक मरीज था, लेकिन इस वर्ष मलेरिया और चिकनगुनिया का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। इसकी तुलना में नगर निगम क्षेत्र में मलेरिया के 237, डेंगू के 578 और चिकनगुनिया के 30 मामले आए हैं। चहल ने कहा कि एनडीएमसी क्षेत्र को चौदर सर्किलों में विभाजित किया गया है। इसमें विशेष टीमों की तैनाती की गई है। इनके जरिए मच्छर के लारवे की जांच और दवाओं के छिड़काव आदि के काम किए जा रहे हैं। अब तक 15 हजार 735 संस्था या सरकारी भवनों की व पांच लाख से ज्यादा भवनों में मच्छर के लारवे की जांच की गई है। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 1679 लोगों को नोटिस जारी किए गए और 104 का चालान भी किया गया। मच्छर प्रजनन के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील 15 हॉट स्पाट जगहों का भी पता लगाया गया है।

भूमि निर्माण के नियमों का उल्लंघन करने वालों को नोटिस भेजे

नई दिल्ली, एजेंसी। अवैध रूप से बेसमेंट का उपयोग करने वालों को नगर निगम ने नोटिस जारी किया। भूमि निर्माण के नियमों की अनदेखी करने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई होगी। कई जगहों पर निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों को इमारतों में अवैध तरीके से व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन कर रहे लोगों का पता चला है। इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि बीते एक माह से निगम की रखरखाव, बिल्डिंग विभाग की टीमें सभी जोन में निगरानी कर रही हैं। अब तक लगभग 150 कोचिंग सेंटरों, पुस्तकालयों व अन्य को सील किया है। इमारतों की फायर एनओसी लोगों के पास नहीं मिली है। साथ ही आग बुझाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सुरक्षा इंतजामों को भी नहीं लगाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा व अन्य विभागों के साथ निगम की टीमें संयुक्त निरीक्षण कर रही हैं। इसमें सबसे पहले व्यावसायिक तौर पर इमारत का उपयोग करने वालों के दस्तावेज की जांच कर रहे हैं, जिनके दस्तावेज में कमी मिल रही है, उन्हें तुरंत नोटिस जारी किया गया है। अब तक 200 से अधिक नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

16 पुलिस अधिकारियों का स्थानांतरण

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में कार्यरत 16 पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण को उपराज्यपाल वीके सक्सेना की मंजूरी मिल गई है। इनमें आईपीएस और दानिप्स कैडर के अधिकारी शामिल हैं। राजनिवास के मुताबिक, पुलिस एस्टैब्लिशमेंट बोर्ड की सिफारिश के बाद यह तबादले किए गए। स्पेशल ब्रांच में ज्वाइंट सीपी रजनीश गुप्ता को आईएफएसओ और स्पेशल सेल में ज्वाइंट सीपी पद पर तैनाती दी गई है। विक्रांत सिंह को ज्वाइंट सीपी स्पेशल ब्रांच बनाया गया है। इसी प्रकार, जतिन नरवाल को ज्वाइंट सीपी वेस्टर्न रेंज, पुष्पेन्द्र कुमार को ज्वाइंट सीपी सिक्यूरिटी, नुपूर प्रसाद को एडीशनल सीपी जनरल एडमिनिस्ट्रेशन, राजा बंथिया को डीसीपी ईओडब्लू, बीएल सुरेश को डीसीपी लैंड एंड बिल्डिंग बनाया गया है।

बिना जरूरी सामग्री के पोषण माह मनाने को मजबूर आंगनबाड़ी केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में 7वां राष्ट्रीय पोषण माह सुपोषित भारत थीम के तहत मनाया जा रहा है, जिसमें एक सुपोषित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन पर जोर दिया गया है। लेकिन इसे लेकर आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकताओं और सहायिकाओं में उत्सुकता का माहौल नहीं हैं। इनका कहना है कि सरकार चाहती है कि पोषण माह जोर शौर से मनाया जाए और अधिकतम लाभार्थियों तक पोषण माह की जानकारी पहुंचे लेकिन बिना जरूरी सामग्री जैसे स्टेशनरी, पोस्टर, कलर, बैनर्स आदि के यह संभव नहीं हो पा रहा है और पोषण माह के आयोजन के लिए खुद ही उक्त सामग्री खरीदने को विवश है या कहे तो सरकार के दबाव में यह पोषण माह मनाने को मजबूर हैं। बता दें कि सरकार के एक आदेश के अनुसार इस वर्ष के पोषण माह में आयोजन के दौरान एनीमिया, बच्चों की विकास निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, बेहतर शासन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, पर्यावरण संरक्षण, पोषण को प्रभावित करने वाले क्षेत्र, जन जागरूकता गतिविधियों पर प्रमुखता से ध्यान दिया जा रहा है। वहीं, सरकार के दिशा-निदेर्शों के अनुसार 31 अगस्त 2024 को सुबह 10 बजे से 11:30 बजे तक एक पेड़ माँ के नाम थीम के तहत 7वें राष्ट्रीय पोषण माह की शुरूआत हो चुकी है और 30 सितंबर को राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रीय गान के गायन के साथ 7वें राष्ट्रीय पोषण माह का समापन होगा।

दिल्ली मीडिया एसोसिएशन (डीएमए) की कार्यकरणी बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण फैसले

- लोकतंत्र के चौथे पिल्लर के प्रति सरकारों का रुख उदासीन।
- पत्रकारों की सुरक्षा, इलाज व पेंशन आदि का मुद्दा रहा चर्चा का केंद्रबिंदु।

नई दिल्ली: दिल्ली मीडिया एसोसिएशन (रजि.) की कार्यकरणी बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता डॉ बी आर चौहान जी एवम संचालन वेदप्रकाश शर्मा जी (महासचिव) द्वारा किया गया। जिसमे मीडिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई एवम सभी सदस्यों अजब सिंह (सेवानिर्वित, समाचार संपादक, पीटीआई-भाषा), उमेश जोशी (सेवानिर्वित, हेड टोटल टीवी (काम किया - दूरदर्शन, एक्सप्रेस हाउस (जनसत्ता) इत्यादि) महेश मिश्रा, शैलेन्द्र शास्त्री आदि ने अपने अपने सुझाव रखे। बैठक में लघु समाचार पत्र एवम फ्रीलांसर पत्रकारों ने भी हिस्सा लिया। जहा मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगो के भविष्य एवम कल्याण की बात हुई तो वोही इस क्षेत्र से जुड़े लोगो के प्रति सरकार को उदासीनता का भी अवलोकन किया गया। डॉ. बी आर चौहान (अध्यक्ष) ने बताया की दिल्ली में लघु समाचार पत्र पत्रिकाओं एवम श्रमजीवी पत्रकारों की हालत दयनीय है जहा अन्य राज्य इनको पेंशन व विज्ञापन दे बढ़ावा दे रहे है। महेश मिश्रा ने बताया कि दिल्ली सरकार, दिल्ली के पत्रकारों के प्रति कोई संवेदना नही रखती न ही केंद्र सरकार कोई समुचित प्रावधान कर रही है यहां तक पत्रकारों को परिवार सहित मिलने वाली रेल यात्रा में 50% छूट को भी रोक दिया है। बाकी और भी कई विषयों पर चर्चा हुई लेकिन मुख्य विषयों को क्रियविंत करने के लिए सर्व सम्मति से रेजुल्यूशन पास किया गया एवम पांच सदस्यों (डॉ. चौहान, वेद प्रकाश शर्मा, उमेश जोशी

(सेवानिर्वित, हेड टोटल टीवी (काम किया - दूरदर्शन, एक्सप्रेस हाउस (जनसत्ता) इत्यादि), महेश मिश्रा शैलेंद्र शास्त्री व डॉक्टर प्रदीप कुमार केसरी) की टीम का गठन कर आगे की रणनीति तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया।

बैठक के कुछ अति गहन मुद्दे:-

1) पत्रकारों की पेंशन एवम साथ ही परिवार की भी सुरक्षा, निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज कार्ड आदि की मांग।

2) लोकतंत्र के चौथे पिलर माने जाने वाले पत्रकारिता के प्रति सरकारों का रुख उदाशीन क्यो है

3) डिजिटल मीडिया (ई चैनल व ई पेपर) व लघु समाचार पत्र पत्रिकाओं को संगठित कर उनको सरकार द्वारा मान्यता एवम सुविधा दिलाना।

4) अगर हमारी मांगों पर सरकार जल्द कोई फैसला नहीं लेती तो हम जल्द ही पूरे देश के मीडिया बंधुओं को एकत्रित कर ठोस कदम उठाए जाएंगे अगर आवश्यकता पड़ी तो देश व्यापी हड़ताल का आव्हान किया जाएगा।

5) जल्दी ही डीएमए द्वारा पत्रकार संगोष्ठी का आयोजन करेगी जिसमे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को डीएमए द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

जैसे जैसे डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा मिल रहा है वैसे वैसे पत्रकारिता के क्षेत्र में भी बहुत बदलाव आया है इसलिए डिजिटलाइजेशन व लघु पत्र पत्रिकाओं द्वारा पत्रकारिता को एक नया आयाम मिल रहा है, हर वर्ग (मुख्यता युवा वर्ग) के काफी प्रतिभाशाली लोग इससे समाज सेवा की भावना से जुड़ रहे है लेकिन सुविधाओं, प्रशिक्षण व मान्यता न प्राप्त होने से काफी मुश्किलों का सामना कर रहे है जिसके चलते काफी लोगो को इसको बंद करना पडा इसलिए इसके लिए डीएमए रणनीति तैयार करेगा एवम सरकार से इनके संरक्षण की मांग रखेगा। बैठक में कई वरिष्ठ पत्रकार जिनमे जनार्दन मिश्रा जी के अतरिक्त शिव कुमार अग्रवाल, जयदेव जी, योगेश भट्ट, प्रदीप कुमार केसरी शैलेश शास्त्री, चांदना पॉल, के के सिन्हा, एवम आदि सम्मिलित हुए एवम अपने अपने विचार रखे।

सम्राट मिहिर भोज की जयंती मनाई

गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की जयंती कवि नगर गुर्जर भवन में मनाई गई। इस अवसर पर मिहिर भोज के राज के बारे में बताया गया। इस अवसर पर गुर्जर नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों के सम्राट मिहिर भोज के राज की विस्तार से जानकारी दी जाए, जिससे समाज के बच्चों के गुर्जर समाज के वजूद के बारे में पता चला।

इस अवसर पर गुर्जर नेता सनी गुर्जर, मदन गुर्जर, विकास गुर्जर, ज्ञानी नागर, हरी नागर, सुरेंद्र नागर, पप्पू विकल आदि ने भाग लिया।

पोक्सो एक्ट के मामले में आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी। महिला थाना सेंट्रल की टीम ने पोक्सो एक्ट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम साहिल खान (19) है जो फरीदाबाद के सेक्टर 89 का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत दो मामले महिला थाना में दर्ज हैं। आरोप है कि आरोपी ने वर्ष 2023 में 14 वर्षीय नाबालिक लड़की को बहला फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ पोक्सो की धाराओं के तहत मामला दर्ज करके महिला थाना की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। उस मामले में आरोपी 1 अगस्त 2024 को जेल से बाहर आया। बाहर आने के बाद आरोपी ने फिर से लड़की के साथ संपर्क करने की कोशिश की और उसे इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजे। मामला वापस लेने के लिए दबाव बनाने लगा और लड़की को अश्लील मैसेज भेजे। इस पर आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट का एक मामला ओर दर्ज किया गया।

शिक्षक बच्चों को जीवन की चुनौतियों से लड़ने की सीख भी देता है - प्रो .नचिकेता सिंह

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामलाल महाविद्यालय (सांध्य) में हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने शिक्षकों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. नचिकेता सिंह ने सभी विद्यार्थियों को आज के दिन की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा का काम एक मुक्त रचनात्मक व्यक्तित्व का निर्माण करना होता है।इसीलिए शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं होनी चाहिए,बल्कि कक्षा के बाहर भी हमें नित्य सीखते और सिखाते रहना चाहिए। क्योंकि ऐसी शिक्षा पद्धति हमारे समूचे व्यक्तित्व का निर्माण करती है।जिससे समाज और राष्ट्र का निर्माण सुनिश्चित होता है। शिक्षक का काम बच्चों के अंदर विचारों को जबरदस्ती थोपना नहीं होता,बल्कि उनका काम विद्यार्थियों के अंदर जीवन में आए संघर्षों,और उससे उपजी परेशानियों से जूझने के जज्बे को पैदा करना भी होता है।इस कार्यक्रम की तारीफ करते हुए

उन्होंने आगे कहा कि हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने खुद के जुटाए सीमित संसाधनों के बल पर अपने अध्यापकों के सम्मान में इतना अच्छा आयोजन किया।यह आयोजन बताता है कि इस विभाग के अध्यापकों और विद्यार्थियों के बीच कितना गहरा संबंध है। हिंदी विभाग की प्रभारी प्रो. सुमित्रा महरोल ने देश की पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले के स्त्री शिक्षा के योगदान को रेखांकित करते हुए बच्चों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी।प्रो.अनिल राय ने आज के दिन डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के विचारों को याद करते हुए कहा कि आज के दिन शिक्षकों को भी आत्म-मूल्यांकन करने की बहुत जरूरत है।डॉ.सुनीता खुराना ने पंडित रमाबाई को याद करते हुए शिक्षकों के दायित्वों को समझाया।

प्रो.अर्चना उपाध्याय ने शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच पुल का काम कर रही हिंदी के महत्व को सबके साथ साझा किया।

वहीं डॉ अमित सिंह ने अपनी कविता की पंक्तियों के माध्यम से यह बताया कि शिक्षक हमेशा सीखता रहता है।यह सीखने की प्रक्रिया दोतरफा होनी चाहिए। इस कार्यक्रम में प्रो. सरिता, डॉ. सुनीता सक्सेना, डॉ. रीनू गुप्ता,डॉ. दीपिका वर्मा, सुश्री अंजू बाला,डॉ.अरुणा चौधरी ,डॉ. नीरज कुमार मिश्र आदि अन्य अध्यापकों के साथ हिंदी विभाग के तीनों वर्षों के विद्यार्थियों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम का संचालन अक्षय और भानुप्रताप ने किया।

प्रतिबंध हटने के बाद पहले दिन डूब क्षेत्र में हुई पांच रजिस्ट्री

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। प्रतिबंध हटने के बाद शुक्रवार को जिले में डूब क्षेत्र की जमीनों की पांच रजिस्ट्री सदर तहसील में हुईं। दादरी और जेवर तहसील में कोई रजिस्ट्री नहीं हुई। इसके साथ ही उप निबंधक कार्यालय दादरी की ओर से स्पष्ट हुए शर्त रखी गई है कि जिस जमीन की खरीद बिक्री होनी है उस पर कोई पक्का निर्माण वर्तमान में नहीं होना चाहिए। साथ ही भविष्य में भी उस पर कोई पक्का निर्माण नहीं होगा। उप निबंधक की ओर से कहा गया है कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के दिशा निदेर्शों और नियमों का भी पूरी तरह पालन किया जाएगा। इसके साथ ही खरीद-बिक्री वाली जमीन के साथ गाटा की खतौनी और खसरे की मूल प्रति के साथ पक्षकार के द्वार मौके पर ली गई जीपीएस की फोटो भी लगानी अनिवार्य होगी। डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन कलक्ट्रेट के सचिव हेमंत शर्मा ने बताया, रजिस्ट्री शुरू करने के लिए हाईकोर्ट के आदेश को प्रशासन ने लागू कर दिया है।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में दोस्त की हत्या, मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। सूरजपुर पुलिस ने पत्नी से अवैध संबंध के चलते अपने दोस्त की हत्या करने वाले एक बदमाश को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। इसके अलावा थाना बीटा-दो पुलिस ने लूट करके भाग रहे दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दो दोनों घायल हो गए। पुलिस उपायुक्त ह्रदेश कठेरिया ने बताया है कि गुरुवार को थाना सूरजपुर क्षेत्र के 130 मीटर रोड पर एक व्यक्ति का लहुलुहान शव पुलिस को मिला था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक का नाम संतोष है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उमेश नामक युवक ने संतोष को जमकर शराब पिलाई, तथा उसे 130 मीटर रोड पर ले जाकर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों ने इस मामले में थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज करवाया। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस विधि से जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि इस घटना को उमेश ने अंजाम दिया है। वह सूरजपुर के देवला स्थित एक कंपनी में नौकरी करता है। मृतक और आरोपी दोनों अच्छे दोस्त थे। आरोपी को शक था कि संतोष की उसकी पत्नी से अवैध संबंध है। जिसके चलते उसने उसकी हत्या कर दी। इसके अलावा थाना बीटा-दो पुलिस ने दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। थाना बीटा-दो के प्रभारी विद्युत गोयल ने बताया कि थाना पुलिस बदमाशों की तलाश में चेकिंग कर रही थी, तभी बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाश रूकने की बजाय पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाकर भागने लगे। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली सुमित और प्रदीप नामक दो बदमाशों के पैर में लगी है। बदमाशों के पास से पुलिस ने देसी तमंचा, कारतूस, घटना में प्रयुक्त हुई मोटरसाइकिल बरामद की है।

सरस्वती एन्क्लेव डकैती कांड में शामिल बदमाश गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। कुलेसरा के सरस्वती एन्क्लेव में किराएदार और उसकी महिला दोस्त को बंधक बनाकर डकैती की घटना को अंजाम देने वाले एक और डकैत को ईकोटेक-3 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी कब्जे से 18 हजार रुपए नगद बरामद किए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पकड़े गए बदमाश की पहचान पुलिस ने न्यू फ्रैडंस कालोनी कुलेसरा निवासी विकास उर्फ किंगकांग पुत्र फौजदार के रुप में की गई है। पुलिस की टीम ने उसे कुलेसरा पुस्ते से गिरफ्तार किया है। घटना को सात से आठ डकैतों ने अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस गिरोह के दो आरोपियों को पहले ही मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि आरोपियों ने गहन बेच दिए थे। जिन्हें बेचकर आरोपियों ने आपस में पैसे बांट लिए थे। जिनमें से 18 हजार रुपये पकड़े गए आरोपियों से बरामद कर लिए है।

सैकड़ों वर्ष पुराने ककरोला - पालम रोड का ऐसा हाल, जनता बेहाल : रणबीर सिंहसोलंकी

- केंद्र व राज्य सरकार की वर्चस्व की लड़ाई, दिल्ली बना लापरवाह अधिकारियों की राजधानी

नई दिल्ली। मटियाला विधानसभा : आज हम लापरवाह अधिकारियों की फेहरिस्त में शामिल एसडीएमसी के कारनामों की बात करेंगे, बात लापरवाह अधिकारियों की हो और दिल्ली जल बोर्ड का जिक्र न हो एक नामुमकिन सा ख्वाब लगता है। आज एक और मामला मटियाला विधानसभा का जहा डीजेबी अधिशाषी अभियंता (सी) डीआर क्श ने 1) ककरोला हाउसिंग कॉम्प्लेक्स तारा नगर, 2) ककरोला पालम रोड नजदीक पीपल चौक, 3) ककरोला रोड, शुरू द्वारका मोड़ से पुराने पालम रोड तक, 4) पुराने पालम रोड, शुरू ककरोला क्रोसिंग से नएसयूटी तक एवम 5) द्वारका सेक्टर 15 जेजे कॉलोनी पर सीवर के काम के लिए सड़क कटिंग करी और उसके रिस्टोरेशन (दुबारा बनाने) के लिए एसडीएमसी द्वारा प्राप्त एस्टीमेट पत्र एवम 2 से 5 तक के एस्टीमेट जीएसडीआई पोर्टल की यूनिक आईडी के माध्यम से एसडीएमसी द्वारा जारी ईस्टीमेटो (

जिसकी लागत लगभग 83 लाख) अनुसार एसडीएमसी अधिशाषी अभियंता (एम क्श) नजफगढ़ जोन को डीजेबी ने दो चेको (जनवरी 2021 व मार्च 2022) द्वारा एस्टीमेटो के हिसाब से पेमेंट भी कर दी। सोचिए जनता एवम लाखो राहगीर सालों से रोड बनने का इंतजार कर रहे है जिसका पैसा लगभग 3- 4 सालों पहले एक विभाग, दिल्ली जल बोर्ड द्वारा दूसरे विभाग एसडीएमसी को चला भी गया लेकिन दिल्ली की जनता इन लापरवाह अधिकारियो के वजह से रोजाना दो चार हो रही है और जान हथेली पर लेकर इन सड़कों से अपने गुजर बसर के लिए अपनी जान हथेली पर लेकर चल रही है। रणबीर सिंह सोलंकी चेयरमेन (फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रीक्ट वेलफेयर फोरम, दिल्ली) व राष्ट्रीय अध्यक्ष (राष्ट्रीय युवा चेतना मंच, भारत) ने जब इन रास्तों का जायजा लिया तो लोगों का दर्द फुट फुट कर बाहर आया, लोगो ने बताया यहां बच्चे, बुजुर्ग, महिलाए तथा राहगीर रोजाना घायल होते है, रिक्शे पलट जाते है, दुकानदारों की दुकानदारी खत्म हो गई और वह किराया भी नहीं भर पा रहे है जिससे उनका व परिवार का पालन पोषण दुर्भर हो गया है इसलिए सोलंकी ने डीजेबी के उपाध्यक्ष, सीईओ, शहरी विकास व जल विभाग मंत्रियों से इसकी जांच की मांग की है जिससे पीड़ित जनता को समाधान मिले। गरीब, बेसहारा, लाचार जनता कहा जाए किससे गुहार लगाए क्योंकि वही बात हो गई है कि केंद्र और दिल्ली सरकार की वर्चस्व की लड़ाई में अधिकारी भए थानेदार अब रपट कौन लिखे।

बाइक चोरी कर मोबाइल फोन लूटने वाले गिरोह गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। थाना सेक्टर-113 नोएडा की पुलिस ने बाइक चोरी कर उससे शहर में मोबाइल फोन छीनने वाले गिरोह के पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है, जिसमें से एक नाबालिग है। गिरोह एक बाइक से तीन से चार घटना करने के बाद उसे कटवा देते और दूसरी बाइक चोरी करते थे। इनके कब्जे से चोरी की 6 बाइक और 26 मोबाइल बरामद किए गए है। एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया है कि गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि एफएनजी सर्विस रोड सोरखा के पास कुछ बदमाश लूटपाट की योजना बना रहे है। जानकारी मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी करके पांचों बदमाशों को गिरफ्तार किया। इसमें एक नाबालिग भी शामिल है। इनकी पहचान सोरखा निवासी अभिषेक उर्फ कालू, बाइक मैकेनिक का काम करने वाले सेक्टर-118 निवासी मसरे आलम पुत्र मकसूद आलम, सफाबाद निवासी ललित यादव उर्फ लुक्का पुत्र विजेंद्र यादव और सोरखा निवासी बिमलेश उर्फ मनोज पुत्र छंगा को गिरफ्तार किया गया।

जनचेतना रैली, मैराथन रेस, क्विज कंपीटिशन से करवाएंगे मतदाताओं को जागरुक

गुरुग्राम, एजेंसी। स्वीप के नोडल अधिकारी एवं एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव-2024 में भी मतदाता जागरूकता का अभियान जोरों पर चलाया जाएगा। इस दौरान जिला के गांवों और शहरों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

विकास सदन में स्वीप कार्यक्रम की बैठक को संबोधित करते हुए एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि इस बार पांच अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के लिए जिला के चार हलके गुरुग्राम, पटौदी, सोहना और बादशाहपुर के 1504 बूथों पर वोटिंग होगी। जिला में 14 लाख 97 हजार 434 मतदाता हैं। प्रशासन का प्रयास रहेगा कि कम से कम 75 प्रतिशत मतदान हो और अधिक से अधिक लोग वोट डालने के लिए 5 अक्तूबर को अपने घर के समीप बूथ पर जाएं।

एक नजर

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की जेल

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। अपर सत्र न्यायालय ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सुपौल निवासी सोनू को दोषी करार दिया है। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) द्वितीय सौरभ द्विवेदी ने सोनू को 20 साल की कैद की सजा सुनाई है, साथ ही 70 हजार रुपये जुमार्ना लगाया। जुमार्ना अदा नहीं करने पर सात माह का अतिरिक्त कारावास काटना होगा। जुमार्ने की 80 फीसदी राशि पीड़िता के पुनर्वास पर खर्च होगी। थाना सूरजपुर क्षेत्र में पीड़ित परिवार किराये पर रहता था। पीड़िता (16) के पिता फैक्टरी में काम करते हैं। दर्ज मामले के मुताबिक 21 जुलाई 2019 को पीड़िता की मां बीमारी की दवा लेने गई थी। घर पर पीड़िता अकेली थी। इस बीच पास में रहने वाला सोनू घर में घुस आया। दुष्कर्म की वारदात के बाद वह फरार हो गया। मां के घर लौटने पर पीड़िता मां से लिपट कर रोने लगी। वारदात की जानकारी मिलते ही पीड़िता की मां सोनू के घर पर पहुंची। जहां उसके परिजनों ने पीड़िता और उसकी मां के साथ गाली गलौज व अभद्रता की। पुलिस ने केस दर्ज कर पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया। जिसके बाद सोनू को गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत में सात गवाहों सहित दस्तावेज व अन्य साक्ष्य पेश किए गए। दोष सिद्ध होने पर अदालत ने सोनू को 20 साल की कैद और 70 हजार रुपये जुमार्ना अदा करने की सजा सुनाई है।

फरीदाबाद : दूसरे दिन चार उम्मीदवारों ने दाखिल किए नामांकन

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार नामांकन के दूसरे दिन चार लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किए है। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनाव-2024 के चुनाव लडे वाले उम्मीदवारों के लिए नामांकन प्रक्रिया अधिसूचना जारी होने के बाद 05 सितम्बर से शुरू हो गई थी। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार 86- एनआईटी विधान सभा से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जितेन्दर कुमार ने रिटर्निंग अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा के समक्ष , 88- बल्लभगढ़ विधान सभा के नामांकन के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर मूलचंद शर्मा ने रिटर्निंग अधिकारी एवं उपमंडल अधिकारी मयंक भारद्वाज के समक्ष और 90- तिगांव विधान सभा के नामांकन के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर संदीप कुमार मेहता और समता पार्टी के सोमेश्वर सिंह ने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं रिटर्निंग अधिकारी सतबीर मान के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किए। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि आज शुक्रवार को नामांकन के दूसरे दिन 85-पृथला विधान सभा, 87- बडखल विधानसभा, 89-फरीदाबाद विधान सभा में कोई भी नामांकन नहीं आया। किसी भी प्रत्याशी ने कोई नामांकन दाखिल नहीं किया।

फरीदाबाद में रोड शो से पहले हटाए भाजपा के होर्डिंग

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए देखा गया, जिसके बाद नगर निगम की टीम जगह जगह लगे भाजपा के झंडे और होर्डिंग हटाते हुए दिखाई दी। शुक्रवार को बल्लभगढ़ में भाजपा के प्रत्याशी और कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा मोहना रोड़ कल्पना सिटी पार्क के रास्ते रोड शो के साथ नामांकन के लिए उप मंडल कार्यालय बल्लभगढ़ जाना था। लेकिन इस रास्ते पर जगह-जगह भाजपा के झंडे लगे हुए दिखाई दिए। ऐसे में शहर में आदर्श आचार संहिता लगी हुई है।

नगर निगम की टीम भी आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए रास्ते में लगे सभी भाजपा के पोस्टर-बैनर व झंडों को हटाना शुरू कर दिया। जहां भी होर्डिंग लगे हुए थे। कर्मचारियों ने उसे हटा दिया। बल्लभगढ़ सेक्टर 2 कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के कार्यालय से होते हुए मलेरना रोड कल्पना सिटी पार्क से अंबेडकर चौक होते हुए रोड शो के माध्यम से मूलचंद शर्मा अपना नामांकन इसी रास्ते से दाखिल जाने वाले थे। उनका रोड़ शो निकलने से पहले ही निगम कर्मचारियों ने रास्ते में लगे सभी झंडे व छोटे-छोटे होर्डिंग को हटाना शुरू कर दिया। जब इस बारे में होर्डिंग हटाते हुए निगम के कर्मचारियों से जानकारी ली गई, तो उन्होंने कहा उच्च अधिकारियों आदेश के साथ आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए यह कार्रवाई की जा रही है। जहां पर भी किसी पार्टी के झंडे या पोस्टर बैनर लगे है, उन सभी को हटाया जाएगा। चाहे वो किसी भी पार्टी का पोस्टर बैनर या झंडा क्यों ना हो। आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करवाया जाएगा।

पलवल में जिला निर्वाचन अधिकारी ने चैक किए नाके,एसपी व एसडीएम रहे मौजूद

पलवल, एजेंसी। में विधानसभा चुनाव को जिले में निष्पक्ष व शांतिपूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश से लगती जिले की सीमाओं पर पुलिस प्रशासन की ओर से नाके लगाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने पुलिस अधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश की सीमा से लगती जिले की सीमाओं पर पुलिस नाकों व मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने इन जगहों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने चुनाव ड्यूटी से जुडे संबंधित अधिकारियों को जिला में निष्पक्ष और शांतिपूर्वक चुनाव करवाने को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। वहीं मतदान केंद्रों पर बिजली, पानी समेत साफ-सफाई के समूचित प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया।इस दौरान उनके साथ पर्यवेक्षक बीएस मीणा व एसपी चंद्रमोहन के अलावा एसडीएम ज्योति भी मौजूद रहे।

नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन किसी ने नहीं किया नामांकन

गुरुग्राम, एजेंसी। विधान सभा चुनाव-2024 के तहत जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों पटौदी, बादशाहपुर, सोहना व गुडगांव से नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन कोई भी उम्मीदवार नामांकन पत्र दाखिल करने नही आया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वीरवार 5 सितंबर से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया के तहत संबंधित विधानसभा क्षेत्र में स्थित एसडीएम कोर्ट रूम मं उम्मीदवारों के नामांकन पत्र लिए जा रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव ने बताया कि चुनाव लडे के इच्छुक उम्मीदवार संबंधित विधानसभा क्षेत्र के एसडीएम कोर्ट में सुबह 11 बजे से शाम तीन बजे तक अपने नामाकंन पत्र दाखिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विधानसभा चुनाव को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने को लेकर सभी जरूरी तैयारियां कर ली गई हैं। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार पांच सितंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होकर 12 सितंबर तक दाखिल किए जा सकते हैं ।

मतदान प्रतिशत बढाने के लिए स्कूली बच्चों ने रैली निकाली

पलवल, एजेंसी। पलवल में पांच अक्तूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। जिसके तहत स्कूल, कॉलेज व आंगनबाड़ी केंद्रों पर मतदाता जागरूकता संकल्प दिलाकर मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व में वोट डालने के लिए प्रेरित व जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत जैंदापुर व सीहा गांव के सरकारी स्कूलों में मतदाता जागरूकता को लेकर पेंटिंग, पोस्टर बनाओ और निबंध प्रतियोगिताएं करवाई गई। जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वहीं विद्यार्थियों ने रैली निकालकर मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने के लिए जागरू किया गया।

संक्षिप्त खबरें

अखिलेश यादव ने किया ट्वीट, इंडिया एलायंस की मजबूती के लिए हरियाणा में सपा प्रत्याशी न उतारने के संकेत

लखनऊ। हरियाणा चुनाव में सपा अपने प्रत्याशी उतारेगी या फिर कांग्रेस उसे कुछ सीटें देगी इन कयासों के बीच अखिलेश यादव ने हरियाणा चुनाव को लेकर एक ट्वीट किया है। इस ट्वीट से इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि सपा संभवतः यहां से अपने प्रत्याशी न उतारे।

अखिलेश ने ट्वीट करते हुए लिखा कि.

हरियाणा चुनाव में की एकजुटता नया इतिहास लिखने में सक्षम है। हमने कई बार कहा है और एक बार फिर दोहरा रहे हैं व आगे भी दोहरायेंगे कि ह्यबात सीट की नहीं जीत की हैह्ल। हरियाणा के विकास व सौहार्द की विरोधी ह्यभाजपा की नकारात्मक, साम्प्रदायिक, विभाजनकारी राजनीतिह्ल को हराने में ह्यइंडिया एलायंसह्ल की जो भी पार्टी सक्षम होगी, हम उसके साथ अपने संगठन और समर्थकों की शक्ति को जोड़ देंगे।

बात दो-चार सीटों पर प्रत्याशी उतारने की नहीं है, बात तो जनता के दुख-दर्द को समझते हुए उनको भाजपा की जोड़-तोड़ की भ्रष्टाचारी सियासत से मुक्ति दिलाने की है, साथ ही हरियाणा के सच्चे विकास और जनता के कल्याण की है। पिछले 10 सालों में भाजपा ने हरियाणा के विकास को बीसों साल पीछे धकेल दिया है।

हम मानते हैं कि हमारे या इंडिया एलायंस के किसी भी दल के लिए, ये समय अपनी राजनीतिक संभावना तलाशने का नहीं है बल्कि त्याग और बलिदान का है। जनहित के परमार्थ मार्ग पर स्वार्थ के लिए कोई जगह नहीं होती। कुटिल और स्वार्थी लोग कभी भी इतिहास में अपना नाम दर्ज नहीं करा सकते हैं। ऐसे लोगों की राजनीति को हराने के लिए ये क्षण, अपने से ऊपर उठने का ऐतिहासिक अवसर है। हम हरियाणा के हित के लिए बड़े दिल से, हर त्याग-परित्याग के लिए तैयार हैं।

बहराइच में भेड़िये का आतंक जारी, बुजुर्ग व उसके तीन वर्षीय पोते पर हमला कर किया घायल

बहराइच। बहराइच में भेड़िये का आतंक जारी है। शुक्रवार को भेड़िये ने एक बुजुर्ग और उसके तीन वर्षीय पोते पर हमला कर घायल कर दिया।

जिले के कोतवाली दोहात के ग्राम पंचायत यादवपुर के मजरा लोधनपुरवा में भेड़िये ने कृपाराम (60) व उनके पोते सत्यम (03) पर हमला कर भेड़िये ने उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। बृहस्पतिवार की रात को भी इसी गांव में एक बच्चा घायल हुआ था।

रात में किया था एक हमला

बहराइच के देहात कोतवाली क्षेत्र के गोलावा मौजा यादवपुर निवासी कलाल यादव का आठ वर्षीय पुत्र संगम लाल बृहस्पतिवार की देर रात अपने घर के दरवाजे पर खड़ा था तभी भेड़िए ने उस पर हमला कर दिया। चीखपुकार सुन परिजनों के शोर मचाने पर भेड़िया भाग गया जिससे वह घायल हो गया और चेहरे पर घाव के निशान हो गए। परिजन उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे जहां उसका उपचार चल रहा है। संगम लाल की मां जनक दुलारी ने बताया कि भेड़िए ने बेटे पर हमला किया था जिससे वह घायल हो गया।

बाराबंकी: एक साथ एक गांव पहुंचे पांच शव, चार एक ही परिवार के, आंसुओं में डूबा गांव, घरों में नहीं जले चूल्हे

बाराबंकी। बाराबंकी के बड्डूपुर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार देर रात सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों समेत पांच की मौत हो गई थीं। डीएम के निर्देश में डॉक्टरों की टीम ने रात में ही पोस्टमार्टम शुरू किया। सुबह करीब 10 बजे पांचों शव कुर्सी थाना क्षेत्र के उमरा गांव पहुंचे। गांव पहुंचने पर कोहराम मच गया। परिजनों की चीत्कार देखकर पूरा गांव रो पड़ा। बृहस्पतिवार की सुबह अधिकतर घरों में चूल्हा तक नहीं जला। दोपहर में सभी शवों का अंतिम संस्कार पुलिस के मौजूदगी में शुरू हुआ। मरने वाले सभी मुस्लिम परिवार के है। मालूम हो कि लखनऊ-महमूदाबाद मार्ग पर बृहस्पतिवार देर रात बड्डूपुर क्षेत्र के इनैतापुर गांव के पास दो कार व एक ऑटो में भीषण टक्कर हो गई थी इसमें एक कार सड़क के बगल तालाब में चली गई। इस हादसे में ऑटो सवार कुर्सी थाना क्षेत्र के उमरा गांव निवासी इरफान पुत्र एहतेशाम, वहिदून निशा पत्नी स्वर्गीय अनवार अली, अजीज अहमद उर्फ बुद्धू पुत्र मुहर्रम अली, ताहिरा बानो पुत्री जाकिर अली व साबरीन पत्नी तारिक काजमी की मौत हो गई थी जबकि शायरा बानो पत्नी अजीज अहमद, एक बच्ची अक्सा पुत्री सारिक, कार चालक नंदना खुर्द गांव का विवेक घायल हैं।

एसपी दिनेश कुमार ने बताया की रात करीब 2:30 बजे बैटरी व महिला को कैदियों में रेफर कर दिया गया जहां दोनों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। दोनों को आईसीयू में रखा गया है। डॉक्टर उनकी जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं। हादसे में जान गवाने वाला इरफान ही एक दूसरे परिवार का है बाकी चार एक ही परिवार के हैं। इस घटना को लेकर कांग्रेस के पूर्व सांसद पी एल पुनिया उमरा गांव पहुंच गए हैं। दरियाबाद के विधायक और प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री सतीश सिंह शर्मा ने घटना पर गहरा दुख जताया है।

सड़क हादसे के बाद मौके से फरार हुई इमेज शक के घेरे में है। कुछ लोगों ने बताया कि हादसे के बाद इमेज कर में सवार लोग अपनी गाड़ी लेकर तुरंत मौके से भाग गए जबकि वह चाहते तो तुरंत पुलिस को सूचना देते। पुलिस ने देर रात कार के नंबर के आधार पर उसकी लोकेशन पता की। जांच में पला लगा कि कार सीतापुर जनपद के महमूदाबाद निवासी सदिक की है। वहीं, सड़क हादसे के बाद तालाब में गिरी कार को निकालने के लिए तत्काल एसडीआरएफ बुलाई गई। डीएम एसपी की मौजूदगी में क्रेन के सहारे साहस का परिचय देते हुए एसडीआरएफ के जवानों ने तालाब के अंदर घुसकर कर को क्रेन के छल्ले में फसाया। कार बाहर निकल गई और उसकी तलाशी ली गई तो उसमें से साढ़े तीन लाख रूपए है व एक रिवॉल्वर बरामद हुआ। वहीं देर रात तक घायलों का अस्पताल भिजवाने से लेकर कार का रेस्क्यू कराने तक में सीओ फतेहपुर छॉ. बीनू सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर एक कार और ऑटो बरामद हुआ है जबकि इमेज कर मौके से गायब मिली है। जिसके बारे में पता किया जा रहा है।

सीएम योगी बोले: अगले चार सालों में देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनेगा यूपी, सातवें पायदान से दूसरे पर ले आए हैं

गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विकास और सुरक्षा का मॉडल ही वर्तमान और भावी पीढ़ी को उज्जवल भविष्य के मार्ग पर आगे बढ़ाएगा और इसका लाभ अनंत काल तक प्राप्त होगा। सरकार के विकास प्रस्तावों में विघ्न डालने के बजाय विकास का सहभागी बनना चाहिए क्योंकि इसी में पीढ़ियों का भविष्य जुड़ा है इसलिए विकास का सिलसिला निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। सीएम योगी पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के सोनबरसा में 535 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इन विकास परियोजनाओं में प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा को स्मार्ट स्कूल बनाने, इसी ग्राम पंचायत में स्मार्ट पंचायत भवन और बालापार-टिकरिया मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण व बालापार-टिकरिया-गांगी बाजार मार्ग के फोरलेन में उच्चीकरण तथा नवीन थाना सोनबरसा के प्रशासनिक-आवासीय भवनों के निर्माण कार्य के शिलान्यास शामिल हैं। समारोह में उपस्थित जनसमूह से मुख्यमंत्री ने प्रदेश और गोरखपुर के विकास को लेकर विस्तृत से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विकास होगा तभी उद्यमिता बढ़ेगी। क्षेत्र में नए-नए युवा उद्यमी बन पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए दो चरणों में ब्याज मुक्त लोन देने की व्यवस्था कर दी है। पहले चरण में पांच लाख और दूसरे चरण में 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत लोन लेने वाले युवा को बैंकों को सिर्फ मूल पूंजी वापस करनी होगी, ब्याज का पैसा सरकार चुकता करेगी।

बालापार क्षेत्र के लोगों का आसान हो जाएगा जीवन...सीएम योगी ने कहा कि आज बालापार, टिकरिया और आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए रेल ओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया है। इसके साथ ही बालापार, टिकरिया से लेकर गांगी तक फोरलेन सड़क का शिलान्यास किया गया है। इससे इस क्षेत्र के लोगों का जीवन बहुत आसान हो जाएगा। आधे घंटे की दूरी अब पांच मिनट में पूरी हो जाएगी।

फोरलेन निर्माण में नहीं टूटने देंगे किसी का मकान...सीएम योगी ने कहा कि फोरलेन निर्माण के लिए उन्होंने निर्देश दे रखा है कि फोरलेन बनाने के दौरान मकान नहीं टूटने चाहिए, भले ही फोरलेन का नक्शा बदलना पड़े। इसके साथ ही सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा देने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सोनबरसा में नया थाना बन जाने से लोगों की सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

पैसों से खरीदें खेत, कुछ नया काम भी शुरू करें...मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे जमीन के मुआवजे के पैसों से दूरदराज के क्षेत्र में खेत खरीदें और कुछ नया काम भी शुरू करें। इससे आने वाली पीढ़ी खुशहाल बनेगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है देश...सीएम योगी ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

आज पूरी दुनिया में भारत की तूती बोलती है। भारत की पहचान पूरी दुनिया में विकास के एक मॉडल के रूप में बनी है। देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आने वाले तीन वर्षों में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा और इसमें उत्तर प्रदेश की भी बड़ी भूमिका होगी।

आने वाले चार वर्षों में देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था होगा उत्तर प्रदेश...मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी तब उत्तर प्रदेश देश में सातवें नंबर की अर्थव्यवस्था था।

सात सालों में यूपी दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था है और आने वाले चार सालों में यह देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था होगा।

रेल ओवरब्रिज, स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट पंचायत भवन का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोनबरसा गांव में आयोजित समारोह में 88 करोड़ 46 लाख 98 हजार रुपये की दो विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 546 करोड़ 19 लाख 11 हजार रुपये की तीन विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। लोकार्पण की प्रमुख परियोजना बालापार-टिकरिया मार्ग स्थित रेल समपार संख्या-6 के स्पेशल टू लेन रेल ओवरब्रिज शामिल है। इसके निर्माण पर 84 करोड़ 87 लाख 58 हजार रुपये की लागत आई है। मुख्यमंत्री सोनबरसा गांव में हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के सीएसआर फंड से जीडीए द्वारा बनवाए गए स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट पंचायत भवन का भी लोकार्पण किया। इस पर 3 करोड़ 59 लाख 40 हजार रुपये की लागत आई है।

विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। गोरखपुर का विकास इसका प्रमाण है। आज गोरखपुर में बंद पड़ा खाद कारखाना फिर से चल रहा है। एम्स बन गया है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज बेहतरीन सुविधाओं का केंद्र बन गया है। गोरखपुर का रामगढ़ताल पर्यटन और रोजगार का नया केंद्र बन गया है। गोरखपुर में चारों तरफ सड़कों का संजाल बिछ चुका है। मेडिकल, फामेसी, नर्सिंग की पढ़ाई के लिए अब कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है। आयुष विश्वविद्यालय भी बनकर लगभग तैयार है। पिपराइच में चीनी मिल चल रही है।

चिलुआताल को बनाएंगे पर्यटन का नया केंद्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामगढ़ताल की ही तर्ज पर चिलुआताल का भी पर्यटन विकास कराया जा रहा है। यह पर्यटन का नया केंद्र बना है और इससे रोजगार की संभावनाएं भी आगे बढ़ेंगी।

अपराध, अपराधी के साथ बीमारी को भी दूर भगाया

सीएम योगी ने कहा कि एक समय यहां लोकार्पण और शिलान्यास के समारोह की बात भी नहीं सोची जा सकती थी। इंसेफेलाइटिस के चलते बच्चे दम तोड़ते थे। कोहराम मचा रहता था। आज सरकार ने अपराध और अपराधियों के साथ इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी को भी दूर भगा दिया है।

आज राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और पीएम तक आते हैं गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक दौर वह भी था जब कोई बाहरी व्यक्ति गोरखपुर आना नहीं चाहता था। आज राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक गोरखपुर आते हैं। उन्होंने बताया कि कल उपराष्ट्रपति सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने गोरखपुर आएंगे।

सोनबरसा में बना स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट पंचायत भवन

सीएम ने कहा कि सोनबरसा में खाद कारखाना के सीआरएस फंड से बने स्कूल को आसपास के लोगों को भी देखना चाहिए कि हमारे विद्यालय कैसे होने चाहिए। स्मार्ट पंचायत भवन भी बना है। जैसे प्रदेश का सचिवालय होता है, वैसे ही ग्राम पंचायत का भी ग्राम सचिवालय होता है। सरकार 57 हजार ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय बना रही है। इनके जरिए अब ग्रामीणों को जरूरी प्रमाण पत्रों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, सभी जरूरी प्रमाण पत्र ऑनलाइन ग्राम सचिवालय से ही मिल जाएंगे।

सीएम योगी की पूरी दुनिया में डिमांड: रविकिशन

इस अवसर पर सांसद रविकिशन ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरे देश में नंबर वन सीएम हैं। उनकी डिमांड पूरी दुनिया में है। उन्होंने गोरखपुर को नई उम्मीदों का शहर बना दिया है। लोकार्पण समारोह को विधायक महेंद्रपाल सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, श्रीराम चौहान, प्रदीप शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

फोरलेन और नए थाना भवन के निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के हाथों बालापार-टिकरिया-गांगी बाजार मार्ग के फोरलेन में चौड़ीकरण (लागत 519.62 करोड़), रिपोर्टिंग पुलिस चौकी सिकटौर को उच्चीकृत कर थाना सिकटौर सोनबरसा हेतु प्रशासनिक व आवासीय भवनों (लागत 26.56 करोड़) के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी हुआ।

अभ्यर्थियों ने यूपी के मंत्री डॉ. संजय निषाद का आवास घेरा

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी प्रदेश में लगातार धरना प्रदर्शन कर अपना पक्ष रख रहे हैं। शुक्रवार को अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद के आवास के सामने प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। अभ्यर्थियों ने सरकार पर भर्ती में आरक्षण का घोटाला करने का आरोप लगाया है और पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग की है। इसके पहले अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री ओम प्रकाश राजभर और आशीष पटेल के आवास का भी घेराव किया।

सात सितंबर को मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात करेंगे अभ्यर्थी...बृहस्पतिवार को पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास का घेराव किया। अभ्यर्थी हाईकोर्ट के फैसले का पालन करने व नियुक्ति देने की मांग कर रहे थे। मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से मुलाकात की। उन्होंने अभ्यर्थियों की समस्याएं सुनीं और ज्ञापन लिया। राजभर ने आश्वासन दिया कि वे अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सात सितंबर को करवाएंगे। इस मामले का समाधान जल्द ही किया जाएगा। सीएम से मिलने के लिए उन्होंने पांच अभ्यर्थियों के नाम भी मांगे। धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा अभ्यर्थी चार साल से सड़कों पर भटक रहे हैं। अब कोर्ट का फैसला आया है तो इसका पालन नहीं हो रहा है। कोर्ट ने भर्ती की मूल चयन सूची रद्द कर सरकार को तीन महीने में आरक्षण नियमों का पालन करते हुए नई सूची जारी करने का आदेश दिया है, लेकिन सरकार ने अब तक कोई काम शुरू नहीं किया है। इससे अभ्यर्थियों में नाराजगी है।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम : डॉ राकेश सिंह राना

सिकंदराराऊ में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

पूर्व एमएलसी और लखनऊ यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष रहे डॉ. राकेश सिंह राना ने मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

द न्यूज 15 ब्यूरो

सिकंदराराऊ/हाथरस। हम सब यहां शिक्षक दिवस के अवसर पर एकत्रित हुए हैं। मैं सबसे पहले डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर सभी शिक्षकों को सादर प्रणाम करता हूं। पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के महान शिक्षकों में से एक थे। यह बात पूर्व एमएलसी और पूर्व लखनऊ यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह राना ने सिकंदराराऊ में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह में कही। राकेश सिंह राना कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे।...उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने हमेशा सभी छात्रों को मार्गदर्शन दिया। एक गरीब तेलुगु ब्राह्मण परिवार से आने वाले डॉ. राधाकृष्णन ने अपनी पूरी शिक्षा छात्रवृत्ति के माध्यम से पूरी की और राष्ट्र निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाई। कार्यक्रम में शिक्षकों के देश और समाज के उत्थान में योगदान की चर्चा करते हुए राकेश सिंह राना ने कहा कि एक अच्छे और श्रेष्ठ राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम रहती है। उनका कहना था कि बच्चों को जैसी शिक्षा दी जाएगी वैसा ही राष्ट्र का निर्माण होगा। आज के बच्चे बहुत ही विलक्षण प्रतिभा के धनी हैं। उनको एक अच्छे अनुशासन व संस्कार युक्त शिक्षा की आवश्यकता है और यह तब ही सम्भव है जब शिक्षक अपनी भूमिका निर्धारण करें।

डॉ. राकेश सिंह राना ने कहा कि शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी बनाने में मदद करते हैं।

इस अवसर पर राकेश सिंह राना ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी रिटायर्ड अध्यापक, अध्यापिकाओं का अंग वस्त्र और फूल माला पहनाकर, गीता की पुस्तक व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में आयोजक कमेटी ने राकेश सिंह राना को मोमेंट व अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

भू-अधिग्रहण घोटाला: मुआवजा देना था 60 लाख रुपये सिफारिश 6 करोड़ की दोबारा मूल्यांकन में खुलासा

बरेली । बरेली-सितारगंज हाईवे और बरेली में रिंग रोड के लिए भूखंडों के अधिग्रहण में फर्जीवाड़े की परतें खुलने लगी हैं। सूत्रों के मुताबिक सरनिया गांव में जिस मूल्यांकन में गोदाम की कीमत 30 लाख रुपये आंकी गई, दोगुनी दर से उसका मुआवजा 60 लाख रुपये होना चाहिए था। जिम्मेदारों की मिलीभगत से उसके लिए करीब छह करोड़ रुपये का मुआवजा तय कर दिया गया। गनीमत रही कि भुगतान होने से पहले ही मामला खुल गया। अब मामला आर्बिटेशन (मध्यस्थता) में है।

ऐसा ही एक मामला नवाबगंज तहसील के गांव गरगईया का है। यहां एक प्रॉपर्टी का मूल्यांकन बढ़ाकर किया गया और उसका भुगतान भी हो गया। मोटे तौर पर करीब पौने दो करोड़ रुपये के घोटाले की बात सामने आ रही है। बरेली-सितारगंज हाईवे व रिंग रोड के चौड़ीकरण के लिए जमीन अधिग्रहण से पहले परिसंपत्तियों के मूल्यांकन में हेराफेरी की गई, ताकि अधिक मुआवजे का भुगतान हो सके।

दो अफसर हो चुके हैं निलंबित...एनएचएआई के चेयरमैन की ओर से कराई गई जांच में भी इसकी पुष्टि हुई थी। तब एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी संजीव शर्मा और परियोजना निदेशक बीपी पाठक निलंबित किए गए थे। चेयरमैन के पत्र पर शासन ने दो टीमें गठित कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कराई है।

सीडीओ की अध्यक्षता वाली समिति ने बृहस्पतिवार को भी परिसंपत्तियों का मूल्यांकन कराया। अभियंता सरनिया और गरगईया में पहुंचे। जांच और मूल्यांकन के बाद अभियंता रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट जल्दी ही वरिष्ठ अफसरों को सौंपी जाएगी।

विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि परिसंपत्तियों का मूल्यांकन एनएचएआई की ओर से नियुक्त मूल्यांकनकर्ता और पीडब्ल्यूडी के अभियंता करते हैं। अभी मूल्यांकन रिपोर्ट नहीं आई है। जांच टीम में शामिल अभियंता ही बता सकते हैं कि वहां मूल्यांकन की क्या स्थिति है।

अभियंताओं-कर्मचारियों पर कार्रवाई की तलवार...ज्वाइंट मेजरमेंट सर्वे से लेकर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन फाइनल होने तक प्रक्रिया में शामिल कर्मचारियों, निजी एजेंसी के सर्वेयर और मूल्यांकनकर्ताओं के साथ-साथ लेखपाल और कुछ अन्य कर्मचारियों की भूमिका रहती है। इनकी मूल्यांकन रिपोर्ट को पीडब्ल्यूडी के अभियंता सत्यापित करते हैं। इसलिए तत्कालीन अभियंताओं और कर्मचारियों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

जांच टीम अब उन कर्मचारियों और अभियंताओं के नाम भी तलाश रही है, जिनके हस्ताक्षर उस मूल्यांकन रिपोर्ट पर हैं, जिसमें मुआवजा तय किया गया। कितना मूल्यांकन बन रहा था और कितना बना दिया गया, इसका उल्लेख जांच रिपोर्ट में किया जाना है। शासन ने स्पष्ट रिपोर्ट मांगी है। मंडलायुक्त की ओर से जब यह रिपोर्ट शासन को पहुंचेगी तो संबंधित विभागाध्यक्षों को दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

एनएचएआई की ओर से जिस निजी एजेंसी को सर्वे और मूल्यांकन कराने के बाद मुआवजे का प्रस्ताव तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी, मुख्यालय की ओर से उसके खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति पहले ही की जा चुकी है। इस मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ने पर बरेली, पीलीभीत और ऊधमसिंह नगर जिले के तत्कालीन कर्मचारी और अभियंता फंस सकते हैं।

रोजा के रेलवे रैक प्वाइंट पर ट्रकों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से लगा जाम

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के रोजा में रेलवे रैक प्वाइंट पर शुक्रवार सुबह गेहूं की रैक लोड होने का काम शुरू होते ही वहां ट्रकों और ट्रैक्टर ट्रॉलियों के आड़े-तिरछे खड़े होने से लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर जाम लगने लगा। करीब तीन घंटे तक जाम लगे रहने से हाईवे पर रेलवे के पुराने ओवरब्रिज से लेकर जमुका दोराहा से पहले तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

इस दौरान हाईवे पर लंबी दूरी के वाहन अटसलिया बाईपास से निकलते रहे, लेकिन जमुका से शहर की ओर आने वाले और अन्य नजदीकी गांवों के लोगों को जाम से काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। रेलवे प्वाइंट के प्लेटफार्म नंबर तीन पर सुबह आठ बजे गेहूं की रैक लोड करने को खाली मालगाड़ी भेजी गई।

रैक प्वाइंट के गेट पर सरकारी गोदामों से गेहूं लेकर आए ट्रकों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के चालकों में गेट के पास वाहन लगाने की होड़ लग गई। कुछ ही देर में वहां गेहूं से लोड वाहनों की एक कतार रोड पटरी के नीचे और दो कतारें रोड पर लग गईं। रैक प्वाइंट के गेट के पास गड्ढों में बारिश का पानी भरा होने से वाहन चालक उधर से निकलने से कतराए तो अन्य कतारों में शामिल वाहनों के आगे बढ़ने का रास्ता बंद हो गया।

घंटों फंसे रहे वाहन...रैक प्वाइंट के एक ओर रेलवे के पुराने ओवरब्रिज तक और दूसरी ओर जमुका दोराहा से पहले जमुही गांव के सामने तक जाम में फंसे वाहनों की कतार लग गई। जाम में कई स्कूली बसें और रोजा से सीतापुर मार्ग पर सवारियां ढोने वाले तमाम डग्गामार वाहन भी घंटों फंसे रहे। दिन में लगभग 11 बजे सीतापुर की ओर से कुछ वाहनों पर सवार लोगों ने सड़क पर तिरछे खड़े वाहन सीधे कराकर अपने निकलने का रास्ता बनाया। इसके बाद भी रैक प्वाइंट गेट के पास वाहनों का इतना जमावड़ा रहा कि करीब दो घंटे वहां वनवे ट्रैफिक व्यवस्था लागू रही। इसके तहत सीतापुर और बरेली दिशा के वाहन बारी-बारी ठहराव लेकर निकलते रहे।

विद्यालय संचालन के लिए पंच प्राण आवश्यक : ख्यालीराम

संवाददाता।

मुंगेर। विद्यालय के पांच प्राण- छात्र, अध्यापक, भवन, प्रबंधकारिणि समिति एवम् समाज होते हैं। इनमें से एक भी अगर निकल जाए तो विद्यालय नहीं चल सकता। अतः इन पांचों तत्वों में आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए अच्छी शिक्षा और अच्छे संस्कार के साथ विद्यालय का सफल संचालन करें। उक्त बातें विद्या भारती उत्तर-पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री ख्याली राम ने भारती शिक्षा समिति/शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार द्वारा आयोजित प्रांत स्तरीय सी एवम् डी श्रेणी के सरस्वती शिशु/ विद्या मंदिरों के प्रधानाचार्यों को संबोधित करते हुए सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर के प्रशाल में कही।आगे उन्होंने कहा कि विद्या भारती विद्यालयों का भौगोलिक विस्तार हो तथा समाज में विद्यालय का प्रभाव दिखे एवम् गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विस्तार करते हुए विद्यालय को सामाजिक चेतना

का केंद्र बनाने का प्रयास करें। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, सामाजिक सद्भाव, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, शोध, अभिभावक संपर्क, पूर्व छात्र, स्वदेशी आदि विषयों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा किया तथा इसके प्रति समाज में जागरूकता फैलाने एवम् इस पर कार्य करने का आह्वान किया। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत विद्या भारती उत्तर-पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री ख्याली राम, भारती शिक्षा समिति/शिशु शिक्षा प्रबंध समिति, बिहार के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा, सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर के सचिव अशोक कुमार एवम् प्रधानाचार्य संजय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए भारती शिक्षा समिति/शिशु शिक्षा प्रबंध समिति, बिहार के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य विद्यालयों के शैक्षिक एवम् सहशैक्षिक गतिविधियों में उत्कृष्टता लाना है जिससे कि विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने उपस्थित प्रधानाचार्यों से कहा कि यहां चर्चा किए गए विषयों को अपने-अपने विद्यालयों के आचार्यों एवम् प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ चर्चा-वार्ता कर विद्यालय में क्रियान्वित करें। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण सत्र में सभी प्रधानाचार्य तीन बार बैठते हैं। पहली बैठक में नई योजनाओं का निर्माण तथा सत्रांत समीक्षा करते हैं। दूसरी बैठक में योजनाओं का कहाँ तक क्रियान्वयन हुआ इसकी समीक्षा होती है जिससे सीख लेते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का पुनः प्रयत्न करते रहते हैं।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव अशोक कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवम् अच्छे संस्कार के साथ विद्यालय का संचालन करें। वही समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए भारती शिक्षा समिति/शिशु शिक्षा प्रबंध समिति, बिहार के सदस्य कुंज बिहारी ने कहा कि प्रधानाचार्य विद्या भारती सौरमंडल के सूर्य हैं, उन्हें अपने विद्यालय में हो रहे गतिविधियों को मीडिया के विभिन्न माध्यमों द्वारा समाज में लाने का प्रयास करना चाहिए साथ ही अभिभावक संपर्क को भी सुदृढ़ करना चाहिए।

मंच संचालन विभाग निरीक्षक उमा शंकर पोद्दार तथा प्रवासी कार्यकर्ता वीरेंद्र कुमार वहीं अथिति परिचय प्रधानाचार्य संजय कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से दक्षिण बिहार में चल रहे सरस्वती शिशु/ विद्या। मंदिरों के 150 से अधिक प्रधानाचार्य, विभाग प्रचारक देवेंद्र कुमार, विभाग निरीक्षक उमा शंकर पोद्दार, ब्रह्मदेव प्रसाद, जिला निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, प्रवासी कार्यकर्ता वीरेंद्र कुमार, परमेश्वर कुमार आदि उपस्थित थे।

पूसा: खेग्रामस की प्रखंड कमिटी की बैठक,10 को प्रखंड मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय

दीपक तिवारी।

पूसा/समस्तीपुर। अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा की प्रखंड कमिटी की बैठक गुरुवार को देवपार पंचायत में संपन्न हुई।जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद इश्तियाक ने की। वही बैठक में परवेक्षक के रूप में पूसा माले प्रखंड सचिव अमित कुमार मौजूद रहे। बैठक में सर्वसहमति से विभिन्न मांगो को लेकर आगामी 10 सितंबर को प्रखंड मुख्यालय पर आक्रोषपूर्ण धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।बैठक में हक दो वादा निभाओ अभियान के तहत सभी गरीबों को 60 हजार की आय प्रमाण पत्र बनाने,2 लाख रुपया इंदिरा आवास देने,भूमिहीनों को जमीन देने आदि मांगो पर चर्चा करने के साथ मांग पूरी होने तक सड़क से सदन तक संघर्ष करने का निर्णय लिया गया।बैठक को सम्बोधित करते हुए माले प्रखंड सचिव ने कहा कि मनरेगा योजना से पूसा प्रखंड के देवपार पंचायत स्थित डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद कृषि विश्व विद्यालय व कुबौली राम पंचायत में लाखो रूपए

- पूसा में मनरेगा योजना में बिना योजना बोर्ड लगाएं किया जा रहा कार्य
- मजदूर के जगह टेलर से होता है मिट्टी कार्य
- 50 प्रतिशत कमीशन लेने का चल रहा खेला : अमित कुमार
- मनरेगा योजना में देवपार, कुबौली राम पंचायत में लूट
- मनरेगा के सही मजदूरों को काम नही देने का लगाया आरोप

का योजना चलाया गया।लेकिन एक भी वास्तविक मजदूरों को काम नही मिला।

वही बिचौलिए ने फर्जी मास्टर रोल भरके लाखो की निकासी कर सरकारी राशि का बंदरबाट किया है।उन्होंने कहा की भारत सरकार के अधीन डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद कृषि विश्व विद्यालय के प्रांगण में लाखो नही करोड़ों का योजना चलाया गया।जबकि इस योजना से ग्रामीण इलाके में विकाश का कार्य होना चाहिए।वही उन्होंने मनरेगा के प्रखंड के अधिकारियो पर 50 प्रतिशत कमीशन लेकर प्रखंड क्षेत्र में कार्य कराने का आरोप लगाया है। वही मनरेगा योजना में बिना बोर्ड लगाए कार्य संचालित होने,मजदूर के जगह ट्रैक्टर टेलर से मिट्टी भराई कार्य कराने की आरोप लगाते हुए कहा की प्रखंड में लूट तंत्र पर लगाम के लिए आने वाले दिनों में जन आंदोलन किया जाएगा।मौके पर प्रखंड सचिव सुरेश कुमार,सुनीता देवी,भाग्य नारायण राय,अजय कुमार,सरिता देवी, बबिता देवी,पूनम देवी,बतहु महतो ,सिंधु देवी,निभा देवी आदि मौजूद थे।

असनगर में पूर्व मंत्री ने किया 200 केवीए के ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

संवाददाता।

कांटी। राज्य के पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता अजीत कुमार ने शुक्रवार को कांटी क्षेत्र के अस नगर गांव में विद्युत विभाग द्वारा लगाए गए 200 सौ के भी ए का ट्रांसफार्मर का फिता काटकर उद्घाटन किया । ट्रांसफार्मर उद्घाटन के उपरांत वर्षों से विद्युत समस्या से जूझ रहे विद्युत उपभोक्ताओं को समस्या से निजात मिल गया है। ट्रांसफार्मर लगने से आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ बोरिंग से सिंचाई कार्य करने वाले किसानों को भी काफी राहत मिला है । एग्रीकल्चर कनेक्शन लेने के बावजूद सही ढ़ंग से वोल्टेज व समय पर लाइन उपलब्ध नहीं होन से इस इलाके के विद्युत उपभोक्ता के साथ ही किसान खासे परेशान थे।

इस अवसर पर उपस्थित विद्युत उपभोक्ताओं एवं स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने कहा की पूर्व में भी मैं कांटी क्षेत्र के हर एक लोगों को सुगम विद्युत सुविधा उपलब्ध कराया था , मै आगे भी जहां कहीं भी विद्युत का समस्या होगा हम हर हालत में समस्या का निदान कराएंगे। उन्होंने कहा कि आप विद्युत विपत्र समय पर जमा करें , विद्युत कंपनी को सहयोग करें हर इलाके में समय से विद्युत सुविधा मिले इसके लिए प्रयास करुंगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुखिया मोहम्मद अब्दुल्ला ने किया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र कुमार त्रिवेदी, रामनरेश सिंह , पप्पू तिवारी , अमन कुमार , मोहम्मद कासिम, हाफिज ओजैर , जितेंद्र सिंह , गुड्डू कुमार यादव, जितेंद्र सिंह नवल सिंह , धर्मेंद्र तिवारी, अविनाश कुमार तिवारी , सूरज कुमार, कौशल किशोर सिंह आदि ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

एटीएम लूटकांड में शामिल हरियाणा के अभियुक्त को पुलिस ने बस स्टैंड से दबोचा

संवाददाता।

मोतिहारी। राज्य के विभिन्न जिलों तथा मोतिहारी में एटीएम काटकर लूट से संबंधित कई घटना घटित हुई है। कांड का उदभेदन के लिए एसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश में सहायक पुलिस अधीक्षक, सदर-1 के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया एवं 25,000 रू० का पुरस्कार घोषित किया था। जिसके बाद पुलिस टीम ने कांड के सफल उदभेदन करते हुए कुल 03 अपराधियों को गिरफ्तार कर पूर्व में जेल भेज जा चुका है। इस क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर आज छतौनी थानान्तर्गत बस स्टैण्ड के पास कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त तौफीक, जिला-नूह, हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के क्रम में अभियुक्त ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इस संदर्भ में मुफस्सिल थाना पुलिस अग्रिम कार्रवाई कर रही है। छापेमारी टीम का नेतृत्व सहायक पुलिस अधीक्षक सदर 1 शिखर चौधरी कर रहे थे। टीम में सदर 2 डीएसपी जितेश कुमार पाण्डेय, परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक सह मुफस्सिल थानाध्यक्ष श्रिपा राजपूत, परि० दारोगा प्रत्युष कुमार विक्की, पंकज कुमार, शशि भूषण, सिपाही नवीन कुमार, सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

करंट की चपेट में आया पिता-पुत्र,खेत देखने गए किसान की मौत

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। तीज के दिन हीं यहां हुए अमंगल हादसा हुआ।महिला की सुहाग उजड़ गयी।चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया।लोगों की आंखे भर गई,जुबां खामोश हो गए। मुजफ्फरपुर जिले के बन्दरा प्रखंड के पीयर थाना क्षेत्र अंतर्गत नूनफारा गांव में बिजली के करंट लगने से पूर्व वार्ड सदस्य सह किसान रंजीत ठाकुर की मौत हो गई। राजीव ठाकुर एवं अन्य स्वजनों ने बताया कि पास के खेत में जंगली सूअर मारने के लिए नंगा तार बिछाया हुआ था। सुबह मृतक रंजीत ठाकुर अपने बेटे सुशांत कुमार के साथ अपने खेत गए थे। इसी दौरान नंगे बिजली

- बन्दरा प्रखण्ड के नूनफारा की घटना
- जंगली सुअरों को मारने के लिए खेत में बिछाई नंगी तार के करंट के चपेट में आकर हुई घटना

तार के चपेट में आने से उन्हें करंट लग गया। जिससे उनकी मौत हो गई। एसकेएमसीएच में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक पुत्र सुशांत ने बताया कि वह अपने पिता के साथ सुबह खेत जा रहे थे। इसी दौरान उसके पिता करंट के चपेट में आ गए। उन्हें भी झटका लगा और वे पीछे भागे। वे तो बच गए लेकिन पिता करंट की चपेट में आ गए,जिससे उनकी मौत हो गयी। पोस्टमार्टम के बाद दोपहर बाद मृतक का शव गांव पहुंचते हीं परिजनों में चीख पुकार मच गई।लोगों की भीड़ जमा हो गयी। घटना से गांव के लोग काफी मर्माहत हैं।

जगजीवन नगर के अम्बेडकर चौक और बाबा साहेब की स्थापित प्रतिमा का 13.59 लाख लागत से होगा सौंदर्यीकरण : गरिमा

कायार्देश जारी होने की तिथि से तीन माह के अंदर मानक गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने का आदेश

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। जगजीवन नगर के अम्बेडकर चौक पर स्थापित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा सहित उक्त प्रतिमा स्थल का अम्बेडकर चौक के संपूर्ण सौंदर्यीकरण की कुल कुल 13,59000 की लागत वाली उनकी महत्वाकांक्षी योजना को नगर निगम बोर्ड से मिली स्वीकृति के आधार पर कायार्देश दिया गया। कायार्देश सौंपने के साथ ही महापौर ने इस महत्वपूर्ण योजना के लिए निर्धारित तीन माह की समय सीमा अंदर ही पूरी मानक गुणवत्ता के साथ संपन्न करने का आदेश दिया। इसकी जानकारी साझा करने के साथ महापौर श्रीमती सिकारिया ने यह भी बताया कि विभिन्न वार्डों में पीसीसी, आरसीसी और पेबर ब्लॉक सड़क निर्माण से संबंधित कुल 99,62326 की लागत वाली करीब डेढ़ दर्जन

योजनाओं का कायार्देश महापौर द्वारा सौंपा गया। जिसकी जानकारी देते हुए महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि वार्ड-38 में भी खुशियाल महतो के घर से अमेरिका महतो तक पेबर ब्लॉक तथा प्रेमचन्द्र मिश्र के घर से रामशीष मिश्र के घर तक ईट सोलिंग एवं पीसीसी सड़क का निर्माण प्राक्कलित राशि- 3,39400/ शामिल है। वही

वार्ड-25 में सरस्वती नगर के नारायण चौबे के घर से नंदकिशोर प्रसाद के घर तक और दीपक पाण्डेय के घर से भगवती नगर मेन रोड तक, तथा हरिवाटिका चौक के श्रवण चौधरी के घर से दशरथ चौधरी के घर तक पीसीसी सड़क एवं नाला निर्माण कार्य की कुल राशि- 11,51000 पारित है। इसी प्रकार वार्ड-29 में धोबिया टोला में रोहित श्रीवास्तव के घर से सुनील सहाय के घर तक पीसीसी सड़क एवं आरसीसी नाला निर्माण पर 944400 की लागत को स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार वार्ड 40 में चरगाहां पीपल पेड़ से छठ घाट पुल तक पीसीसी सड़क निर्माण की योजना पर 7,19000 के खर्च को स्वीकृति दी गई है। इसी के साथ वार्ड- 18 में भोला एमपी चौक से छेदी लाल शर्मा के घर होते हुए मवेशी हॉस्पिटल से इमली चौक तक नाला निर्माण की स्वीकृत योजना पर 1492600 के लागत राशि की स्वीकृति दी गई है। वही वार्ड 27 में दिनेश कुमार के घर से राजू सिंह के घर तक सड़क एवं नाला निर्माण कार्य को 5,63505 की लागत से पूरा करने निर्देश दिए गए हैं। वही वार्ड 27 में ही कृष्णा यादव के घर से आकाश यादव के घर तक एवं सुरेन्द्र यादव के घर से अभिषेक यादव के घर तक सड़क निर्माण कार्य की 9,92704 वाली योजना का भी कायार्देश जारी किया गया है।

जेपी नड्डा का 'नीतीश-मंत्र' जाप, क्या बिहार में बनेगा भाजपा का 'राज-मंत्र'?

बिहार की सियासत में हलचल

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा आज से 2 दिन बिहार के दौरे पर हैं। उनके दौरे के कई राजनैतिक और कूटनीति के मायने निकाले जा रहे हैं। वैसे तो जेपी नड्डा बिहार में कई स्वास्थ्य सेवाओं के उद्घाटन के लिए बिहार आए हैं लेकिन वह दरभंगा के एम्स की जमीन और निर्माण में आ रही दिक्कतों को समझने भी जाएंगे। इस बीच उनका कार्यक्रम पटना के अलावा मुजफ्फरपुर में भी है। लेकिन इस यात्रा के कई अहम राजनीतिक पहलू भी हैं।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते जगत प्रकाश नड्डा ने सबसे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास जाकर

मुलाकात की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जगत प्रकाश नड्डा की ये मुलाकात करीब 25 मिनट तक चली। उनके साथ भाजपा के कई मंत्री भी थे। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और जदयू के राज्यसभा सांसद संजय झा भी मौजूद रहे। इस मुलाकात के दौरान जेपी नड्डा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ ही जलपान किया। नीतीश कुमार ने भी जेपी नड्डा का गर्म जोशी से स्वागत किया।

दरअसल, इस मुलाकात को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समर्थन के बल पर केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। इसलिए भी यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है।

वहीं, हाल तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार की आमने-सामने की एक मुलाकात भी हुई थी। इस मुलाकात को लेकर बिहार के राजनीतिक गलियारे में कई तरह की चर्चा शुरू हो गई। हालांकि यह मुलाकात सूचना आयुक्त की नियुक्ति को लेकर हुई। लेकिन भाजपा किसी तरह से कोई रिस्क लेने के मूड में नजर नहीं आती है। वह इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जरा भी इग्नोर करने के मूड में नहीं है। ऐसा देखा गया है कि पिछली दफा बिहार में सत्ता परिवर्तन का कारण तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार की एक छोटी सी मुलाकात ही बनी थी। यह साल 2021 था जब नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की एक छोटी सी मुलाकात बजट सत्र के दौरान हुई थी। उसके बाद बिहार में सत्ता परिवर्तन हो गया।

लिहाजा, बीजेपी ऐसी कोई भी गलती नहीं करना चाहती जिससे नीतीश कुमार किसी भी तरह से आहत महसूस करें। हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद यह बात एक बार फिर से दोहराई है कि वो दो बार गलती कर चुके हैं। अब किसी हाल में आरजेडी का साथ नहीं करेंगे।

मुजफ्फरपुर में 'गोल्डन जैकाल' ने बंद कराया बच्चों का स्कूल जाना

आतंक और दहशत की गिरफ्त में ग्रामीण

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। जिले के माधोपुर सुस्ता गांव में दहशत का माहौल है। यहां एक खतरनाक जानवर, जिसे वन विभाग गोल्डन जैकाल बता रहा है, ने आतंक मचा रखा है। पिछले तीन दिनों में उसने एक दर्जन से ज्यादा लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया है, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं। डर के साए में जी रहे ग्रामीणों ने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है और खुद लाठी-डंडों के साथ पहरा दे रहे हैं। यह खौफनाक घटना हसन चक बंगरा इलाके की है, जहां एक सियार ने आतंक मचा रखा है। शुक्रवार को तो उसने एक साथ आधा दर्जन बच्चों पर हमला कर दिया। सियार ने गांव के सूरज, अनन्या, किशन राज, सौरव गौतम, संजीत राय और मौसम नामक बच्चे पर हमला किया। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। गांव वालों का कहना है कि शाम ढलते ही लोग अपने घरों में कैद हो जाते हैं। बच्चों

से लेकर बूढ़े तक, सभी इस जानवर के आतंक से दहशत में जी रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि शुरू में उन्हें लगा कि यह कोई आवारा कुत्ता होगा, लेकिन वन विभाग के अधिकारियों ने पहचान करके बताया कि यह सियार की एक खतरनाक प्रजाति है, जिसे गोल्डेन जैकाल कहते हैं। ग्रामीण रितेश कुमार ने बताया कि हम लोग पहले कुत्ता समझे थे, लेकिन वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सियार प्रजाति का जानवर गोल्डन जैकाल है। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और गोल्डन जैकाल को पकड़ने के लिए जाल बिछा दिया गया है। टीम में शामिल रजनीश कुमार ने बताया कि यह जानवर दिन में कम निकलता है।

रात भर में इसे पकड़ा जाना चाहिए। बांध के किनारे हम लोगों ने उसके मांद की पहचान कर वहां पर अब तक चार पिंजरे लगा दिए हैं जैसे ही यह खाना खाने के लिए पिंजरे में आएगा कैद हो जाएगा। फिलहाल, गांव में दहशत का माहौल है और लोग वन विभाग से जल्द से जल्द इस खतरनाक जानवर को पकड़ने की गुहार लगा रहे हैं।

बिहार में खुलेंगे 9 नए मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने किया ऐलान

पटना। आईजीआईएमएस में पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े नेत्र अस्पताल का शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उद्घाटन किया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की 850 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। मौके पर मुख्यमंत्री तथा केन्द्रीय मंत्री ने बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का भरोसा दिया। सीएम ने बिहार में 9 जिलों में नये मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की तो केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में बिहार मेडिकल हब बनेगा।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 75 नये मेडिकल कॉलेज खुले हैं जबकि 200 सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक बने हैं। इनमें 5 बिहार में हैं। इनके निर्माण पर 200 करोड़ रुपये प्रति ब्लॉक खर्च हुए हैं। पीएमसीएच का जिक्र करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने इसका खोया गौरव वापस लौटाया है। आज यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल बनने जा रहा है। इसी तरह अन्य अस्पतालों का भी विस्तार हो रहा है। श्री नड्डा ने कहा कि दरभंगा में प्रस्तावित एम्स

की जमीन को देखने वे जा रहे हैं। वहां शीघ्र ही शानदार और भव्य एम्स बनकर तैयार होगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। इसके लिए एजेंसी तय कर ली गयी है। डिजाइन पर काम हो रहा है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज देश में आयुष्मान भारत के रूप में दुनिया का सबसे बड़ा हेल्थ केयर सुविधा दी जा रही है। 55 करोड़ गरीब लोग इसमें कवर हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि बिहार आने वाले दिनों में मेडिकल का नया हब बनेगा। यही नहीं, पटना मेडिकल के क्षेत्र में नयी ऊंचाई पर पहुंचेगा। बिहार में चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुए हैं।

35 जिलों में हो जायेंगे मेडिकल कॉलेज

नीतीश कुमार ने कहा कि पहले राज्य में केवल 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल थे। इसकी कमी के कारण यहां के छात्र मेडिकल की पढ़ाई करने राज्य के बाहर जाया करते थे। यही नहीं डॉक्टर की कमी होने के कारण यहां के लोग इलाज के लिए भी राज्य के बाहर जाते थे। इसलिए सरकार ने राज्य में नये मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कराया। अब सूबे में मेडिकल कॉलेज की संख्या 6 से बढ़कर 11 हो गयी है। इसके अतिरिक्त 15 और नये मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। 8 मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण में केन्द्र सरकार का सहयोग मिल रहा है। इसके अलावे 9 जिलों में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बनाने का प्रस्ताव है।

नीतीश ने फिर कहा 'अब गलती नहीं करेंगे',आरजेडी ने विश्वसनीयता पर उठाए सवाल समझिए, क्या है माजरा?

बिहार में सियासी भूचाल

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुलाकात हुई। जेपी नड्डा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भी हैं। आज से वो बिहार के अपने दो दिवसीय दौरे पर हैं। पटना एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद जेपी नड्डा ने सबसे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इसके बाद वह पहले से तय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

के साथ आईजीआईएमएस में शामिल हुए। जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक बयान ने बिहार की राजनीतिक हवा को गर्म कर दिया है। नीतीश कुमार ने आईजीआईएमएस में मंच से ही एक बार फिर से यह बात दोहराई कि 'वह दो बार गलती कर चुके हैं। अब गलती नहीं करेंगे।'

इधर, नीतीश कुमार के दोबारा गलती नहीं करने के बयान पर राजद ने तंज कसा है। राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान पर कहा कि उन्हें सफाई देने की जरूरत पर सवाल उठाया। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि नीतीश कुमार की विश्वसनीय का समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि अब नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में फैक्टर नहीं हैं। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने यह सवाल भी उठाया कि आखिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बार-बार सफाई देने की जरूरत क्यों पड़ रही है? उन्होंने यह बात भी याद दिलाए कि जब वह राजद के साथ थे। तब भी वह इसी तरह की बात किया करते थे। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने नीतीश कुमार की बार-बार सफाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब वह राजद के साथ थे तब भी वह बीजेपी के लिए इसी तरह की बात किया करते थे। इसलिए उनकी बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ऐसे बयानों की वजह से जनता भ्रमित होती है।

भ्रष्टाचार रोकने को यूपी का रास्ता अपनाना होगा

-अशोक मधुप-

> यूपी सरकार ने अब राज्य कर्मचारियों को एक महीने की छूट दी है और आदेश दिया है कि कर्मचारी दो अक्तूबर तक संपत्ति का ब्योरा दे सकेंगे। पहले ब्योरा न देने वालों कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी रोकने का आदेश दिया गया था। संपत्ति का ब्यौरा देने में टेक्सटाइल, सैनिक कल्याण, ऊर्जा, खेल, कृषि और महिला कल्याण विभाग के कार्मिक सबसे आगे रहे। जबकि, शिक्षा विभाग के कार्मिक अपनी संपत्ति को छिपाने में आगे हैं। इस लिहाज से सबसे फिसड्डी बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास और राजस्व विभाग साबित हुए।

आज आमजन भ्रष्टाचार पीड़ित है। ऐसा लगने लगा है कि कोई काम अब रिश्वत दिए बिना नही होता। भ्रष्टाचार देश की जड़ तक पहुच गया। सभी इससे परेशान हैं किंतु इसके रोकने के लिए कोई पहल नही कर रहा। ईमानदारी का चोला पहन कर राजनीति में आई आम आदमी पार्टी खुद आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। आप के सर्वे सर्वा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं दिल्ली के शराब घोटाले में जेल में हैं।

भ्रष्टाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नई व्यवस्था की है। ये बहुत अच्छी व्यवस्था है हालाकि अभी इसमें बहुत कुछ करना होगा। उत्तर प्रदेश के इस माडल को पूरे देश को स्वीकारना होगा। भ्रष्टाचार करने वालों के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की कार्रवाई को अन्य प्रदेशों को अपने यहां लागू करना होगा, हालाकिं अभी उत्तर प्रदेश में शुरूआत है। इस आदेश के परिणाम आने में समय लगेगा।

अपराधियों और माफियाओं के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बुलडोजर चलाया। उनके द्वारा खड़ी की गई अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया गया। ये प्रयोग इतना सफल रहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध घटे। अपराधी प्रदेश छोड़कर भागने लगे। प्रदेश की कामयाबी देख अन्य कुछ राज्यों ने भी यही बुलडोजर की कार्रवाई को स्वीकारा। इसे अपने यहां लागू किया। स्वयं सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों के बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के एक्शन की प्रशंसा की।

प्रदेश में भ्रषटाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक आदेश में राज्य के आईएएस, आईपीएस, पीपीएस, पीसीएस अफसरों की तर्ज पर राज्य कर्मचारियों को भी ऑनलाइन संपत्तियों का ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया है। सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्यौरा ऑनलाइन मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया था। हालाकि शिक्षकों, निगम कर्मचारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों को अभी इसमें शामिल नहीं किया गया। सरकार ने इसके लिए समय सीमा निर्धारित करते हुएए इसके लिए आखिरी तारीख 31 अगस्त तय की गई थी।

आदेश के बाद भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने ये काम नहीं किया। इस कारण सरकार ने इनकी सैलरी रोकने का आदेश किया दी। पहले खबर आई थी इनका प्रमोशन भी रोका जा रहा है। अब यूपी सरकार ने कर्मचारियों को एक महीने का और वक्त दिया है। ये सरकार की ओर से आखिरी अल्टीमेटम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मात्र 71 फीसदी कर्मचारियों ने ही अपनी चल और अचल संपत्ति की जानकारी अपलोड की है। 2, 44, 565 राज्य कर्मचारियों की संपत्ति का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पाया।

उत्तर प्रदेश सरकार के चीफ सेक्रेटरी ने सभी विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि सभी सरकारी कर्मचारी 31 अगस्त तक चल-अचल संपत्ति घोषित करें नहीं तो उनका प्रमोशन नहीं होगा। इसके साथ ही कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी भी नहीं आएगी। सरकारी कर्मियों को संपत्ति घोषित करने का निर्देश पहले भी दिया जा चुका है लेकिन संतोषजनक रिस्पांस नहीं मिलने पर सरकार ने कड़ा फैसला लिया है।

यूपी सरकार ने अब राज्य कर्मचारियों को एक महीने की छूट दी है और आदेश दिया है कि कर्मचारी दो अक्तूबर तक संपत्ति का ब्योरा दे सकेंगे। पहले ब्योरा न देने वालों कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी रोकने का आदेश दिया गया था। संपत्ति का ब्यौरा देने में टेक्सटाइल, सैनिक कल्याण, ऊर्जा, खेल, कृषि और महिला कल्याण विभाग के कार्मिक सबसे आगे रहे। जबकि, शिक्षा विभाग के कार्मिक अपनी संपत्ति को छिपाने में आगे हैं। इस लिहाज से सबसे फिसड्डी बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास और राजस्व विभाग साबित हुए।

17 अगस्त को जब यह आदेश जारी हुआ था, तब 131748 यानी 15 फीसदी राज्य कर्मियों ने ही पोर्टल पर अपनी संपत्ति दर्ज की थी। 20-31 अगस्त के बीच यह बढ़कर 71 फीसदी हो गया। शासन के एक उच्चपदस्थ अधिकारी ने बताया कि संपत्ति का ब्यौरा न देने वाले कार्मिकों का वेतन रोकने का आदेश पहले ही दिया जा चुका है। सभी विभागों को इसका अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। प्रदेश में कुल 846640 राज्य कर्मी हैं। इनमें से 602075 ने ही मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा दिया। विवरण दर्ज कराने के आदेश पर जीपी मुख्यालय ने नियुक्ति विभाग को पत्र भेजकर उनके कार्मिकों के लिए संपत्ति का ब्यौरा देने के लिए कुछ और समय दिए जाने का अनुरोध किया है।

पत्र में कहा गया है कि त्योहारों और पुलिस भर्ती परीक्षा के कारण तमाम पुलिस कर्मी समय से अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दे पाए। माना जा रहा है कि गृह विभाग के लिए यह तिथि बढ़ाई जा सकती है। शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, जिन अधिकारियों-कर्मचारियों का अगस्त माह का वेतन रोका गया, इसे तभी जारी किया जाएगा, जब वे संपत्ति का ब्यौरा दे देंगे। उनकी संपत्ति का ब्यौरा मिलने पर वेतन देने का फैसला संबंधित विभाग शासन से वार्ता के बाद ले सकेंगे। लगता है कि इसी पत्र के बाद विवरण दर्ज कराने के लिए एक माह का और समय दिया गया है।

आदेश सही है किंतु इसमें अभी सुधार करना होगा, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए अभी उत्तर प्रदेश को बहुत कुछ करना होगा। कर्मचारियों के अपनी चल और अचल संपत्ति के मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज कराने से काम नही चलेगा। इसके लिए उसके परिवार के सभी सदस्यों की संपत्ति का ब्यौरा दर्ज कराना होगा। ये आदेश राज्य सभी सरकारी और अर्ध सरकारी कर्मचारियों पर लागू किया जानी चाहिए। वास्तव में यह कार्य सेवा में आने से पूर्व होना चाहिए। सेवा में आने के बाद शादी होने पर कर्मचारी अपनी पत्नी की प्रत्येक प्रकार की संपत्ति दर्ज कराए। बच्चे होने पर उनका विवरण दर्ज हो। इतना ही नही जन प्रतिनिधियों, जन सेवकों पर भी यह व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। आज हालत यह है कि देख गया है कि प्रधान या स्थानीय निकाय का चेयरमैन बनते ही उसके पास लंबी चौड़ी गाड़ी आ जाती है। यह तभी रूकेगी जब, उसके और उसके परिवार की चल अचल संपत्ति चुने जाते ही शपथ से पूर्व घोषित की जाए। विधायकों और विधान परिषद सदस्य, विभिन्न बोर्ड के पदाधिकारी और सदस्यों पर भी यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

समाज में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए देश को सख्त निर्णय लेने होंगे। भ्रष्ट हुई व्यवस्था अब बिना सख्ती के ठीक नही होगी। इसकी जड़े आज बहुत गहराई तक पहुंच गई हैं। भ्रष्टाचार की इन जड़ों को ही हमें नही काटना होगा, अपितु इनकी जड़ों का मिल रहा खाद पानी भी रोकना होगा। एक बात और कि ऐसी भी व्यवस्था कानून में होनी चाहिए की रिश्वत देने वाला सरकार को बताए कि उससे रिश्वत मांगी जा रही है। उसके द्वारा दी गई सूचना गुप्त रखी जाए। सूचना पर कार्रवाई होने के बाद सूचना देने वाले को सम्मानित भी किया जाए। अगर नही बताता है तो पता चलने पर उसके विरूद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए। एक चीज और हमें स्कूली शिक्षा से ही बच्चों को आदर्श नागरिक बनने के बारे में उसे बताना होगा।

चरण सिंह

विचार

राजनीति करने में जल्दी कर गईं विनेश फोगाट, लोकसभा चुनाव में आजमाने चाहिए थे हाथ

विनेश फोगाट ने राजनीति में आने में जल्दी कर दी। उन्हें अभी लोकसभा चुनाव तक आंदोलनों से जुड़ना चाहिए था। लोकसभा चुनाव के करीब आने पर किसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा कर किसी पार्टी से जुड़ना चाहिए था। चाहिए आंदोलन हो या फिर सदन आजाद समाज पार्टी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद विनेश फोगाट के लिए ज्यादा लड़े हैं। कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद अब विनेश फोगाट के आंदोलन पर भी उंगली उठनी शुरू हो जाएगी। बृजभूषण शरण सिंह ने तो भावुक होकर कांग्रेस पर उनके साथ राजनीति करने का आरोप लगा दिया है। विनेश फोगाट और दूसरे पहलवानों को उन्होंने इस्तेमाल करने की बात कही है। वैसे भी बृजभूषण शरण सिंह ने भावुक होते हुए कांग्रेस पर उन्हें फंसाने का आरोप लगा दिया है। खुद विनेश फोगाट के साथ आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले उनकी साथी साक्षी मलिक ने उन्हें नसीहत दे डाली है। उनका कहना है कि उन्हें भी राजनीति करने का ऑफर मिला था। हमें त्याग करना चाहिए। इसी तरह से बीजेपी के साथ और भी लोग उन पर राजनीति करने का आरोप लगाएंगे। आंदोलन को भी राजनीति से प्रेरित बताएंगे। वैसे भी कुश्ती फेडरेशन को लेकर दीपेंद्र हुड्डा और बृजभूषण शरण सिंह में विवाद देखा गया था। पहलवान और कोच अधिकतर हरियाणा के होने की वजह से बृजभूषण शरण सिंह कहीं न कहीं निशाने पर रहे हैं।

दरअसल अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। बजरंग पुनिया को स्टार प्रचारक बनायो जा सकता है तो विनेश फोगाट को जींद जिले की जुलाना सीट से चुनाव लड़ाया जा सकता है। दरअसल जुलाना में विनेश फोगाट की ससुराल भी है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या अब बृजभूषण सिंह के खिलाफ खोले गये मोर्चे को लेकर विनेश फोगाट को घेरा नहीं जाएगा। या फिर चुनाव लड़ना विनेश फोगाट की जल्दी नहीं मानी जाएगी।

दरअसल जिस तरह से विनेश फोगाट ने कुश्ती फेडरेशन का अध्यक्ष और सांसद रहते समय बृजभूषण शरण सिंह पर लगे यौन शोषण को लेकर उनके खिलाफ मोर्चा खोला। जिस तरह से विनेश फोगाट ने ओलंपिक में कुश्ती में अपने वेट में फाइनल में जगह बनाई। जिस तरह से उनको फाइनल में १०० ग्राम वेट अधिक होने पर अयोग्य घोषित कर दिया। जिस तरह से वह किसानों के आंदोलन में शामिल हुईं। जिस तरह से पहलवानों के आंदोलन के समय वह न तो गृहमंत्री अमित शाह से मिलीं और न ही तत्कालीन खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से, जबकि बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने इन दोनों नेताओं के साथ मीटिंग की। जिस तरह से वह बृजभूषण शरण सिंह के निशाने पर रहीं।

इन सब मामलों के चलते विनेश फोगाट का चेहरा विधानसभा चुनाव लड़ने का नहीं बल्कि लोकसभा चुनाव लड़ने का बन गया है। लोकसभा चुनाव तक वह कांग्रेस के कार्यक्रमों के साथ ही विभिन्न आंदोलनों में शामिल होकर राजनीति के दांव पेंच भी सीख जाएंगी। ऐसे में विनेश फोगाट को चाहिए कि भले ही वह कांग्रेस में शामिल हो जाएं पर अभी हरियाणा विधानसभा चुनाव न लड़ें। विनेश फोगाट को यदि चुनाव लड़ना है तो लोकसभा चुनाव लड़ना चाहिए। लोकसभा चुनाव में उनका चेहरा और उभर जाएगा। वह संसद में पहुंचकर राष्ट्रीय स्तर के मुद्दे भी उठा पाएंगी। क्योंकि विनेश फोगाट हमेशा राष्ट्रीय मुद्दों पर ही बोली हैं।

दरअसल खिलाड़ी तो राजनीति में बहुत आये पर चल नहीं पाए। चाहे गौतम गंभीर हों, कीर्ति आजाद हों, अजहरउद्दीन हों, योगेश्वर दत्त हों या फिर बबीता फोगाट इनकी राजनीति कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाई। विनेश फोगाट के राजनीति में आगे बढ़ने के चांस इसलिए हैं क्योंकि वह खेल के साथ ही जमीनी मुद्दे भी उठाती रही हैं। वह हक के लिए लड़ने के साथ ही दूसरों के लिए भी लड़ना जानती हैं।

देखने की बात यह है कि विनेश फोगाट के साथ कांग्रेस जंतर मंतर आंदोलन से ही खड़ी दिखाई दी। जंतर मंतर पर भी न केवल दीपेंद्र हुड्डा और भूपेंद्र हुड्डा उनके आंदोलन में पहुंचे थे बल्कि प्रियंका गांधी ने भी आंदोलन में शिरकत की थी। ऐसे ही जब ओलंपिक में कुश्ती के फाइनल में उनको अयोग्य घोषित कर दिया गया तो कांग्रेस ने मामले को संसद में उठा दिया था। बाकायदा कांग्रेस ने विनेश फोगाट के अयोग्य ठहराने के पीछे भाजपा का षड्यंत्र तक करार दे दिया था।

बुलडोजर नीति विरुद्ध न्यायिक पहल

-राकेश कुमार वर्मा-

बुलडोजर नीति से सुराज मंडित सरकारों के भ्रम पर आखिरकार शीर्ष न्यायालय का अंकुश लग गया। जस्टिसद्वय वी आर गवई व के वी विश्वनाथन की बेंच ने स्पष्ट किया कि दोषियों को उनके निकेत से वंचित नहीं किया जा सकता। इस प्रकार एक स्वस्थ लोकतंत्र में अपराध के मर्म और प्रकृति को जाने बिना मनमाने ढंग से किसी व्यक्ति के संपूर्ण परिवार को उसकी छाया से बेदखल कर असुरक्षित जीवन जीने के लिए विवश नहीं किया जा सकता।

दरअसल अपराध का मार्ग सत्ता के आचरण से उत्पन्न होता है। जब आम आदमी को भरण पोषण के सतही विकल्पों से वंचित कर वीआईपी संस्कृति वाली अपराध की दुनिया में लिप्त लोगों को आदर्श बताते हुए सुनहरे सपने दिखाए जाते हैं तो अपराध कैसे रुकेंगे। ऐसा करने के पीछे अडानी अंबानी जैसे लोगों को उपकृत करना है जो सत्ता प्राप्त की वित्तपोषक है। अवांछित विज्ञापन चलचित्र धर्म प्रदर्शन, भीड़ तंत्र और मीडिया इसकी हवि है जो अपराध तंत्र की पनाहगार है, जो लोगों के धैर्य और विवेक का क्षरण करते हुए निरपराध और अपराध के अंतर को पाटते है जिसे हम भागलपुर कांड में पुलिस और बिलकिस बानो के दोषियों के महिमा मंडन में देख सकते हैं। देश में पुलिस प्रशासन और अपराधियों की मिलीभगत चहुंओर बयान हो रही है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के बुलडोजर न्याय की कथित लोकप्रियता का प्रभाव राजस्थान, असम, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश की सरकारों पर पड़ा।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चुनाव के मद्देनजर खरगोन मेंअप्रैल 2022 में हुए सांप्रदायिक झड़पों के बाद बुलडोजर नीति का दुरूपयोग किया। उनकी सरकार ने 16 घर और 29 ढाँचे ध्वस्त कर दिए। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि जब उद्देश्य शुभ न हो तो ज्ञान पाप हो जाता है। इसकी बानगी हम देख ही रहे हैं। लेकिन

मध्यप्रदेश के इतिहास में एक दौर ऐसा भी रहा है जब बुलडोजर नीति का सदुपयोग सार्वजनिक विकास के लिए किया गया। इन सबसे पहले मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के कार्यकाल वर्ष 1990-92 में नगरीय प्रशासन मंत्री बाबूलाल गौर को समर्पित है। नए भोपाल के बुनियादी ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में उन्हें बुलडोजर मैन के रूप में याद किया जाता है। उस दौरान गौर ने राज्य में सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते भोपाल, इंदौर और मध्य प्रदेश के अन्य शहरी इलाकों में अभियान शुरू किए गए। सुलभ यातायात के लिए उन्होंने भोपाल की प्रसिद्ध वीआईपी रोड सहित भारत टॉकीज के आसपास के क्षेत्र में बांधा बनी इमारतों को ध्वस्त किया और स्थानीय निवासियों और राजनीतिक नेताओं के कड़े विरोध के बावजूद रेलवे स्टेशन पर यातायात व्यवस्था बहाल की।

आपराधिक मामलों पर नकेल कसने के उद्देश्य से दंड प्रक्रिया शिनाख्त सदन में पारित हो चुका है जिसमें अपराधियों के जैविक और शारीरिक नमूने लिए जा सकेंगे।

दिल्ली एक जीता जागता नर्क है

-अजीत द्विवेदी-

जिन लोगों को स्वर्ग और नर्क की अवधारणा में यकीन है या जिन लोगों ने गरुड़पुराण पढ़ा या सुना है उनको पता होगा कि नर्क कैसा होता है। वहां मवाद और खून की नदियां बहती हैं, खाने और पीने को कुछ नहीं मिलता है, विशाल आकार के दूत कोड़े और मुगदर से मारते हैं, कहीं आग से जलाया जाता है तो कहीं खौलते तेल की कड़ाही में डाल दिया जाता है आदि आदि। अगर सचमुच धरती से 99 सहस्त्र योजन दूर स्थित नर्क ऐसा ही है तो उसे देखने के लिए वहां जाने की कोई जरुरत नहीं है। दिल्ली के लोग खुश हो सकते हैं कि वे धरती पर ही उसके दर्शन कर रहे हैं। यहां यमुना नाम की एक पवित्र नदी है, जिसमें लगभग पूरे साल पानी नहीं होता है लेकिन दिल्ली की सड़कों पर बने बड़े बड़े गड्ढों में बारिश के पानी की नदियां बहती रहती हैं और उनमें डूब कर लोग मरते रहते हैं।

इमारतों की बेसमेंट में भी बारिश के पानी की नदियां बहती हैं और उनमें भी डूब कर लोग मर जाते हैं। कहीं बेतरतीब बनी इमारतों में आग लग जाती है, जिससे लोग जल कर मर जाते हैं तो कहीं राह चलते करंट लग जाता है और लोग मर जाते हैं। यहां यमराज के दूत दुकानों पर सरेआम गोलियां चलाते हैं और करोड़, दो करोड़, पांच करोड़ की फिरौती की मांग करके जाते हैं। राह चलते झगड़े हो जाएं और लोग एक दूसरे का खून कर दें, यह तो बहुत सामान्य सी बात है। इसी तरह गाड़ियों के नीचे कुचल कर लोगों का मर जाना भी बड़ी स्वाभाविक घटना है।

जरा सी बारिश होती है तो सड़कों पर इतना पानी जमा हो जाता है और रोड ओवर ब्रिजेज के नीचे ऐसी नदियां बहने लगती हैं कि सड़कों पर ट्रैफिक पूरी तरह से रूक जाता है। लोग घंटों गाड़ियों में बैठे रहते हैं। कायदे से बारिश के दिन में तो लोगों को अपनी गाड़ियों में कई दिन के खाने पीने की चीजें लेकर ही निकलना चाहिए। दिल्ली के एक पुराने रहवासी ने पिछले दिनों अपने इलाके में जलभराव और ट्रैफिक जाम को लेकर सोशल मीडिया में लिखा कि उनके इलाके में तो ठीक से ओस गिर जाए तो पानी जमा हो जाता है। असल में ऐसा दिल्ली के कई इलाकों में होता है। सोचें, हमलोगों के पूर्वजों ने कहा कि, ह्यओस चाटने से प्यास नहीं बुझतीह्ण और यहां ओस की वजह से ट्रैफिक जाम करने लायक जलभराव हो रहा है! यह अलग बात है कि प्यास बुझाने लायक पानी के लिए दिल्ली के लोगों को बड़ी मशक्कत करनी होती है। ज्यादातर समय पानी की किल्लत बनी ही रहती है।

कानून व्यवस्था का एक बड़ा संकट पहले से मौजूद है। बिहार और उत्तर प्रदेश में अब गैंगवार की खबरें कम आती हैं लेकिन दिल्ली में भाऊ गैंग, काला जठेड़ी गैंग, बवाना गैंग, बिश्नोई गैंग, बरार गैंग, हाशिम गैंग, बम्बिहा गैंग, कराला गैंग, टिल्लू गैंग, ठकठक गैंग, नमस्ते गैंग जैसे दर्जनों गैंग्स के बारे में रोज सुनने को मिलता है, जिनका शिकार बनने के लिए दिल्ली के लोग अभिशप्त हैं। अनेक गैंग तो दिल्ली के तिहाड़ जेल से ही संचालित हो रहे हैं। अभी बारिश, जलजमाव और ट्रैफिक की समस्या का समया है, थोड़े दिन के बाद प्रदूषण का समय आ जाएगा। तब लोगों का दम घुट रहा होगा और भाजपा व आम आदमी पार्टी के लोग एक दूसरे पर आरोप लगाने में लगे रहेंगे।

सवाल है कि देश की राजधानी, जहां राष्ट्रपति भवन है, जहां प्रधानमंत्री रहते हैं, देश के 140 करोड़ लोगों के सारे भाग्य विधाता रहते हैं और दुनिया के भर के देशों के राजदूत व उच्चायुक्त रहते हैं वह नर्क में कैसे तब्दील हो गई? दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की मानें तो इसे दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने नर्क बनाया है। उन्होंने अंग्रेजी के एक अखबार में लेख लिख कर यह बात कही है। हालांकि उन्होंने अपने लेख में जो विषय उठाएं हैं उनको छोड़ कर ज्यादा चर्चा इस बात पर हो रही है कि उप राज्यपाल होकर वे दिल्ली की चुनी हुई सरकार के बारे में ऐसा लिख सकते हैं या नहीं? इस बहस में उनके उठाए मुद्दे, जो सीधे दिल्ली की जनता से जुड़े हैं वे हाशिए में चले गए।

बहरहाल, उप राज्यपाल का यह विचार है तो दूसरी ओर चुनी हुई सरकार का यह कहना है कि उप राज्यपाल की वजह से दिल्ली नर्क बनी है क्योंकि वे काम नहीं करने दे रहे हैं। यह बात वह सरकार कह रही है, जिसके मुखिया दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। वे पिछले करीब छह महीने से जेल में हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। जाहिर है मुख्यमंत्री बाहर नहीं हैं तो कैबिनेट की बैठक नहीं हो रही है और कोई फैसला लोगों की जरुरतों या स्थितियों के मुताबिक नहीं हो रहा है। सब कुछ तदर्थ रूप से हो रहा है। सारे मंत्रियों के पास हर समस्या पर एक ही जवाब है कि उप राज्यपाल नहीं करने दे रहे हैं। सफाई क्यों नहीं हुई तो एलजी ने नहीं करने दिया। बरसात से पहले गाद क्यों नहीं निकाली, जबकि नगर निगम भी तुम्हारे पास है तो एलजी ने नहीं करने दिया। स्ट्रीट लाइट क्यों नहीं जल रही तो एलजी ने नहीं जलने दिया। सीसीटीवी कैमरे क्यों नहीं लगे तो एलजी ने नहीं लगने दिया।

कॉलेजों में शिक्षकों के वेतन में क्यों देरी है तो एलजी पैसे नहीं जारी कर रहे हैं। स्थायी शिक्षकों की बजाय स्कूलों में तदर्थ या अतिथि शिक्षक क्यों हैं तो एलजी ने नहीं होने दिया। अस्पतालों की हालत इतनी खराब क्यों है तो एलजी ने नहीं ठीक करने दिया। सड़कों और पार्किंग की व्यवस्था क्यों नहीं हुई तो एलजी ने नहीं करने दिया। सर्दियों में प्रदूषण से निपटने के उपाय क्यों नहीं हुए तो एलजी ने नहीं करने दिया। मतलब एलजी कोई काम नहीं करने दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी के साढ़े नौ साल के कार्यकाल में पुराने और नए एलजी ने मिल कर सारे काम रोक दिए, एलजी सिर्फ एक ही काम नहीं रोक पाए और वह है चार बंगले तोड़ कर 50 करोड़ रुपए की लागत से मुख्यमंत्री का एक विशाल, चमकता हुआ बंगला तैयार करने का। वह काम कराने में दिल्ली सरकार को कोई बाधा नहीं आई। बाकी सारे काम एलजी रोक रहे हैं।

बहरहाल, केंद्र सरकार के बनाए जीएनसीटीडी एक्ट यानी गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरेटरी दिल्ली एक्ट के मुताबिक दिल्ली के उप राज्यपाल ही असली सरकार हैं। अदालतों के कुछ फैसलों से भी दिल्ली के शासन प्रशासन पर एलजी का अधिकार स्थापित हुआ है। लेकिन जिस तरह से मुख्यमंत्री और उनकी सरकार हर तरह की जिम्मेदारी से मुक्त हैं वैसे ही एलजी साहब पर भी किसी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। उनकी तरफ से लड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं, जो दिल्ली की हर समस्या के लिए केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं। जबकि हकीकत यह है कि कई मामलों में सीधी जिम्मेदारी केंद्र की भाजपा सरकार की बनती है, जिसके प्रतिनिधि उप राज्यपाल हैं। दिल्ली में सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा और कानून व्यवस्था की है। आए दिन हत्याएं हो रही हैं। बलात्कार हो रहे हैं। लूटमार की घटनाएं हो रही हैं। बड़े बड़े गैंग्स चल रहे हैं, जो कारोबारियों की दुकानों पर गोलियां चला रहे हैं और रंगदारी के लिए धमकियां दे रहे हैं। साइबर क्राइम हो रहे हैं और पुलिस असहाय है। यह सीधे केंद्र सरकार के अधीन आने वाला विभाग है लेकिन कोई सवाल पूछे तो भाजपा के नेता कह देंगे कि दिल्ली सरकार निकम्मी है।

कुल मिला कर स्थिति यह है कि दिल्ली के लोग सचमुच भगवान भरोसे हैं। शासन की चार स्तरीय व्यवस्था है यानी दिल्ली की चुनी हुई सरकार है, दिल्ली नगर निगम है, केंद्र सरकार की शासन व्यवस्था है और सेना का कैंटोनमेंट का इलाका है फिर भी दिल्ली के लोग असहाय हैं। भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच ऐसी राजनीतिक लड़ाई है कि दोनों ने संकल्प किया हुआ है कि एक दूसरे को निपटाए बिना कोई काम न करेंगे और न दूसरे को करने देंगे।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

अनुशासनात्मक ज्ञान विद्यार्थी जीवन का मूलाधार

प्रो. नचिकेता सिंह

मैं सभी विद्यार्थियों का नए शैक्षणिक सत्र में स्वागत करते हुए बहुत खुशी का अनुभव कर रहा हूँ। सभी सेमेस्टर के विद्यार्थियों को एक साथ कॉलेज परिसर में देखकर बहुत उत्साहित भी हूँ। इस मौके पर आप सभी को एक संदेश देते हुए यह विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि हमारा कॉलेज प्रशासन आपकी क्षमताओं को विकसित करने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। क्योंकि हम अपने सभी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।किसी भी शैक्षणिक सत्र के पहले कुछ दिन महाविद्यालयी जीवन से आपका परिचय करने या कराने की गतिविधियों में निकल जाता है। इस दौरान आपको अपने कॉलेज के इतिहास, उसकी संगठनात्मक संरचना, कॉलेज में प्राप्त शिक्षा के लाभ का मूल्यांकन करने के साथ ही,यहाँ की नीतियों से अवगत होने में मदद मिलती है ।इसीलिए कॉलेज में आयोजित होने वाले अभिमुखी कार्यक्रम कॉलेज प्रशासन और नए विद्यार्थियों के बीच आपसी संबंध को विकसित करने के साधन बनते हैं ।हम इन सालों में कक्षाओं में या उसके बाहर होने वाली गतिविधियों में आमने- सामने बैठकर एक झ्रदूसरे को जानने की कोशिश में नए कौशल के मार्ग तलाशें जाएं, यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

जीवन में कामयाबी हर व्यक्ति का सपना होता है, जिसे पूरा करने के लिए कठिन परिश्रम एवं अनुशासन की बहुत जरूरत होती है। इस कॉलेज की खासियत है कि हम अपने यहाँ के अनुशासनात्मक माहौल को ज्ञान की धारा के माध्यम से जीवंत,सौहार्दपूर्ण और समावेशी बनाने के लिए हमेशा हर संभव कोशिश करते हैं ।इसलिए सभी विद्यार्थियों से हम अपेक्षा रखते हैं कि कोई भी विद्यार्थी किसी की भी रैगिंग न करे और न कॉलेज परिसर में इसे होने दे। यदि इसमें कोई भी विद्यार्थी संलिप्त पाया गया तो उस पर उचित दंडात्मक कार्यवाही होगी। अतः आप सभी विद्यार्थियों से कॉलेज प्रशासन उम्मीद करता है कि आप कॉलेज के इस माहौल को बनाये रखने में हम सबका सहयोग करेंगे। क्योंकि शिक्षा का मतलब सिर्फ. ज्ञान और कौशल को हासिल करना ही नहीं होता , बल्कि वह हमें ऐसे जीवन के लिए तैयार भी करती है,जो समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में काम आए। यही सोच आप सभी के भविष्य में बहुत काम आएगी, चाहे आप उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हों या अपने पसंद के कार्यक्षेत्र में काम कर रहे हों। यही वजह है कि हम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए पाठ्येतर गतिविधियों के महत्व को समझते हैं,इसलिए हम अपने विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए हमेशा प्रोत्साहित और प्रेरित करते हैं ।इसी को ध्यान में रखते हुए कॉलेज की अनेक कमेटियाँ इन पाठ्येतर गतिविधियों को पूरे सत्र में अनेक रूपों में चलतीं हैं। आप सभी विद्यार्थियों को यह सुझाव है कि आप अपनी पसंद की किसी भी कमेटी के सदस्य बनकर उसमें सक्रिय भूमिका के द्वारा अपने कौशल को निखार सकते हैं। हमारे कॉलेज का पुस्तकालय पुस्तकों से संबंधित सभी मामलों में बहुत समृद्ध है। इसका यथोचित लाभ आप सभी लोग लें।

कॉलेज के शैक्षणिक सफलता के वातावरण को बनाने और उसे विकसित करने के लिए जरूरी है कि आप सभी नियमित रूप से क्लास में आएं ।इसीलिए आप सभी की क्लास में 67 % उपस्थिति अनिवार्य की गई है ।इस व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए हमारे पास अनेक उत्कृष्ट संकाय सदस्यों और नॉन झ्रटीचिंग कर्मचारियों की टीमें हैं। ये सभी आपको हर तरह से हर संभव सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। लेकिन यह समर्पित भाव एक तरफा नहीं होना चाहिए। विद्यार्थियों को भी उसी समर्पित भाव से कॉलेज के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। यह हमारे साथ आप अभी विद्यार्थियों का भी कर्तव्य है । क्योंकि शिक्षा एक यात्रा है, कोई मंजिल नहीं। हम कड़ी मेहनत, दृढ़ इच्छा-शक्ति और समावेशी विकास की मानसिकता के साथ वह सब कुछ हासिल कर सकते हैं, जो आप अपने मन में ठान चुके हैं। क्योंकि अनुशासनात्मक ज्ञान विद्यार्थी जीवन का मूलाधार है। यही मूलाधार मजबूत नींव बनकर विद्यार्थियों के भविष्य की नई इमारतें खड़ी करने में सहायक होती है। हम आपको पूरे शैक्षणिक सत्र में इसीअनुशासनात्मक ज्ञान को सिखाने और समझाने की कोशिश करते रहेंगे।

अंत में आप सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए यह कहना चाहता हूँ कि आपका उज्ज्वल भविष्य आपकी दृढ़ संकल्पनात्मक शक्ति, आशा के धरातल पर खड़े होकर नए विजन को तैयार करने एवं आत्म-आश्वासन के संयोजन से ही संभव है। हम सभी आज से ही यह प्रण लें कि अपने महाविद्यालय के विकास में एकजुट होकर काम करेंगे ,जिससे हमारा महाविद्यालय देश के अग्रणी महाविद्यालयों में भी शुमार हो।

(लेखक श्यामलाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल हैं)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

गठबंधन के फेर में फंसी कांग्रेस की लिस्ट का इंतजार बढ़ा, अब इस दिन हो सकती है जारी

चंडीगढ़। विधानसभा चुनाव को लेकर हरियाणा कांग्रेस के प्रत्याशियों की पहली सूची गठबंधन को लेकर कोई नतीजा न निकलने से अटक गई है। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी के साथ हरियाणा में गठबंधन को लेकर कांग्रेस हाईकमान की बैठक होगी।

इस बैठक में ही तय होगा कि गठबंधन होगा या नहीं, अगर होगा तो कितनी और कौन सी सीटों पर यह समझौता होगा। राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक के बाद ही सूची जारी होगी। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा कि अभी सूची आने में एक से दो दिन लग सकते हैं।

कांग्रेस हाईकमान हरियाणा में गठबंधन की राजनीति को आगे बढ़ाना चाहती है। इसके चलते गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ सीट आवंटन को लेकर फामूर्ले पर शुक्रवार को अंतिम मुहर लगने की उम्मीद है।

आप के साथ सीटों को लेकर फंसा पेंच...हरियाणा कांग्रेस कमेटी प्रदेश में किसी भी दल के साथ गठबंधन से इन्कार कर चुकी है। हालांकि लोकसभा चुनाव आप के साथ इंडिया गठबंधन के तहत मिलकर लड़ा था। आप उसी फामूर्ले के तहत विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन चाह रही है और 10 सीटें मांग रही है, लेकिन कांग्रेस हाईकमान 5 से 7 सीटें देने को तैयार है। इसके अलावा सपा भी हरियाणा में अपनी सियासी जमीन तलाश रही है और वह भी पांच सीटें मांग रही है।

दावेदारों को अधिक समय नहीं देना चाहती कांग्रेस...टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस दावेदारों को बगावत के लिए अधिक समय नहीं देना चाहती। कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तर्ज पर देरी से टिकट वितरण की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा की बजाय कांग्रेस ने ऐन वक्त पर टिकटें बांटी और कांग्रेस से कोई बड़ा नेता बागी होकर दूसरे दल में नहीं जा पाया था।

हरियाणा में 5 सितंबर से 12 सितंबर तक नामांकन दाखिल किए जाने हैं। इसलिए आगामी एक से दो दिन में सूची आती है तो टिकट कटने वालों के पास मात्र एक सप्ताह ही होगा। अपनी पहली सूची में कांग्रेस 28 में से 25 मौजूदा विधायकों को टिकटें देने जा रही है।

खिलाड़ियों पर दांव खेलेगी...भाजपा ने अपनी सूची में इस बार केवल कबड्डी खिलाड़ी दीपक हुड्डा को टिकट दिया है, जबकि संदीप सिंह, बबीता फोगाट और योगेश्वर दत्त की टिकटें काटी हैं। ऐसे में कांग्रेस बजरंग पूनिया और वीनेश फोगाट पर दांव खेल सकती है, क्योंकि खिलाड़ी आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने खुलकर खिलाड़ियों का समर्थन किया था और खुद राहुल गांधी और प्रियंका गाधी खिलाड़ियों से मिले थे। ऐसे में ये तय माना जा रहा है कि दो से तीन सीटें खिलाड़ियों के खाते में आएंगी।

24 सीटों पर किया मंथन, नहीं बनी सहमति...66 सीटों पर पहले से नाम तय हो चुके हैं, वहीं वीरवार को बची 24 सीटों पर मंथन के लिए कांग्रेस नेता मधुसूदन मिस्त्री की अध्यक्षता में हरियाणा कांग्रेस की सब कमेटी की बैठक हुई। बैठक में टीएस सिंह देव, जिग्नेश मेवानी, अजय माकन शामिल रहे। यहां पर पैनल के हिसाब से चर्चा हुई, अभी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। ये अधिकतर वही सीटें हैं, जहां पर कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला ने अपने समर्थकों के नाम टिकट के लिए दिए हुए हैं। सुरजेवाला ने कैथल, कलायत, गुहला चीका, पूंडरी समेत जींद के लिए नाम दिए हैं।

सैलजा ने सिरसा, हिसार और फतेहाबाद समेत अन्य सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम दिए हैं। इन सीटों पर पार्टी अभी तक कोई फैसला नहीं ले सकी है। कुमारी सैलजा ने वीरवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उनसे सभी 90 सीटों के लिए सुझाव मांगे गए थे। वे अपने सुझाव दे चुकी हैं।

राव दान सिंह के बेटे को मिल सकता है टिकट...संभावना है कि महेंद्रगढ़ से विधायक राव दान सिंह के बेटे अक्षत राव को टिकट मिल सकता है। वहीं, ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए सोनीपत के विधायक सुरेंद्र पंवार के स्थान पर उनके बेटे या बहू को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। नूंह दंगों में आरोपी बनाए गए फिरोजपुर झिरका से विधायक मामन खान और समालखा से धर्म सिंह छौक्कर के टिकट को लेकर भी पेंच फंसा हुआ है।

पीयू का सिकंदर: कांग्रेस के टिकट न देने पर निर्दलीय उतरे और रच दिया इतिहास

चंडीगढ़। पीयू स्टूडेंट काउंसिल इलेक्शन में प्रेसिडेंट के लिए निर्दलीय उम्मीदवार अनुराग दलाल के सिर जीत का सेहरा सज गया है। वह पीयू के नए सरताज बन गए हैं। मतगणना के दौरान अनुराग दलाल शुरू से ही बढ़त बनाए हुए थे। अनुराग दलाल को कुल 3433 से वोट मिले हैं।

सिकंदर बूरा बने किंगमेकर...पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र परिषद चुनाव में लगातार दो बार अपने खड़े किए उम्मीदवार को अध्यक्ष पद की गद्दी दिला कर एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर बूरा किंगमेकर बन गए हैं। सिकंदर बूरा ने छात्र परिषद चुनाव से एक सप्ताह पहले ही एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया क्योंकि उनकी पार्टी के हाईकमान के साथ अध्यक्ष उम्मीदवार को लेकर सहमति नहीं बनी। सेक्टर 35 के कांग्रेस भवन में बीच कॉन्फ्रेंस में बूरा यह कहकर उठ गए थे कि अध्यक्ष उम्मीदवार को लेकर दिल्ली से तुगलकी फरमान जारी हुआ।

पहली बार जीता कोई निर्दलीय..सीनेटर प्रो. नवदीप गोयल ने बताया कि यह पहली बार है कि कोई निर्दलीय छात्र अध्यक्ष पद जीता हो। इससे पहले कभी कोई निर्दलीय छात्र अध्यक्ष पद पर नहीं जीता। अनुराग दलाल ने एनएसयूआई वापस ज्वाइन करने पर साफ इनकार किया और कहा कि यह चुनाव छात्र वर्सिज सरकार था जिसमें विद्यार्थियों की जीत हुई। पीयू की छात्र राजनीति में अक्सर बाहरी नेताओं का हस्तक्षेप देखा जाता है जहां उम्मीदवारों को सिफारिशी टिकट मिलती है लेकिन छात्रों ने उन्हें जिता कर नेताओं की राजनीति को फेल कर दिया। पिछली बार जहां जतिंदर को 3002 वोट पड़े थे अनुराग को 3433 मत मिले।

रोहतक के हैं नए अध्यक्ष...26 साल के अनुराग दलाल केमिस्ट्री विभाग में पीएचडी स्कॉलर हैं। वे रोहतक के रहने वाले हैं। चुनाव के बाद अनुराग ने कहा कि यह मेरी नहीं बल्कि छात्रों की जीत है। उन्होंने पहली बार विज्ञान विभाग से एक पीएचडी स्कॉलर को जिताया है।

छात्र वर्सेस सरकार का था मुकाबला...नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि पीयू के विद्यार्थियों ने छात्र राजनीति को बढ़ावा दिया है और बाहर से जो एमएलए व नेताओं की यूनिवर्सिटी में दखलअंदाजी रहती थी, उसे बंद किया है। इस बार मुकाबला छात्रों और सरकार के बीच था जिसमें विद्यार्थियों की न केवल जीत हुई बल्कि सिफारिशी टिकट पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को विद्यार्थियों को नकार दिया।

कांग्रेस में शामिल हुई विनेश फोगाट रेलवे से इस्तीफा देकर थामा 'हाथ'

चंडीगढ़ भारतीय पहलवान विनेश फोगाट कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। उनके साथी पहलवान बजरंग पूनिया ने भी पार्टी का दामन थाम लिया। कुछ ही देर में आधिकारिक एलान कर दिया जाएगा। दोनों कांग्रेस मुख्यालय पहुंच चुके हैं।

इससे पहले विनेश ने रेलवे से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे में कहा कि वे रेलवे की सदा आभारी रहूंगी।

खरगे ने कहा-चक दे हरियाणा...विनेश और बजरंग से मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा-चक दे इंडिया, चक दे हरियाणा! दुनिया में भारत का नाम रौशन करने वाले हमारे प्रतिभाशाली चैंपियन विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया से 10 राजाजी मार्ग पर मुलाकात। हमें आप दोनों पर गर्व है।

विनेश ने अपने इस्तीफे में कहा कि भारतीय रेलवे की सेवा मेरे जीवन का एक यादगार और गौरवपूर्ण समय रहा है। जीवन के इस मोड़ पर मैंने स्वयं को रेलवे सेवा से पृथक करने का निर्णय लेते हुए अपना त्यागपत्र भारतीय रेलवे के सक्षम अधिकारियों को सौप दिया है। राष्ट्र की सेवा में रेलवे द्वारा मुझे दिये गये इस अवसर के लिए मैं भारतीय रेलवे परिवार की सदैव आभारी रहूँगी।

साक्षी मलिक बोलीं-मेरी तरफ से आंदोलन जारी है...बजरंग पुनिया और विनेश फोगट के कांग्रेस में जाने पर पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पार्टी में शामिल होना उनका निजी फैसला है। मेरा मानना है कि हमें त्याग करना चाहिए। हमारे आंदोलन, महिलाओं की लड़ाई को गलत छवि नहीं दी जानी चाहिए...मेरी तरफ से आंदोलन जारी है।

मलिक ने खुलासा कि कि मुझे भी ऑफर मिले थे, लेकिन मैं देखना चाहती थी कि मैंने आखिर तक क्या शुरू किया है। जब तक फेडरेशन साफ नहीं हो जाता और महिलाओं का शोषण खत्म नहीं हो जाता, मेरी लड़ाई जारी रहेगी...लड़ाई सच्ची है और यह जारी रहेगी।

राहुल गांधी से मिले थे दोनों पहलवान...कुछ दिन पहले दोनों पहलवानों ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी जिसके बाद से दोनों के राजनीति में आने की चचाएं तेज हो गई थी। इस मुलाकात के बाद से माना जा रहा था कि विनेश जुलाना और बजरंग पूनिया बादली सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। या फिर दोनों में से कोई एक पहलवान चुनावी मैदान में आ सकता है।

राहुल से मिलने के बाद बजरंग व विनेश ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की। पेरिस से लौटने के बाद जब विनेश फोगाट दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची थीं तो कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा उनके स्वागत में पहुंचे थे। विनेश के स्वागत में निकाले गए जुलूस में भी दीपेंद्र काफी दूर तक साथ चले थे। उस दौरान बजरंग पूनिया भी साथ थे। तभी से अटकलें लगाई जा रही थीं कि विनेश फोगाट व बजरंग पूनिया कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। उसके बाद दोनों पहलवानों ने दिल्ली में भूपेंद्र सिंह हुड्डा से भी मुलाकात की थी।

चंडीगढ़ में किसान आंदोलन खत्म: महापंचायत के बाद होगा एलान

चंडीगढ़। चंडीगढ़ सेक्टर 34 के मेला ग्राउंड में चल रहा किसान आंदोलन आज खत्म हो जाएगा। किसान महापंचायत के बाद इसका एलान करेंगे। इसी बीच किसानों ने अपने सामान को समेटना शुरू कर दिया है।

सीएम के साथ बैठक में हुई मांगों पर चर्चा...इससे पहले गुरुवार को किसानों और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच ढाई घंटे तक चली बैठक में किसानों की मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई थी। इसके बाद फैसला लिया गया कि सरकार 30 सितंबर तक किसानों के साथ नई कृषि नीति का ड्राफ्ट साझा करेगी। इसके अलावा कर्ज में राहत के लिए सरकार वन टाइम सेलटमेंट (ओटीएस) स्कीम लेकर आएगी। इसके साथ ही सरकार किसानों पर दर्ज केस वापस लेने के लिए तैयार हो गई है।

इन मांगों पर बनी सहमति...बैठक में किसानों से 10 प्रतिनिधि, कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, बिजली मंत्री हरभजन सिंह और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में किसानों व मजदूरों से संबंधित कुल 70 मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि किसानों के साथ अच्छे माहौल में बैठक हुई और उम्मीद है कि वे अपना आंदोलन वापस ने लेंगे। किसानों पर दर्ज केस वापस लेने पर भी सहमति बन गई है। जिन केसों पर कानूनी राय की जरूरत है, उन्हें एडवोकेट जनरल (एजी) के पास भेजा जाएगा। कृषि नीति के ड्राफ्ट में जो मुद्दे शामिल करने से रह गए हैं, उनको किसानों के सुझावों के बाद शामिल किया जाएगा। इसके बाद नीति को लेकर दोबारा किसानों के साथ बैठक बुलाई जाएगी और इसे लागू किया जाएगा।

सरकार हमारी मांगों पर एक कदम आगे बढ़ी: उगराहां...बैठक के बाद बीकेयू (उगराहां) के प्रधान जोगिंदर सिंह उगराहां ने कहा कि सरकार उनकी मांगों को लेकर एक कदम आगे बढ़ी है और यही हमारा मकसद था। लंबित कृषि नीति लाने पर भी सरकार राजी हो गई है। चंडीगढ़ से मोर्चा हटाने को लेकर आज सभी जत्थेबंदियों की बैठक हो रही है। उगराहां ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों के कारण बुड्ढा नाले का पानी प्रदूषित हो रहा है। इस पर भी चर्चा की गई। सीएम मान ने कहा है कि वह एक ट्रीटमेंट प्लांट लगाने का काम करेंगे। बैठक में मजदूरों को मुआवजा, उनकी समस्याएं हल करने पर उचित फैसले लेने पर भी मंथन किया गया।

आत्महत्या के मामलों में मुआवजे के रद्द मामलों पर होगा पुनर्विचार: मान...सीएम मान ने कहा कि सरकार किसानों के सभी मुद्दों को हल करने के लिए बचनबद्ध है। कृषि नीति में किसानों के सुझावों को शामिल किया जाएगा। आत्महत्या को लेकर किसानों व मजदूरों के आत्महत्या के मामले में मुआवजे के रद्द केसों पर दोबारा विचार किया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जरूरतमंद लोगों को पांच मरले के प्लॉट दिए जाने वाले मामलों का भी निपटारा किया जाएगा। तीन से छह महीने के अंदर ऐसे सभी प्लॉटों से नाजायज कब्जे भी हटाए जाएंगे। सीएम मान ने पशुओं की मौत पर मुआवजे, गिरते भूजल स्तर, पानी के प्रदूषण व बुड्ढे नाले के समस्या का समाधान करने का भी भरोसा दिया।

फिल्मी स्टाइल में दोनों हाथों में पिस्टल लेकर किए हवाई फायर

करनाल। करनाल के इंद्री के वार्ड नंबर 2 में शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने एक घर के बाहर फिल्मी स्टाइल में हवाई फायरिंग कर दी। बदमाशों ने घर के बाहर चार राउंड हवाई फायर किए, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। घटना के बाद परिवार डर गया और तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस की कई टीमों ने तुरंत जांच शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दोनों बदमाश कैद हो गए हैं, जो सीडी डीलक्स बाइक पर सवार थे। पीछे बैठे बदमाश ने बाइक से उतरकर दोनों हाथों में पिस्टल लेकर चार राउंड फायर किए और फिर दोनों बदमाश फरार हो गए।

जिस घर के बाहर फायरिंग हुई, उसका मालिक इंद्री में एक होटल चलाता है। घर के मालिक चांद और गौरव का कहना है कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है और उन्हें नहीं पता कि यह फायरिंग क्यों की गई है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया और लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही इंद्री के डीएसपी सोनू नरवाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। एफएसएल टीम ने मौके से चार गोलियों के खोल बरामद किए हैं।

डीएसपी का बयान...इंद्री के डीएसपी सोनू नरवाल ने कहा कि बाइक पर सवार दो बदमाशों ने एक घर के सामने हवाई फायर किए हैं। आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं और फायरिंग के कारणों का अभी पता नहीं चला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बदमाशों की पहचान के लिए टीमों को लगाया गया है। फिलहाल पुलिस घटना की गहन जांच कर रही है और जल्द ही बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

मुक्तसर में वारदात: पीजीआई जाने के लिए निकले पिता-पुत्र से लूट

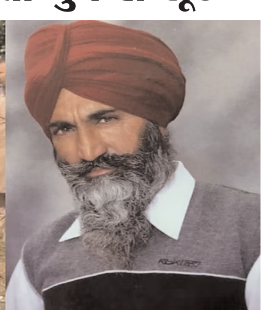

मुक्तसर। मुक्तसर के मराड़ कलां में बड़ी वारदात हो गई है। आल्टो कार में शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे पीजीआई जाने के लिए निकले बाप बेटे से लूट के बाद आरोपियों ने बुजुर्ग की हत्या कर दी है। वहीं बेटे को हथियारों से बेरहमी से पीटा है। वारदात करने के बाद लुटेरे मौके से फरार हो गए।

वारदात के बाद थाना बरीवाला पुलिस जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान मराड़ कलां निवासी लखबीर सिंह (54) पुत्र दयाल सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार लखबीर सिंह काला पीलिया बीमारी से ग्रस्त था और उसकी पीजीआई चंडीगढ़ से दवा चल रही थी। शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे वह अपने बेटे के साथ आल्टो कार पर घर से निकला।

दोनों बाप बेटे मराड़ कलां से खारा लिंक रोड से होते हुए मुक्तसर-कोटकपूरा हाईवे की तरफ जा रहे थे। अभी गांव मराड़ कलां से थोड़ा आगे रेलवे फाटक के पास पहुंचे तो लुटेरों ने गाड़ी रोक ली और दोनों से पैसे और मोबाइल फोन छीन लिए। इस दौरान विरोध करने पर लुटेरों ने हथियारों से वार कर पिता की हत्या कर दी। वहीं बेटे को भी बेरहमी से पीटा।

नहीं रुक रहा पथराव: लुधियाना में सतलुज एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी

लुधियाना। लुधियाना के बद्दोवाल में शरारती तत्वों ने वीरवार देर शाम सतलुज एक्सप्रेस (14630) पर पथराव कर दिया। इस दौरान एक पत्थर खिड़की की तरफ बैठे चार वर्षीय बच्चे के सिर में जा लगा। पत्थर लगने से बच्चे का सिर फट गया और उसके सिर की हड्डी टूट गई। इसके अलावा ट्रेन के लोको पायलट सहित कई यात्रियों को भी पत्थर लगे, लेकिन उनको कोई गंभीर चोट नहीं आई। ट्रेन पर पथराव होते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। इसके बाद यात्रियों ने चेन पुलिंग करके ट्रेन को रोक दिया।

13 किलोमीटर तक नहीं मिली कोई प्राथमिक चिकित्सा...ट्रेन रुकते ही टिकट चेकर कोच में पहुंचे और बच्चे की गंभीर हालत और स्टाफ के पास प्राथमिक उपचार की सुविधा नहीं होने के कारण ट्रेन को तुरंत लुधियाना की तरफ रवाना करवाया। इसके बाद बच्चा लहूलुहान हालत में बिना किसी चिकित्सीय सहायता के करीब 13 किलोमीटर का सफर करके लुधियाना पहुंचा। लुधियाना स्टेशन पर परिजनों ने बच्चे को सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसके सिर की हड्डी टूटने की बात कहकर पीजीआई रेफर कर दिया।

गंगानगर से मां के साथ आ रहा था प्रिंस...बच्चे की मां सविता ने बताया कि वह अपने बेटे प्रिंस (4) के साथ गंगानगर से अपने मायके लुधियाना आ रही थी। जैसे ही ट्रेन बद्दोवाल के पास पहुंची, बाहर से किसी ने ट्रेन पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। पत्थर लगने से प्रिंस का सिर फट गया और वह लहूलुहान हो गया। सविता ने बताया कि ट्रेन के लुधियाना स्टेशन पहुंचने पर रेलवे अस्पताल की टीम ने भी बच्चे को मामूली प्राथमिक उपचार देने के बाद सिविल अस्पताल भेजकर अपना पीछा छुड़ा लिया। चार वर्षीय मासूम प्रिंस शुक्रवार शाम तक अस्पताल के बेड पर पड़ा जिंदगी और मौत से जूझ रहा था तथा इस शर्मनाक वारदात को अंजाम देने वाले शरारती तत्व आरपीएफ तथा जीआरपी की गिरफ्त से बाहर थे।

खेल जगत से राजनीति में कदम: पहलवान बजरंग पूनिया कांग्रेस में शामिल

हिसार। पहलवान और ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने राजनीति में कदम रखते हुए कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। शुक्रवार को उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस घटनाक्रम ने हरियाणा की राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है।

बजरंग पूनिया का खेल सफर...बजरंग पूनिया का नाम भारतीय कुश्ती में बेहद सम्मान से लिया जाता है। वे भारत के शीर्ष पहलवानों में से एक हैं, जिन्होंने ओलंपिक, विश्व कुश्ती चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को कई पदक दिलाए हैं। बजरंग पूनिया ने 2020 के टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था, जिसके बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई थी। उनकी खेल उपलब्धियों के लिए उन्हें राजीव गांधी खेल रत्न और पद्म श्री जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

राजनीति में आने के कारण...बजरंग पूनिया ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद कहा कि वे देश के युवाओं, किसानों और खिलाड़ियों के मुद्दों को राजनीति के माध्यम से उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि खेल ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और अब वे देश और समाज की सेवा राजनीति के जरिए करना चाहते हैं। कांग्रेस के नेतृत्व और विचारधारा से प्रभावित होकर उन्होंने इस पार्टी को चुना है।

बजरंग पूनिया लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर मुखर रहे हैं। हाल ही में पहलवानों द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर जो आंदोलन चला, उसमें बजरंग पूनिया ने अहम भूमिका निभाई थी। वे आंदोलन के दौरान किसानों और आम जनता के मुद्दों को भी जोर-शोर से उठाते रहे हैं, जिससे उनकी राजनीतिक सक्रियता बढ़ी है।

हरियाणा की राजनीति पर असर...बजरंग पूनिया का कांग्रेस में शामिल होना हरियाणा की राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वे हरियाणा के झज्जर जिले से ताल्लुक रखते हैं, जो कुश्ती के क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध है। हरियाणा में खेल और राजनीति का गहरा संबंध रहा है, जहां खिलाड़ियों को हमेशा से राजनीतिक क्षेत्र में स्वागत मिला है। उनका प्रभाव न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश के खेल प्रेमियों और युवाओं के बीच है।

फिरोजपुर में फिर चली गोलियां: आढ़ती पर दो बदमाशों ने की फायरिंग, हालत गंभीर, चार दिन पहले हुआ था ट्रिपल मर्डर

फिरोजपुर । पंजाब के फिरोजपुर में कुछ दिन पहले ही ट्रिपल मर्डर केस का मामला अभी तक लोगों के जहन में है। वहीं, एक सप्ताह के भीतर गोलीकांड की दूसरी वारदात हुई है। शुक्रवार को फिरोजपुर में दिनदहाड़े गोलियां चली हैं। फायरिंग की घटना की इस घटना से एक बार फिर सनसनी फैल गई है।

शुक्रवार को बदमाशों ने एक व्यक्ति पर सरेराह गोलियां चला दीं। यह घटना फिरोजपुर के गांव बारेके में हुई है। गांव बारेके में बाइक सवार दो बदमाशों ने आढ़ती गुरमीत सिंह पर गोलियां दाग दीं। गुरमीत के दो गोली लगी है। गोलियां लगने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। घायल को फिरोजपुर के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक फायरिंग की यह घटना दोपहर लगभग डेढ़ और 2:00 बजे के बीच में हुई है। आढ़ती गुरमीत सिंह अपनी दुकान से बाइक पर सवार होकर घर आया था। जैसे ही वह घर के बाहर बाइक खड़ी कर रहा था, तभी बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसपर फायरिंग कर दी। एक गोली गुरमीत की गर्दन से छूकर निकली है। आढ़ती की हालत नाजुक बनी हुई है। हाल फिलहाल गुरमीत का इलाज चल रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है। घटनास्थल का जायजा लिया जा रहा है। पुलिस जांच अधिकारी का कहना है कि घायल का बयान दर्ज किए जाएंगे।

सीएम नायब सैनी के मैदान में आने से बदले लाडवा विधानसभा क्षेत्र के समीकरण, जीत के राह नहीं होगी आसान

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र की धरा लाडवा में इस बार चुनावी महाभारत बेहद रोचक होने वाली है। अभी तक चुनाव की तैयारी में जुटे रहे भाजपा-इनेलो व कांग्रेस के कद्दावर नेता अपनी-अपनी जीत का दम भरते रहे तो वहीं टिकट मिलने की भी प्रबल संभावना जताते हुए जनता के बीच उतरे रहे। मगर भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री नायब सैनी को मैदान में उतारे जाने के बाद यहां चुनावी समीकरण पूरी तरह से बदल गए हैं। हालांकि मुख्यमंत्री नायब सैनी के यहां से प्रत्याशी बनाए जाने की चचाएं काफी दिनों से जारी थीं लेकिन दूसरी पार्टियों के नेताओं को यह महज अटकलें ही लग रही थीं। अब मुख्यमंत्री को प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा ने दूसरी पार्टियों के नेताओं व कार्यकताओं को पसोपेश में डाल दिया है। सैनी बाहुल्य इस क्षेत्र में यह दूसरा मौका है जब भाजपा की ओर से इस समाज का प्रत्याशी मैदान में उतारा है। इससे पहले वर्ष 2014 के चुनाव में डॉ. पवन सैनी ने यहां भाजपा का कमल खिलाया था जबकि दूसरी बार इसमें वे कामयाब नहीं हो पाए थे।

एक लाख 95 हजार 816 मतदाता करेंगे फैसला...क्षेत्र में एक लाख 95 हजार 816 मतदाता यहां का फैसला करेंगे। इनमें मुख्य तौर पर सबसे ज्यादा करीब 20 फीसदी सैनी, 18 फीसदी जाट, 10 फीसदी ब्राह्मण, छह फीसदी कश्यप समाज के वोट माने जाते हैं जबकि अन्य विभिन्न समाज के मतदाता भी अपना स्थान रखते हैं।

इनेलो के शेर सिंह बड़शामी बने थे क्षेत्र के पहले विधायक...वर्ष 2008 में हुए परिसीमन के बाद लाडवा विधानसभा क्षेत्र अस्तित्व में आया था, जहां अगले ही साल 2009 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में इनेलो के दिग्गज नेता शेर सिंह बड़शामी विधायक बने थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे हंटर ने स्वीकार किया अपराध, संघीय कर मामले में अदालत ने माना है दोषी

लॉस एंजेलिस। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन ने संघीय कर मामले में आरोपों को स्वीकार कर लिया है। हंटर का यह निर्णय बृहस्पतिवार को तब आया, जब संघीय कर मामले में जूरी चयन शुरू होने वाला था, जिसमें उन पर करों में कम से कम 1.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया था। आरोपों में 17 साल तक की सजा का प्रावधान है, लेकिन संघीय सजा दिशा-निर्देशों के तहत बहुत कम सजा की मांग की जा सकती है। सजा पर 16 दिसंबर की तारीख तय की गई है।

हंटर को अवैध रूप से हथियार खरीदने और नशीली दवाओं के उपयोग को लेकर झूठ बोलने के मामलों में जून में दोषी ठहराया गया था। कर परीक्षण में संभावित रूप से

अधिक झूठे सबूतों के साथ-साथ हंटर के विदेशी व्यापार सौदों के बारे में विवरण प्रदर्शित होने की उम्मीद थी, जिसे रिपब्लिकन ने बाइडन परिवार को भ्रष्ट के रूप में चित्रित करने की कोशिश की।

हालांकि राष्ट्रपति बाइडन के 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से बाहर होने के फैसले ने कर मामले के संभावित राजनीतिक निहितार्थों को कम कर दिया, लेकिन यह उम्मीद की गई थी कि मुकदमे से राष्ट्रपति को उनके पांच दशक के राजनीतिक करियर के अंतिम महीनों में भारी भावनात्मक नुकसान उठाना पड़ेगा। हंटर द्वारा अपनी याचिका दायर करने से पहले बचाव पक्ष के वकील एब्बे लोवेल ने न्यायाधीश से कहा, 'बहुत हो गया। सार्वजनिक और निजी हित के कारण, बाइडन आज आगे बढ़ने और इसे समाप्त करने के लिए तैयार हैं।' स्ट्रिपर्स, लक्जरी होटल और विदेशी जैसी चीजों पर बेतहाशा खर्च करते हुए करों से बचने के लिए चार साल की योजना का आरोप लगाने वाले मामले की सुनवाई के लिए पैनल चुनने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 100 से अधिक संभावित जूरी सदस्यों को लॉस एंजिल्स के कोर्टहाउस में लाया गया था। अभियोजक तब हैरान रह गए जब हंटर के वकील ने बृहस्पतिवार सुबह न्यायाधीश को बताया कि हंटर एक अल्फोर्ड याचिका में प्रवेश करना चाहता था, जिसके तहत एक प्रतिवादी अपनी बेगुनाही बरकरार रखता है लेकिन स्वीकार करता है कि अभियोजकों के पास सजा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

अभियोजकों ने कहा कि उन्होंने ऐसी याचिका पर आपत्ति जताई और न्यायाधीश से कहा कि हंटर विशेष शर्तों पर दोष स्वीकार करने के हकदार नहीं हैं जो केवल उन पर लागू होती हैं। हंटर बाइडन अपनी पत्नी मेलिसा कोहेन बाइडन का हाथ पकड़कर अदालत कक्ष में चले गए और उनके साथ सीक्रेट सर्विस के एजेंट भी मौजूद थे। प्रारंभ में, उन्होंने अपने 2016 से 2019 के करों से संबंधित आरोपों के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया और उनके वकीलों ने संकेत दिया था कि वे तर्क देंगे कि उन्होंने जानबूझकर या कानून तोड़ने के इरादे से काम नहीं किया।

बृहस्पतिवार को अपनी याचिका बदलने का हंटर बाइडन का निर्णय न्यायाधीश द्वारा बचाव पक्ष के लिए कुछ प्रतिकूल प्री-ट्रायल फैसले जारी करने के बाद आया, जिसमें नशे की लत के बारे में गवाही देने के लिए प्रस्तावित रक्षा विशेषज्ञ को अस्वीकार करना भी शामिल था।

बंगाल के मात्र इतने ही जिलों में क्यों हैं फास्ट ट्रैक अदालतें केंद्र ने ममता सरकार से पूछा सवाल

पश्चिम बंगाल। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों में जल्द न्याय देने के लिए केवल पांच से छह जिलों में फास्ट ट्रैक विशेष अदालतें स्थापित करने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राज्य ने और अधिक जिलों में ऐसी अदालतें स्थापित करने के लिए नए प्रस्ताव भेजे हैं।

आरजी कर केस को मंत्री ने बताया शर्मनाक...दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि कोलकाता में एक महिला डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या की घटना शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद की गई कार्रवाई में गलतियों की ओर ध्यान दिलाया गया है, जो कि काफी धीमी थी।

सिर्फ पांच-छह जिलों में हैं फास्ट ट्रैक कोर्ट...अर्जुन राम

मेघवाल ने कहा, मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा। तब (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी ने फास्ट ट्रैक कोर्ट की जरूरत के बारे में एक पत्र लिखा था। (फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के लिए) योजना पहले से ही मौजूद है। उन्होंने कहा कि पांच-छह जिलों को छोड़कर, (पश्चिम बंगाल में) अदालतें स्थापित नहीं की गई हैं। अब कुछ जिलों के लिए उनके प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

पुलिस के रवैये पर उठाए गए हैं सवाल- मेघवाल...केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए गए हैं, मामला सुप्रीम कोर्ट में है, इसे छुपाने के लिए, ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की तरफ से ममता बनर्जी को हाल ही में लिखे गए पत्र का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि राज्य सरकार ने दुष्कर्म और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के मामलों से निपटने के लिए अतिरिक्त 11 फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों को चालू नहीं किया है।

केंद्र और राज्य सरकार के बीच जारी है 'पत्र युद्ध'...वहीं इससे पहले केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि पश्चिम बंगाल ने 88 फास्ट ट्रैक न्यायालय स्थापित किए हैं, जो केंद्र सरकार की योजना के तहत आने वाले फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों के समान नहीं हैं। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो बार पत्र लिखा है।

कटिहार रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प

अमृत भारत योजना के तहत वर्ल्ड क्लास बनेगा जंक्शन

संवाददाता।
कटिहार। बिहार में स्थित कटिहार रेलवे स्टेशन, जो बंगाल और बिहार को जोड़ता है, एक बड़े बदलाव के लिए तैयार है। 2026 तक इसे एक आधुनिक 'मल्टी-मॉडल' स्टेशन में बदलने का प्लान है, जो शहर का मुख्य केंद्र बनेगा। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से इसे विश्वस्तरीय स्टेशन जैसा बनाया जाएगा। काम 2025 में शुरू होगा और 2026 तक पूरा होगा। रेलवे बोर्ड ने 'अमृत भारत स्टेशन स्कीम' के तहत इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। कटिहार रेल मंडल के डीआरएम सुरेंद्र कुमार ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

डीआरएम सुरेंद्र कुमार ने बताया कि कटिहार रेलवे स्टेशन को स्थानीय तर्ज पर एक नया और बेहतरीन रूप दिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत स्टेशन और उसके आसपास कई बड़े बदलाव होंगे। स्टेशन के दोनों तरफ पार्किंग, आने-जाने के लिए नए रास्ते, अधिक वेटिंग रूम, नए प्लेटफॉर्म, पुराने स्टेशन का आधुनिकीकरण, लिफ्ट, ऑटोमेटिक सीढ़ियाँ और जरूरत पड़ने पर फुट ओवर ब्रिज भी बनाए जाएंगे। डीआरएम ने बताया कि इस योजना के तहत कई विशेष सुविधाओं से कटिहार स्टेशन को लैस किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्कलोड मिलते ही जल्द ही इस पर काम शुरू हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट से कटिहार स्टेशन का कायाकल्प हो जाएगा और यह यात्रियों के लिए एक आरामदायक और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करेगा। साथ ही, यह शहर के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निर्माण हो जाने के बाद बिहार सहित बंगाल के यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। कटिहार बंगाल से भी जुड़ा हुआ है। वहां के यात्री भी इसी स्टेशन से ट्रेन पकड़ते हैं।

सैन्य संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं जिनपिंग

चीन। चीन-अफ्रीका सहयोग मंच (एफओसीएसी) के 2024 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि चीन अफ्रीका में 30 स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएं शुरू करने, मौसम संबंधी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित करने और आपदा रोकथाम, शमन और राहत के साथ-साथ जैव विविधता संरक्षण में सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने 20 से अधिक अफ्रीकी राष्ट्राध्यक्षों और सरकार की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में कहा, हम परमाणु प्रौद्योगिकी के शांतिपूर्ण उपयोग पर एक चीन-अफ्रीका मंच बनाएंगे, 30 संयुक्त प्रयोगशालाएं स्थापित करेंगे और उपग्रह रिमोट सेंसिंग और चंद्र और गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण पर सहयोग करेंगे। यह सब अफ्रीका में हरित विकास में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि चीन पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग के समान अफ्रीका में परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने का इरादा रखता है या नहीं। शी जिनपिंग ने कहा कि परमाणु और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों पर सहयोग अफ्रीकी देशों को आधुनिक बनाने में मदद करेगा।

अंतरिम सरकार SAARC को साथ लाने की करेगी कोशिश, कहा- अब यह सिर्फ कागजों पर मौजूद

ढाका बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का कहना है कि सार्क की भावना को फिर से बहाल जाना चाहिए। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि आठ सदस्यीय यह समूह क्षेत्र की कई समस्याओं का समाधान कर सकता है।

केवल कागजों पर मौजूद सार्क...मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क या एसएएआरसी) का गठन एक बड़े उद्देश्य के साथ किया गया था, लेकिन अब यह केवल कागजों पर मौजूद है और काम नहीं कर रहा है। बता दें, इस क्षेत्रीय समूह में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं।

पीएम मोदी से मिलने की करेंगे कोशिश...यूनुस ने कहा कि वह इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की कोशिश करेंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वह सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को फोटो खिंचवाने के लिए एक साथ लाने की कोशिश करेंगे।

एक साथ राष्ट्राध्यक्षों को लाने की करेंगे कोशिश...उन्होंने

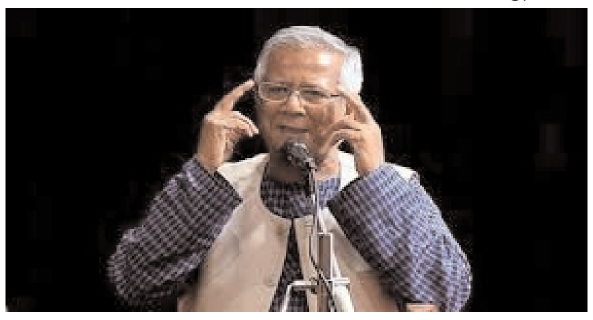

आगे कहा, 'हां हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की कोशिश करेंगे। साथ ही मैं यह भी प्रयास करूंगा कि सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को फोटो खिंचवाने के लिए एक साथ खड़ा किया जा सके।

सार्क का गठन एक बड़े उद्देश्य के लिए किया गया था। अब सिर्फ यह कागजों पर मौजूद है। यह संगठन जमीनी हकीकत में काम नहीं कर रहा है। हम सार्क का नाम भूल गए हैं। मैं सार्क की भावना को फिर से जगाने की कोशिश कर रहा हूं।'यूनुस ने कहा कि सार्क समिट बहुत लंबे समय से नहीं हुई है। अगर हम सब साथ आते हैं तो बहुत सारी परेशानियों का समाधान हो जाएगा।

26 सितंबर को होगी संयुक्त राष्ट्र महासभा...संयुक्त राष्ट्र द्वारा वक्ताओं की जारी अस्थायी सूची के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की उच्च स्तरीय आम बहस 24 से 30 सितंबर तक होगी।

कबसे नहीं हुआ सार्क समिट?...बता दें, नेपाल सार्क को सक्रिय करने के प्रयास कर रहा है। साल 2016 में इस्लामाबाद में सार्क समिट होना था, लेकिन उस वर्ष 18 सितंबर को जम्मू कश्मीर के उरी स्थित एक सैन्य शिविर पर आतंकवादी हमले के बाद भारत ने मौजूदा हालात के मद्देनजर सम्मेलन में हिस्सा लेने में असमर्थता जतायी थी। वहीं, बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान के भी इस्लामाबाद में होने वाले सम्मेलन में हिस्सा लेने से इनकार करने के बाद सम्मेलन रद्द कर दिया गया था।

बिहार में बकरी चोरी के आरोप में ग्रामीणों ने दो युवकों को पेड़ से बांधकर पीटा, एक की मौत

संवाददाता।
बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में शुक्रवार को बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों के हाथ-पैर बांधकर पीटने का मामला सामने आया है। घटना में एक युवक की मौत हो गई। मामला जिले के वीरपुर थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि बकरी चोरी के आरोप में ग्रामीणों ने दो युवकों को पकड़ लिया था। उन्होंने दोनों के हाथ-पैर बांधकर पिटाई कर दी, जिसमें एक युवक की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, वीरपुर थाना क्षेत्र के भवानंदपुर में शुक्रवार सुबह दो लोग कथित तौर पर बकरी चोरी करने पहुंचे थे। जब दोनों युवक गांव से बकरी चुराने का प्रयास कर रहे थे, तभी ग्रामीणों ने शोर मचा दिया। दोनों युवक बाइक पर सवार होकर भागने लगे। ग्रामीणों ने उनका पीछा किया। कुछ दूरी पर दोनों युवक पुलिया के पास टकराकर गिर गए और घायल हो गये। ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और हाथ-पैर बांधकर गांव ले आए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। उन्होंने ग्रामीणों के चंगुल से दोनों को छुड़वाया। इसके बाद पुलिस ने घायल युवकों को इलाज के लिए नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वीरपुर में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने दोनों युवकों की हालत को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान वीरपुर के पश्चिमी गांव निवासी मोहित कुमार (20) के रूप में की गई है। बताया गया कि इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। पुलिस का कहना है कि भागने के चलते बाइक दुर्घटना में एक आरोपी घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, ग्रामीणों ने दोनों आरोपियों की जमकर पिटाई की थी, इसी कारण एक व्यक्ति की जान गई है।

पितृपक्ष में पुनपुन नदी घाट पर 9 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव

पैसेंजर ट्रेनों की लिस्ट भी जारी

संवाददाता।
औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले के अंतर्गत एक रेलवे स्टेशन आता है, जिसका नाम अनुग्रह नारायण रोड घाट है। इसे पुनपुन नदी घाट के तौर पर भी लोग जानते हैं। देश का एक मात्र ऐसा रेलवे स्टेशन है, जहां पितृ पक्ष के दौरान कई जोड़ी ट्रेनों का ठहराव होता है। यहां पिंडदान करने के लिए श्रद्धालु आते हैं। पूरे वर्ष इस स्टेशन पर कोई भी ट्रेन नहीं रूकती है। ये रेलवे स्टेशन करीब 26 सालों से यूं ही वीरान पड़ा है। यहां टिकट काउंटर भी नहीं है। लेकिन पितृ पक्ष के दौरान स्टेशन की महता बढ़ जाती है। यहां उतरने वाले श्रद्धालु अपने पूर्वजों को पुनपुन नदी के तट पर पिंडदान करते हैं। मान्यता के मुताबिक यहां प्रथम पिंडदान होता है। पूर्व मध्य रेल ने अनुग्रह नारायण रोड घाट स्टेशन पर 9 जोड़ी एक्सप्रेस और 5 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों के अस्थायी ठहराव की व्यवस्था की है। ये व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि पितृपक्ष में पितरों को प्रथम पिंडदान करने आए लोगों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े। इसी पुनपुन नदी से प्रथम पिंड देने के बाद लोग पिंडदान करने गया जाते है। यूं कहे कि अनुग्रह नारायण रोड घाट स्टेशन प्रवेश द्वार है। पितृपक्ष 17 सितंबर 2024 से शुरू होकर 2 अक्टूबर को खत्म हो जाएगा। उससे पहले पूर्व मध्य रेलवे ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। संभावित ट्रेनों और ठहरने वाली ट्रेनों की सूची जारी कर दी गई है। पंडित धर्मेंद्र पाठक ने बताया कि पुनपुन नदी को पुराणों में आदि गंगा कहा गया है। यह नदी बिहार के औरंगाबाद में झारखंड की सीमा पर नवीनगर प्रखंड में टंडवा के पास से निकली है। यहां से निकल कर यह पौराणिक नदी औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद होते पटना जिले में जाकर गंगा में विलीन हो जाती है। पुनपुन नदी के घाट पर प्रथम पिंडदान

किए बगैर मोक्ष नगरी गया में पितरों को किया गया पिंडदान व्यर्थ माना गया है। इस रेलवे स्टेशन पर हर साल पितृ पक्ष में इसलिए ट्रेनों को रोका जाता है, व?योंकि इसके करीब स्थित पुनपुन नदी में लोग श्राद्ध के दौरान अपने पितरों को तर्पण करने जाते हैं। हर साल पितृ पक्ष के दौरान यह धर्म कर्म किया जाता है। कई दशक पहले इस स्टेशन को बनाया ही इसलिए गया था, ताकि लोग पुनपुन नदी में श्राद्ध कर्म कर सकें।

पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि पितृपक्ष मेला के अवसर पर पुनपुन घाट हॉल्ट पर कई ट्रेनों के अस्थायी ठहराव को मंजूरी दी गई है। इन ट्रेनो का ठहराव 17 सितम्बर से शुरू होकर 02 अक्टूबर तक जारी रहेगा। इन सभी ट्रेनों का 2 मिनट तक पुनपुन नदी घाट वाले स्टेशन पर ठहराव होगा। इनमें गाड़ी सं.- 13243/13244 पटना-भभुआ रोड-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस, गाड़ी सं.- 13347/13348 पटना-बरकाकाना-पटना पलामू एक्सप्रेस, गाड़ी सं.- 13349/13350 सिंगरौली-पटना-सिंगरौली एक्सप्रेस, गाड़ी सं.- 18623/18624 इसलामपुर-हटिया-इसलामपुर एक्सप्रेस, गाड़ी सं. 18625/18626 पूर्णिया कोर्ट-हटिया-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस शामिल है। इसके अलावा जिन गाड़ियों के ठहराव को सुनिश्चित किया गया है। उनमें, गाड़ी सं.- 12365/12366 पटना-रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस, गाड़ी सं.- 13329/13330 पटना-धनबाद-पटना गंगा दामोदर एक्सप्रेस, गाड़ी सं.- 14223/14224 राजगीर-वाराणसी-राजगीर बुद्धपूर्णिमा एक्सप्रेस एवं गाड़ी सं.- 05553/05554 पाटलिपुत्र-गया-पाटलिपुत्र पैसेंजर स्पेशल ट्रेन शामिल है। इसके साथ ही 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक 5 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों का भी दो-दो मिनट का अस्थायी ठहराव प्रदान किया गया है। इनमें गाड़ी सं.- 03383/03384 गया-डीडीयू-गया मेमू पैसेंजर स्पेशल, गाड़ी सं.- 03691/03692 गया-डेहरी ऑन सोन-गया मेमू पैसेंजर स्पेशल, गाड़ी सं.- 03381/03382 गया-डेहरी ऑन सोन-गया मेमू पैसेंजर स्पेशल, गाड़ी सं.- 13305/13306 धनबाद-सासाराम-धनबाद इंटरसिटी पैसेंजर एवं गाड़ी सं. 13553/13554 आसनसोल-वाराणसी-आसनसोल मेमू पैसेंजर शामिल है।

दरभंगा में 'सुपर' इलाज का इंतजार

जेपी नड्डा करेंगे 150 करोड़ के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन

दीपक तिवारी।
दरभंगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के साथ, शनिवार को दरभंगा में कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजनाओं का जायजा लेंगे और उद्घाटन करेंगे। इस दौरान, वे सोभन बाईपास पर प्रस्तावित एम्स के लिए निर्धारित भूमि का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा, डीएमसीएच परिसर में लंबे समय से बनकर तैयार सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का भी उद्घाटन करेंगे, जो 150 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है। इस महत्वपूर्ण दौरे की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दरभंगा के डीएम राजीव रौशन, एसएसपी जगुनाथ रेड्डी, सांसद गोपाल जी ठाकुर और विधायक संजय सरावगी ने तैयारियों का जायजा लिया है।

हालांकि, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के उद्घाटन को लेकर कुछ चिंताएं भी हैं। सूत्रों के अनुसार, अस्पताल में मरीजों की जांच के लिए पर्याप्त संख्या में टेक्नीशियन नहीं हैं।

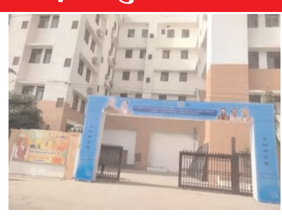

इस बारे में डीएमसीएच प्रशासन फिलहाल चुप्पी साधे हुए है। शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डीएमसीएच के सात विभागों का उद्घाटन करेंगे। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उन्नत आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर, कैथलैब के साथ-साथ आधुनिक चिकित्सा तकनीक से लैस है। हालांकि, उद्घाटन के बाद भी मरीजों को इंडोर सुविधाओं के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। इसके लिए दक्ष टेक्नीशियन और कर्मचारियों की नियुक्ति जरूरी है। बिना टेक्नीशियन के अस्पताल की जांच मशीनें और कैथलैब बेकार साबित होंगे। डीएमसीएच प्रशासन ने इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग से कर्मचारियों की नियुक्ति की मांग की है। विभाग की ओर से टेक्नीशियन और स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति के बाद ही सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का पूरा लाभ मिथिला के लोगों को मिल पाएगा। इस पांच मंजिला अस्पताल के ग्राउंड फ्लोर पर एडमिशन, इमरजेंसी, पैथोलॉजी जांच केंद्र और रेडियोलॉजी विभाग पहले से ही काम कर रहे हैं। पहली मंजिल पर नेफ्रोलाजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी विभागों के ओपीडी चल रहे हैं। दूसरी मंजिल पर बर्न और प्लास्टिक सर्जरी विभाग है, जबकि तीसरी मंजिल पर न्यूरोसर्जरी और न्यूरोलॉजी विभाग हैं। चौथी मंजिल पर कार्डियोलॉजी और सीटीवीएस की सुविधा है। पाँचवीं मंजिल पर ऑपरेशन थियेटर, कैथ लैब, एनेस्थीसिया, आईसीयू और सीसीयू मौजूद हैं। अस्पताल के सभी आठ विभागों में 20-20 बेड की सुविधा है। प्री-ओपीडी, पोस्ट-ओपीडी, कैथलैब, डायलिसिस और आईसीयू के लिए 50 बेड हैं। सभी 210 बेड पर मरीजों का इलाज शुरू होने से मिथिला में स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई दिशा मिलेगी।

अब चेन्नई जाने की जरुरत नहीं, पटना के IGIMS में ही बेहद कम खर्च पर हो जाएगा आंखों का ऑपरेशन

संवाददाता।
पटना। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) के परिसर में आंखों के अस्पताल और नए भवन का उद्घाटन किया। नड्डा शुक्रवार को बिहार के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री बिहार के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान पटना, मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा और भागलपुर में कई स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, बिहार के मंत्री मंगल पांडे और विजय कुमार चौधरी की मौजूदगी में नड्डा ने आंखों के अस्पताल का उद्घाटन किया। इसका निर्माण करीब 188 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह संस्थान ट्रॉमा सेंटर की

सुविधा वाला पूर्वी भारत का सबसे बड़ा नेत्र अस्पताल है। नड्डा ने आईजीआईएमएस में स्वास्थ्य उप-केंद्र (एचएससी), अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (एपीएचसी), स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र (एचडब्ल्यूसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेत कुल 850 करोड़ रुपये की लागत की कई स्वास्थ्य परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इससे पहले दिन में पटना के जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नड्डा के पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, दोनों उपमुख्यमंत्री और राज्य सरकार में भाजपा के अन्य मंत्रियों ने हवाई अड्डे पर नड्डा की अगवानी की। नड्डा हवाई अड्डे पर पहुंचने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आधिकारिक आवास 1 अणे मार्ग के लिए रवाना हो गए। राज्य में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) प्रमुख कुमार और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बीच शिष्टाचार मुलाकात है।

'स्कूल जाने में रूह कांप जाती है', पूर्णिया के सैकड़ों शिक्षकों का दर्द नहीं समझ रहा बिहार शिक्षा विभाग

संवाददाता।
पूर्णिया। सीमांचल में सैकड़ों शिक्षक रोज अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल जाते हैं। नाव ही उनका एकमात्र सहारा है। कई बार नाव हादसों से बाल-बाल बचे हैं। कभी दलदल में फंसकर, कभी खेतों के मेड़ों से गुजरकर, ये शिक्षक किसी तरह समय पर स्कूल पहुंचते हैं। यह समस्या खासकर अमौर प्रखंड के खाड़ी महीनगांव पंचायत में विकराल है, जहां 2007 में कनकई नदी पर पुल बनना शुरू हुआ था। लेकिन 2013 में अधूरा बनकर रह गया। तब से यह अधूरा पुल लोगों के लिए मुसीबत बना हुआ है। स्थानीय लोग और शिक्षक नाव के सहारे नदी पार करते हैं। तीन महीने पहले एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें नाव पुल के पिलर से टकराते-टकराते बची थी। तेज बहाव में नाव पलटते-पलटते बची थी। वीडियो में साफ दिख रहा था

कि कैसे नाविक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। वीडियो में शिक्षिकाओं को अपनी जान जोखिम में डालकर नाव से स्कूल जाते हुए देखा जा सकता है। शिक्षकों ने कहा कि कभी पानी में घुसकर तो कभी कीचड़ में घुसकर स्कूल तक पहुंचते हैं और बच्चों को शिक्षा देते हैं। समय पर स्कूल पहुंचना होता है, वरना उनकी हाजिरी कट जाती है। ध्यान रहे कि नाव के इंतजार में उन्हें अक्सर दो-दो घंटे की देरी हो जाती है। लेकिन सीमांचल और पूर्णिया में शिक्षकों को रोजाना इस समस्या का सामना करना पड़ता है।दुख की बात यह है कि सरकार, स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन सब आंखें मूंदे बैठे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक अगर यह पुल बन जाता है तो इस इलाके के लाखों लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। लेकिन किसी को कोई परवाह नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि इस खाड़ी पुल के निर्माण के लिए उन्होंने कई बार आंदोलन किए। किशनगंज के सांसद मोहम्मद जावेद, अमौर के विधायक अख्तरुल ईमान और जदयू नेता मास्टर मुजाहिद ने भी कई बार आश्वासन दिया, लेकिन पुल आज तक नहीं बना। लिहाजा वे लोग यहां नाव से ही आवागमन करते हैं। कई बार वे लोग दुर्घटना का भी शिकार हो जाते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी तो शिक्षकों को होती है, जिन्हें समय पर स्कूल पहुंचना होता है। लेकिन नाव की वजह से वे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते हैं।

लोगों का कहना है कि अगर यह पुल बन जाता है तो अमौर से लेकर अनगढ़ और किशनगंज तक आवागमन का रास्ता आसान हो जाएगा। लाखों लोगों को इससे फायदा होगा। यह हालात सिर्फ अमौर के खाड़ी महीनगांव का ही नहीं है।

बल्कि पूर्णिया जिले में कई ऐसे इलाके हैं जहां आजादी के 77 साल बाद भी लोगों को अपनी जान जोखिम में डालकर नाव के सहारे आना-जाना पड़ता है। खासकर बाढ़ प्रभावित बायसी अनुमंडल में लोगों के लिए यह नियति बन चुकी है। सबसे बुरा हाल उन शिक्षकों का है जिसको प्रतिदिन ड्यूटी करनी होती है। भले ही उनकी जान क्यों ना चली जाए। इससे न तो सरकार को मतलब है ना ही प्रशासन को और ना ही जनप्रतिनिधि को।

संक्षिप्त खबरें

'2025 तक भारत से 20 अरब डॉलर निर्यात का लक्ष्य' दुनिया की शीर्ष ई-कॉर्मस कंपनी का अनुमान

नई दिल्ली। दुनिया की अग्रणी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने इस साल के अंत तक भारत से 13 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके अमेजन ग्लोबल सेलिंग कार्यक्रम को 2015 में लॉन्च किया गया था। इससे अब तक 1.50 लाख निर्यातक जुड़े हैं। ये सभी पूरी दुनिया में 40 करोड़ से ज्यादा मेड इन इंडिया उत्पादों को अमेजन के जरिये बेचते हैं।

सर्वाधिक निर्यात वाले देश और भारत के राज्य

अमेजन ने बृहस्पतिवार को कहा, जिन देशों को सर्वाधिक निर्यात हो रहा है, उनमें अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरबिया, कनाडा, जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर सहित अन्य देश हैं। जिन राज्यों से अमेजन के सबसे अधिक निर्यातक हैं उनमें महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक हैं।

2025 तक भारत से 20 अरब डॉलर का ई-कॉमर्स निर्यात का लक्ष्य

सालाना आधार पर निर्यात में सबसे ज्यादा वृद्धि ब्यूटी, अपैरल, हेल्थ एवं पर्सनल केयर और खिलौने हैं। अमेजन इंडिया के ग्लोबल ट्रेड निदेशक भूपेन वाकनकर ने कहा, हमारे इस कार्यक्रम से देश के छोटे मझोले कारोबारियों का जीवन बदल गया है। वे पूरी दुनिया में मेड इन इंडिया उत्पाद बेच रहे हैं। कंपनी 2025 तक भारत से 20 अरब डॉलर का ई-कॉमर्स निर्यात का लक्ष्य रखी है।

यूपी के ये छोटे शहर निर्यातक के रूप में उभरे

अमेजन ने कहा, उत्तर प्रदेश के छोटे शहर निर्यातक के रूप में उभर रहे हैं। इनमें लखनऊ, कानपुर, गौतमबुद्ध नगर, मोरादाबाद, गाजियाबाद, मेरठ और आगरा जैसे शहर हैं। यहां पर 14,000 से ज्यादा छोटे कारोबारियों को अमेजन के कार्यक्रम से लाभ मिला है। हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत, यमुना नगर, अंबाला और कुरुक्षेत्र में 8,000 कारोबारी निर्यातक बने हैं। उत्तराखंड में देहरादून, हरिद्वार, उधम सिंह नगर में 6,000 निर्यातकों को फायदा मिला है।

सीबीआई की याचिका पर चंदा कोचर और उनके पति को नोटिस, आईसीआईसीआई बैंक-वीडियोकॉन ऋण मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर और उनके व्यवसायी पति दीपक कोचर से बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें उनकी गिरफ्तारी को अवैध बताया गया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने दोनों को नोटिस जारी किया और एजेंसी द्वारा दायर अपील पर उनसे जवाब मांगा।

हाईकोर्ट ने 6 फरवरी को उनकी गिरफ्तारी को अवैध करार दिया था, जबकि मामले में उनकी गिरफ्तारी के तुरंत बाद दोनों को जमानत देने वाले एक अन्य पीठ द्वारा जनवरी 2023 के अंतरिम आदेश की पुष्टि की थी।

दंपति को वीडियोकॉन-आईसीआईसीआई बैंक ऋण मामले में सीबीआई ने 23 दिसंबर, 2022 को गिरफ्तार किया था।

टाइम ने 100 लोगों की एआई 2024 सूची जारी की, भारत से अश्विनी वैष्णव व अनिल कपूर के साथ ये नाम

नई दिल्ली टाइम मैगजीन ने एआई के मामले में सबसे प्रभावशाली 100 लोगों की सूची जारी की है। इस सूची में कई भारतीय नाम शामिल हैं। सूची में सबसे उल्लेखनीय नाम गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला का है। प्रमुख भारतीय हस्तियों में अश्विनी वैष्णव, नंदन नीलेकणि और अभिनेता अनिल कपूर के भी नाम हैं।

अश्विनी वैष्णव के बारे में टाइम ने लिखा, "वैष्णव के नेतृत्व में, देश (भारत) अगले पांच वर्षों में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए शीर्ष पांच देशों में से एक बनने की उम्मीद में है। यह आधुनिक एआई सिस्टम के लिए एक प्रमुख घटक है। भारत में इसके लिए कई कारखानों पर निर्माण शुरू हो गया है।

टाइम ने बताया है कि वैष्णव को इन महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत का तकनीकी क्षेत्र कम निजी आरएंडडी निवेश और उन्नत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र की कमी से जूझ रहा है। इसकी शैक्षिक प्रणाली भी अत्याधुनिक एआई और सेमीकंडक्टर विकास के लिए आवश्यक विशेषज्ञ कार्यबल का उत्पादन करने के लिए आगे बढ़ रही है।

इस सूची में प्रोटॉन के उत्पाद प्रमुख अनंत विजय सिंह और अमेजन के आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रमुख वैज्ञानिक रोहित प्रसाद भी शामिल हैं।

अनिल कपूर का नाम भी इस सूची में शामिल है, क्योंकि टाइम ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने "सितंबर में नई दिल्ली उच्च न्यायालय में उनकी तस्वीर के अनधिकृत एआई उपयोग के मामले में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। अनिल कपूर की जीत ने अन्य लोगों के लिए भी अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की राह खोली है।

इजरायली कंपनी के साथ सेमीकंडक्टर बनाएगा अडानी ग्रुप, महाराष्ट्र सरकार ने दी मंजूरी

महाराष्ट्र। सरकार से अडानी ग्रुप के एक बड़े प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल गई है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़े फैसले में सीएम एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में उद्योगों पर महाराष्ट्र कैबिनेट उप-समिति ने गुरुवार को 1.17 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश वाली चार प्रमुख प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी। इसमें इजराइल के टॉवर सेमीकंडक्टर और अडानी ग्रुप द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित की जाने वाली सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग प्रोजक्ट भी शामिल है। रायगढ़ जिले के पनवेल में स्थापित होने वाले प्रोजेक्ट में कुल 84,947 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इससे 15,000 लोगों को नौकरी मिलने की उम्मीद है। उप-समिति ने दो इलेक्ट्रिक वाहन (एइ) मैन्यूफैक्चरिंग प्रोजेक्ट और एक कपड़ा संयंत्र को भी मंजूरी दी। यह घोषणा वेदांता-फॉक्सकॉन द्वारा सितंबर 2022 में पुणे के पास तालेगांव चरण क्श में सेमीकंडक्टर प्लांट में अपने 1.54 लाख करोड़ रुपये के निवेश को रद्द करने के दो साल बाद की गई है। 29,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि पनवेल, पुणे, मराठवाड़ा और विदर्भ में फैली 4 परियोजनाओं से 29,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। सरकार की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, टावर सेमीकंडक्टर कंपनी और अडानी ग्रुप संयुक्त रूप से पनवेल (जिला रायगढ़) में सेमीकंडक्टर बनाने की एक मेगा प्रोजेक्ट शुरू करेंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि रेमंड लग्जरी कॉटन्स नंदगांवकर पेठ, अमरावती में कताई, सूत रंगाई और जूट और कपास की बुनाई के लिए एक फैसिलिटी विकसित करने के लिए 188 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

कांग्रेस ने सेबी प्रमुख पर 'हितों के टकराव' का आरोप लगाया, पीएम से पूछा- कार्रवाई क्यों नहीं हो रही?

नई दिल्ली कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक बार फिर सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सेबी अध्यक्ष अपने पद पर रहते मुंबई स्थिति अपनी एक संपत्ति के एवज में किराया वसूल रही हैं। यह संपत्ति ऐसी कंपनी को किराए पर दिया गया है, जिसकी पैतृक कंपनी के खिलाफ लगे आरोपों की जांच शेयर बाजार नियामक सेबी कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह हितों के टकराव का मामला है। यह साफ तौर पर भ्रष्टाचार है। कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बुच दंपती ने मुंबई की अपनी एक संपत्ति कैरोल इंफो सर्विसेज लिमिटेड को लाखों रुपये के किराए पर दी। इस साल सेबी प्रमुख रहते हुए भी उस संपत्ति से 46 लाख रुपये से अधिक का किराया लिया गया। कैरोल इंफो सर्विसेज लिमिटेड वोकार्ट लिमिटेड से जुड़ी कंपनी है।

दोनों कंपनियों के प्रमोटर एक ही हैं। वोकार्ट वो कंपनी है, जिस पर लगे आरोपों की जांच सेबी कर रही है। वोकार्ट पर इनसाइडर ट्रेडिंग के भी आरोप लगे हैं। ऐसे में यह पूरी तरह से हितों के टकराव का मामला है। यह पूरी तरह से भ्रष्टाचार का मामला है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि सब कुछ साफ है फिर भी वे कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे?

कांग्रेस नेता ने कहा कि सेबी चेयरपर्सन माधबी बुच जी से जुड़ा ये मामला बेहद गंभीर है। हमें हर दिन इस मुद्दे से जुड़ी नई-नई जानकारियां मिल रही हैं। देश के करोड़ों लोग सेबी पर विश्वास करते हैं। अगर इस पर सवालिया निशान खड़े हो गए तो जनता के निवेश पर सवालिया निशान लग जाएगा। वहीं इस देश का प्रधानमंत्री, देश के साख की चिंता नहीं कर रहा- ये हमारी सबसे बड़ी चिंता है।

कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि यह सवाल वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा जाना चाहिए और किसी और से नहीं कि पूंजी बाजार नियामक के मामले में पारदर्शिता और ईमानदारी के पतन को दिखाने के लिए और कितने सबूतों की आवश्यकता है। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, अब 10 करोड़ भारतीय ऐसे हैं जिनके पास पैन हैं और जिनका इस बाजार में किसी न किसी रूप में निवेश है। क्या वे इससे बेहतर के हकदार नहीं हैं? पीएम आगे क्यों नहीं बढ़ रहे? उन्हें किस बात का डर है?"

कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि 2018 और 2024 के बीच, माधबी पुरी बुच के भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य और बाद में अध्यक्ष रहते हुए बुच दंपती वॉकहार्ट लिमिटेड से संबद्ध कंपनी "कैरोल इन्फो सर्विसेज लिमिटेड" से 2.16 करोड़ रुपये किराया प्राप्त किया। उन्होंने दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वॉकहार्ट लिमिटेड की 2023 के दौरान इनसाइडर ट्रेडिंग सहित विभिन्न मामलों के लिए सेबी द्वारा जांच की जा रही थी। खेड़ा ने जोर देकर कहा कि यह भ्रष्टाचार का एक सीधा मामला था जो हितों के टकराव को बढ़ावा देता है, जो सेबी के 2008 के कोड की धारा 4, 7 और 8 का उल्लंघन करता है।

कांग्रेस नेता ने पूछा, "सेबी अध्यक्ष की नियुक्ति 2 मार्च, 2022 को कैबिनेट की नियुक्ति समिति द्वारा की गई थी, जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री हैं। क्या उनकी नियुक्ति इस शर्त पर की गई थी कि वह अपने पिछले वित्तीय संबंधों को बनाए रख सकती हैं, बशर्ते कि वह प्रधानमंत्री और उनके करीबी सहयोगियों की इच्छा के अनुसार काम करें?"

पीएसी नियामकीय निकायों के प्रदर्शन की करेगी समीक्षा, बुच को तलब करने पर होगा फैसला...सेबी की चेयरपर्सन माधबी बुच के खिलाफ हितों के टकराव के आरोपों पर मचे राजनीतिक बवाल के बीच संसद की लोक लेखा समिति ने संसदीय अधिनियमों के तहत स्थापित नियामकीय निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा करने का फैसला किया है। लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने कहा कि समिति बुच को उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए बुलाने पर फैसला करेगी। वेणुगोपाल ने सेबी चेयरपर्सन को पीएसी के समक्ष बुलाने के बारे में पूछे गए सवालों पर कहा, "बाकी चीजों पर समिति को फैसला लेना है। उन्होंने कहा कि सदस्यों ने संसद के अधिनियमों के आधार पर स्थापित नियामकों के प्रदर्शन की समीक्षा सहित विभिन्न विषयों का सुझाव दिया।

वेणुगोपाल ने कहा, सदस्यों ने ये चीजें सुझाईं और हमने उन्हें (एजेंडे में) शामिल किया। समिति की ओर से स्वतः संज्ञान से चुने गए विषयों में संसद के अधिनियमों द्वारा स्थापित विनियामक निकायों के प्रदर्शन की समीक्षा, बैंकिंग और बीमा क्षेत्र में सुधार, केंद्र प्रायोजित कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा, ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन के लिए चल रहे नीतिगत उपाय और सार्वजनिक अवसंरचना और अन्य सार्वजनिक उपयोगिताओं पर शुल्क, टैरिफ, उपयोगकर्ता शुल्क लगाना और उनका विनियमन शामिल हैं। पीएसी ने अपने कार्यकाल के दौरान जांच के लिए 161 विषयों का चयन किया है, इसके अलावा पिछले वर्ष से समिति के समक्ष लंबित मामले भी हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.3 अरब डॉलर बढ़कर 683.987 अरब डॉलर

नई दिल्ली भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 2.299 अरब डॉलर बढ़कर 683.987 अरब डॉलर के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया।

शुक्रवार को आरबीआई की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पिछले समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 7.023 अरब डॉलर बढ़कर 681.688 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

आंकड़ों के अनुसार 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां, जो भंडार का एक प्रमुख घटक हैं, 1.485 अरब डॉलर बढ़कर 599.037 अरब डॉलर हो गईं।

डॉलर के संदर्भ में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 86.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 61.859 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 90 लाख डॉलर बढ़कर 18.468 अरब डॉलर हो गए। शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ में भारत की आरक्षित स्थिति 58 लाख डॉलर घटकर 4.622 अरब डॉलर रह गई।

सुप्रीम कोर्ट : बायजू के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही से जुड़ी याचिका सूचीबद्ध करने पर सहमति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एनसीएलएटी के एक फैसले के खिलाफ अमेरिका स्थित लेनदार ग्लास ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की अपील को जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति दे दी। एनसीएलएटी ने एड-टेक फर्म बायजू के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और बीसीसीआई के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाया निपटान को मंजूरी दे दी थी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ से एड-टेक प्रमुख की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एनके कौल ने आग्रह किया कि मामले की जल्द से जल्द सुनवाई की जरूरत है। कौल ने कहा, "केवल प्रमोटरों द्वारा फंडिंग की गई थी और आज किसी ने कोई बाहरी उधार नहीं लिया है। हमें आज यह दिखाना होगा कि

(अमेरिकी फर्म की) याचिका कितनी दुर्भावनापूर्ण है।"

अमेरिका स्थित लेनदार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वह भी शीघ्र सुनवाई चाहते हैं। इससे पहले 22 अगस्त को पीठ ने यह सुनिश्चित करने के लिए अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था कि लेनदारों की समिति (सीओसी) संकटग्रस्त एड-टेक फर्म के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही की दिशा में कोई बैठक नहीं करेगी। इसने याचिका को अंतिम सुनवाई के लिए 27 अगस्त को सूचीबद्ध किया था। पीठ ने कहा था कि इस बीच होने वाले घटनाक्रमों को नकारा जा सकता है यदि उसे लगता है कि अपीलीय दिवाला न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के फैसले के खिलाफ अमेरिका स्थित लेनदार की अपील में कोई योग्यता नहीं है।

इस याचिका का उल्लेख पहले 20 अगस्त को बायजू और बीसीसीआई द्वारा भी किया गया था और शीर्ष अदालत ने तब भी एड-टेक फर्म के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही में लेनदारों की समिति (सीओसी) का गठन करने से दिवाला समाधान पेशेवर (आईआरपी) को रोकने के लिए अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था।

बायजू को बड़ा झटका देते हुए शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को एनसीएलएटी के फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें एड-टेक प्रमुख के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही को रद्द कर दिया गया था और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाये के निपटान को मंजूरी दे दी थी। एनसीएलएटी का 2 अगस्त का फैसला बायजू के लिए बड़ी राहत लेकर आया था क्योंकि इसने प्रभावी रूप से इसके संस्थापक बायजू रवींद्रन को फिर से नियंत्रण में ला दिया था। हालांकि, शीर्ष अदालत ने एनसीएलएटी के फैसले को प्रथम दृष्टया अनुचित करार दिया और दिवालियेपन अपीलीय न्यायाधिकरण के फैसले के खिलाफ एड-टेक फर्म के यूएस-आधारित लेनदार की अपील पर बायजू और अन्य को नोटिस जारी करते हुए इसके संचालन पर रोक लगा दी थी। यह मामला बीसीसीआई के साथ एक प्रायोजन सौदे से संबंधित 158.9 करोड़ रुपये के भुगतान पर बायजू के डिफॉल्ट से उपजा था। शीर्ष अदालत ने बीसीसीआई को निर्देश दिया था कि वह बायजू से निपटान के बाद प्राप्त 158 करोड़ रुपये की राशि को अगले आदेश तक एक अलग एस्क्रो खाते में रखे।

सोना 100 रुपये चढ़ा, चांदी 1200 रुपये मजबूत हुई

नई दिल्ली । अखिल भारतीय सरार्फा संघ के अनुसार शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत 1,200 रुपये बढ़कर 85,800 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जबकि सोना 100 रुपये मजबूत होकर 74,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली कीमती धातु 74,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। गुरुवार को पिछले सत्र में चांदी धातु 84,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

इसके अतिरिक्त, 99.9 और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 100-100 रुपये बढ़कर क्रमशः 74,200 रुपये और 73,850 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। व्यापारियों ने सोने की कीमतों में तेजी का श्रेय आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की बढ़ती मांग के साथ-साथ विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल को दिया।

वैश्विक स्तर पर कॉमेक्स सोना 0.22 प्रतिशत बढ़कर 2,548.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, "शुक्रवार को

सोने में तेजी जारी रही, क्योंकि अमेरिकी श्रम बाजार में सुस्ती दिखाने वाले आंकड़ों के एक और सेट के बाद अमेरिकी डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में गिरावट आई।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी भी 0.26 प्रतिशत बढ़कर 29.18 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के एवीपी - कमोडिटीज एंड करेंसीज मनीष शर्मा ने कहा, "हाल के सत्रों में जारी अमेरिकी नौकरियों के आंकड़ों ने मिश्रित रीडिंग दिखाई है, हालांकि इसने पुष्टि की है कि श्रम बाजार इतना ठंडा हो रहा है कि सितंबर की बैठक में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती पर विचार किया जा सकता है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में मजबूत मासिक वृद्धि के बाद, अगस्त में सोने ने एक और स्वस्थ लाभ दर्ज किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 3.6 प्रतिशत बढ़कर 2,513 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ।

जुलाई के अंत में भारत में सोने पर सीमा शुल्क में कटौती की गई, जिससे देश में सोने की मांग में बढ़ावा मिला है। इस कटौती के बाद आभूषण खुदरा विक्रेताओं के साथ-साथ उपभोक्ताओं की ओर से भी मजबूत खरीदारी की गई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के कमोडिटी रिसर्च के वरिष्ठ विश्लेषक मानव मोदी के अनुसार, इस सप्ताह कम नौकरियों के आंकड़ों के बाद, अब ध्यान शुक्रवार को जारी होने वाले सभी महत्वपूर्ण अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी दर के आंकड़ों पर है।

422 IT कंपनियों ने इस साल 1.36 लाख को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली मंदी की आशंका के बीच नौकरियों पर फिर संकट मंडराने लगा है।?लागत घटाने के लिए?दुनियाभर की 422 आईटी कंपनियों ने इस साल अब तक 1.36 लाख लोगों को नौकरी से निकाला है।?अकेले अगस्त में आईबीएम, इंटेल और सिस्को सिस्टम जैसी 40 आईटी कंपनियों ने 27,000 से ज्यादा लोगों की छंटनी की है।?छंटनी करने वालों में छोटे स्टार्टअप भी शामिल हैं।?

आंकड़ों के मुताबिक, अब तक की सबसे बड़ी चुनौती से जूझ रही इंटेल ने अगस्त में सबसे ज्यादा 15,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है।?यह छंटनी 2025 के लिए खर्च में 10 अरब डॉलर की कटौती की योजना का हिस्सा है। 2020 और 2023 के बीच कंपनी के सालाना राजस्व में 24 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इस दौरान कर्मचारियों की संख्या 10 फीसदी बढ़ गई थी।

सिस्को सिस्टम ने भी 6,000 या कुल कर्मचारियों के सात फीसदी की छंटनी की घोषणा की है। इस साल

कंपनी की यह दूसरी बड़ी छंटनी है। वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व साइबर सुरक्षा के साथ?टेक्नोलॉजी का लाभ उठाने के लिए पुनर्गठन कर रही है। सिस्को एआई स्टार्टअप में एक अरब डॉलर का निवेश करेगी।

आईबीएम करेगी 1,000 छंटनी...आईबीएम ने कहा, वह चीन के रिसर्च एवं डेवलपमेंट विभाग से 1,000 को निकालेगी। चीनी मीडिया ने कहा, आईटी हार्डवेयर की मांग में गिरावट और चीनी बाजार के भीतर विस्तार में कठिनाइयों के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया है।

चिप निमार्ता इन्फीनियॉन 1,400 लोगों को निकालेगी...जर्मनी की चिप निमार्ता इन्फीनियॉन 1,400 की छंटनी करेगी। इन कर्मचारियों को उन देशों में भेजा जाएगा, जहां लागत कम है। गो प्रो 140 लोगों को निकालेगी। एपल ने भी 100 छंटनी की है। डेल टेक्नोलॉजी के बारे में अफवाह है कि उसने 12,500 को निकाल दिया है। रेशामंडी ने सभी कर्मचारियों को निकाल दिया है। शेयरचैट ने भी 30-40 लोगों की छंटनी कर दी है।

मीशो के जरिये 8.5 लाख रोजगार मिले...ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो ने कहा, उसने त्योहारी सीजन से पहले विक्रेता और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के भीतर 8.5 लाख मौसमी रोजगार का सृजन किया है।?यह पिछले साल से 70 फीसदी अधिक है। कंपनी ने कहा, उसके विक्रेताओं ने त्योहारी सीजन के लिए पांच लाख लोगों को काम पर रखा है। लॉजिस्टिक वर्टिकल वाल्मो के साथ डेल्हीवरी, ईकॉम एक्सप्रेस और एक्सप्रेसबीज सहित तीसरे पक्ष के जरिये लगभग 3.5 लाख को काम दिया है। .इनडीड के अनुसार, छोटे शहरों में भी इस साल मौसमी नियुक्तियां 20 फीसदी बढ़ी हैं।मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई, दिल्ली और कोलकाता में पिछले वर्ष की तुलना में 18-20 फीसदी की वृद्धि हुई है।

बाजार में बड़ी गिरावट से 5 लाख करोड़ डूबे सेंसेक्स 1017 अंक टूटा, निफ्टी 24900 से नीचे

नई दिल्ली हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के बाद सेंसेक्स 1,017.23 (1.23%) अंक टूटकर 81,183.93 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 292.95 (1.17%) अंक फिसलकर 24,852.15 के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका में रोजगार के आंकड़े आने से पहले निवेशकों में बेचैनी दिखी। अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती के आकार और गति को निर्धारित कर सकते हैं। ऐसे में इससे आने वाले समय में बाजार का रुझान तय होगा।

सेंसेक्स शुक्रवार को 1100 अंकों तक टूटा...वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच घरेलू शेयर बाजार के भी सभी क्षेत्रों में बिकवाली देखी गई। शुक्रवार के कारोबारी सत्र के दौरान बीएसई सेंसेक्स 81,200 से नीचे फिसलकर 1,100 अंक से अधिक नीचे पहुंच गया। इस बीच, निफ्टी 50 भी 24,900 अंक से नीचे फिसल गया।

बीएसई का मार्केट कैप 5.3 लाख करोड़ रुपये कम हुआ...शुक्रवार के कारोबारी सत्र के बाद बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5.3 लाख करोड़ रुपये घटकर 460.35 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, इंफोसिस, आईटीसी, एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट से इंडेक्स धड़ाम हो गया।

सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान पर बंद हुए...सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी पीएसयू बैंक और ऑयल व गैस इंडेक्स में 2% से

अधिक की गिरावट आई। वहीं, ऑटो, बैंक, मीडिया, मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर 1% से तक टूटे। घरेलू स्तर पर केंद्रित स्मॉल-कैप इंडेक्स में 0.9% की गिरावट दिखी। मिड-कैप इंडेक्स 1.3% तक फिसल गया। एकल शेयरों में अशोका बिल्डकॉन के शेयरों के शेयर 6% तक चढ़े। इसकी सहायक कंपनी वीवा हाईवे ने पुणे की एक जमीन को बचेकर 453 करोड़ रुपये हासिल किए हैं, इसके बाद शेयरों में यह बढ़त आई।

शेयर बाजार को क्यों रास नहीं आया शुक्रवार?...अमेरिका में शुक्रवार को आने वाले प्रमुख अमेरिकी रोजगार आंकड़ों से पहले निवेशकों के बीच घबराहट दिखी। इससे इक्विटी बाजार पर नकारात्मक असर पड़ा। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने हाल ही में इस बात पर जोर दिया था कि नीति निमार्ता श्रम बाजार में और अधिक कमजोरी का स्वागत नहीं करेंगे। इससे सितंबर में संभावित दर कटौती की संभावना बन गई है। विश्लेषकों को नौकरियों में 165,000 की वृद्धि और बेरोजगारी दर में 4.2% की गिरावट की उम्मीद है। नौकरियों के कम अवसर और निजी क्षेत्र में कम लाभ के बाद बाजार की चिंता बढ़ी है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुस्ती की आशंका से चिंता में निवेशक...जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके विजयकुमार के अनुसार अगर आज अगस्त के रोजगार के आंकड़े उम्मीद से कमजोर रहते हैं तो फेड कम से कम ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। हालांकि बाजार इस संदेश को सकारात्मक ढंग से नहीं ले पा रहा जिस कारण इक्विटी बाजार में गिरावट दिख रही है। वृद्धि दर की चिंता और अमेरिकी अर्थव्यवस्था सुस्ती से पैदा हुई आशंकाएं बाजार पर भारी पड़ सकती हैं।

सेबी की समय सीमा के कारण बाजार में दिखी घबराहट...जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर के अनुसार आज घरेलू बाजार में एफआईआई डिस्कलोजर नॉर्म (ऋक्कर ऊरू'ङ्ग२४१ी ठङ्ग१) पर सेबी की समय सीमा (9 सितंबर) के कारण घबराहट दिखी। हालांकि उन्होंने कहा कि इससे दीर्घ अवधि में एफआईआई के लिए भारतीय बाजार के आकर्षण पर असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। शुक्रवार को वैश्विक बाजार भी अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल डेटा के जारी होने से पहले सतर्क रुख अपनाते दिखे। इसके अतिरिक्त, तेल की कीमतों में लगातार गिरावट 14 महीने के निचले स्तर पर और कमजोर नौकरी के अवसरों के आंकड़े निकट भविष्य में अमेरिका में मंदी की आशंकाओं को बढ़ा रहे हैं। कुल मिलाकर इन चीजों ने शुक्रवार को बाजार पर दबाव बढ़ाया।

कॉफी पीने से 30 प्रतिशत घटती है मौत की आशंका

हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार कॉफी पीने से मौत का खतरा 30 प्रतिशत कम हो जाता है। इसके साथ ही कॉफी पीने से तीव्र गुर्दे की चोट में भी फायदा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई का 15 प्रतिशत कम जोखिम था, जो कि पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई थी।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कॉफी पीने से मृत्यु की आशंका घटती है। एनल्स ऑफ इंटर्नल मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च का निष्कर्ष है कि जिन लोगों ने एक चम्मच शुगर के साथ डेढ़ से लेकर साढ़े तीन कप कॉफी प्रतिदिन पी थी, उन लोगों के कॉफी ना पीने वालों की तुलना में मरने का खतरा 30 प्रतिशत कम रहा। शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन में बड़े मेडिकल डेटा बेस यूके बायोबैंक से कॉफी पीने के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। उन्होंने सात वर्ष तक 37 से 73 वर्ष की आयु के बीच एक लाख 70 हजार लोगों की जीवनशैली, खानपान से सम्बन्धित जानकारी पर नजर डाली है।

शोध के अनुसार कैफीन युक्त और बिना कैफीन की कॉफी पीने वालों में मौत का खतरा कम पाया गया है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. क्रिस्टीना वी कहती हैं, ऐसी बहुत कम चीजें हैं जो मौत का खतरा 30 प्रतिशत घटाती हैं। पहले भी कई शोधों में कॉफी पीने से स्वास्थ्य को कई फायदों के संकेत मिले हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि नियमित रूप से कॉफी पीने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और यकृत रोग सहित पुरानी और अपक्षयी बीमारियों की रोकथाम के साथ जुड़ा हुआ है। कॉफी पीने से मृत्यु कम होने के साथ बुढ़ापे की बीमारी पार्किंसंस, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज, लिवर प्रोस्टेट कैंसर सहित कई बीमारियों की आशंका घटती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट अधिक होने से शरीर की कोशिकाओं का नुकसान रुकता या कम होता है।

दिमाग से लेकर इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी होता है विटामिन डी

विटामिन डी एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। जो हमारे दिमाग से लेकर इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी होता है। इसकी कमी होने से शरीर का कामकाज बिगड़ जाता है। धूप को इसका सबसे बढ़िया सोर्स माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह रास्ता काम नहीं करता है। जिसकी वजह से इस विटामिन की कमी होने लगती है।

विटामिन डी की कमी से होने वाले रोग?

यह विटामिन हड्डी, नाखून, दांत के लिए काफी जरूरी होता है। इसके कम होने पर हड्डी में दर्द, जोड़ हटना, मसल्स में दर्द, बार-बार बीमार पड़ना, ऑस्टियोपोरोसिस कैल्शियम की कमी, डिप्रेशन के लक्षण आदि परेशान कर सकते हैं। इसलिए इसे बॉडी में कभी कम ना होने दें।

धूप में क्यों नहीं रहते लोग?

धूप को विटामिन-डी का बेस्ट सोर्स माना जाता है। लेकिन कुछ जगह धूप बहुत कम आती है या फिर कुछ लोगों की स्किन इसे ढंग से ग्रहण नहीं कर पाती है। वहीं, सेंसिटिव स्किन के लोग भी धूप से दूर रहते हैं। ऐसे में इन लोगों के लिए विटामिन डी लेने का अकेला रास्ता फल, सब्जियां, जूस, सप्लीमेंट खाना बच जाता है।

विटामिन डी की कमी का इलाज मशरूम

शाकाहारी लोगों में मशरूम से विटामिन डी की कमी खत्म की जा सकती है। एक स्टडी के अनुसार

इंसानों की तरह मशरूम भी धूप से विटामिन डी बनाता है। जिसे खाकर फायदा उठाया जा सकता है।

दूध, पनीर, दही

दूध और उससे बने पनीर, दही आदि में कैल्शियम होता है। इसके साथ आपको काफी विटामिन डी मिलता है। ये दोनों पोषक तत्व हड्डियों, दांत और नाखून को मजबूत बनाने के काम आते हैं। आप पनीर की भुर्जी बनाकर भी खा सकते हैं।

विटामिन डी बढ़ाएं - अंडा

प्रोटीन से भरा अंडा विटामिन डी भी देता है। इसके पीले हिस्से में फैटी एसिड, फैट और विटामिन डी होता है। आप इसे खाकर विटामिन डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

विटामिन डी फल फोर्टिफाइड फूड

कुछ खाद्य पदार्थों में विटामिन डी अलग से डाला जाता है। आप मार्केट से संतरे का जूस, सीरियल, ओटमील, दूध आदि खरीद सकते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल विटामिन डी डला हुआ हो।

हार्मोनल इंबैलेंस से जुड़ी दिक्कतें दूर करता है कपालभाति

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को योग का खजाना कहा जाता है। इसे करने से न सिर्फ हार्मोनल इंबैलेंस बल्कि पाचन से जुड़ी कई दिक्कतें भी दूर हो सकती हैं। ऐसी ही एक एक्सरसाइज का नाम है कपालभाति। आइए जानते हैं कपालभाति प्राणायाम करने से शरीर को मिलते हैं कौन से फायदे।

डाइजेस्टिव सिस्टम को बनाएं मजबूत

कपालभाति डाइजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाकर गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याओं में भी राहत देता है।

दिल के लिए अच्छा

कपालभाति प्राणायाम फेफड़ों, स्प्लीन, लीवर, पैनक्रियाज के साथ-साथ दिल के कार्य में सुधार करता है। यह न केवल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है बल्कि धमनी के अवरोध को दूर करने में भी मददगार है।

नर्वस सिस्टम

यह नवर्स सिस्टम यानि तंत्रिका तंत्र के लिए भी बहुत अच्छा प्राणायाम माना जाता है। इसे करते समय होने वाली पंपिंग से ब्रेन के सेल्स में ऑक्सीजन का लेवल बढ़ जाता है। कई महिलाओं को कपालभाति करते समय बीच में उबासी आती है। उबासी आने का मतलब यह है कि ब्रेन के सेल्स बहुत थके हुए हैं और जब ऑक्सीजन जाता है तब वह रिलैक्स हो जाते हैं।

हार्मोंस बैलेंस

यह रिप्रोडक्टिव सिस्टम के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसके नियमित अभ्यास करने से ब्लड की सप्लाई यूट्रस, फैलोपियन ट्यूब और ओवरीज में बढ़ती है, जहां पर साफ-सफाई का काम हो जाता है। जैसे कि पीसीओडी होने पर सिस्ट बन जाते हैं। यह सिस्ट हार्मोनल इंबैलेंस के कारण बनते हैं। लेकिन जब कपालभाति प्राणायाम किया जाता है तब इससे हार्मोंस बैलेंस होते हैं।

ग्लोइंग त्वचा

कपालभाति शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है। जिससे आपकी त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार होता है और त्वचा ग्लोइंग बनती है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर का पक्का इलाज है अनार

धरती पर विभिन्न तरह के फल पाए जाते हैं और हर फल के अपने अलग-अलग फायदे हैं। फलों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं। फलों के नियमित से विभिन्न बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। ऐसा ही एक जबरदस्त फल है अनार, जिससे सेहत को अनगिनत फायदे मिलते हैं। हार्वर्ड मेडिकल एक्सपर्ट्स इस बात पर चिंता जाहिर करते हैं कि अमेरिका में बहुत से लोगों को अनार के बारे में नहीं पता है और न ही खाया है।

क्लीवलैंड क्लिनिक की डाइटीशियन जूलिया जम्पानो ने बताया है कि अनार में न सिर्फ कम कैलोरी होती है बल्कि विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर यह फल कई रोगों का इलाज कर सकता है। एक अध्ययन में हार्वर्ड के डॉक्टरों ने भी माना है कि अनार एक एक शक्तिशाली फल है, जिसे खाने और इसका रस पीने से हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर और दिल से जुड़े रोगों से बचने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं कि रोजाना अनार खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट और कैंसर से लड़ने वाले गुण

जम्पानो कहती हैं कि अनार में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो कोशिकाओं को विषाक्त पदार्थों से बचाने में मदद करते हैं और डीएनए को डैमेज होने से बचाते हैं, जिससे कैंसर हो सकता है।

गंदे कोलेस्ट्रॉल को करता है बाहर

हार्वर्ड की रिपोर्ट बताती है कि अध्ययनों से पता चलता है कि अनार का रस हानिकारक एलडीएल यानी गंदे कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन को बनाता है मजबूत

अनार की फाइबर सामग्री पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करती है। आपको इसका रस पीने के बजाय पूरा फल खाना चाहिए। आधा कप अनार के दानों में 72 कैलोरी, 35 ग्राम फाइबर और 12 ग्राम शुगर होती है।

प्रोस्टेट को रखता है दुरुस्त

अनार के रस को प्रोस्टेट कैंसर वाले पुरुषों में प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन लेवल को स्थिर करने के लिए जाना जाता है। कुछ शोधों में पाया गया है कि अनार के रस में मौजूद घटक कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को बढ़ावा देने वाले रासायनिक तत्वों को कमजोर करके उनकी गति को रोकने में मदद कर सकते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

अनार के लाल दानों में मौजूद एलाजिक एसिड और एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट यौगिक हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर सकते हैं । इतना है नहीं यह धमनी की दीवारों पर जमा फैट, कोलेस्ट्रॉल और अन्य गंदे पदार्थों को हटा सकते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को बंद करते हैं। एक दिन में एक कप अनार का रस पीने से दिल को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

घातक रोग का लक्षण हो सकता है हाथ पैर की झनझनाहट

पहले लोगों को तंबाकू के सेवन से कैंसर होता था लेकिन अब तंबाकू के अधिक सेवन से एक दुर्लभ बीमारी की पहचान हो गई है। इस बीमारी का नाम है बुर्जर रोग। बुर्जर की बीमारी को थ्रोम्बोआंगाइटिस ओब्लिटरन्स भी कहा जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें हाथों और पैरों की रक्त वाहिकाएं सूज जाती हैं और बाद में यह ब्लॉक हो जाती हैं।

नसों के ब्लॉक होने से हाथ-पैर की उंगलियों तक खून की सप्लाई रुक जाती है। ऐसा होने से आपके हाथ-पैरों में झनझनाहट या सुन्नता महसूस हो सकती है। आपको उंगलियों में पीलापन नजर आ सकता है। यह ऐसी खतरनाक बीमारी है जिसमें उंगलियां काम करना बंद कर देती हैं और किसी काम की नहीं रहती हैं। ऐसा माना जाता है कि यह बीमारी उन लोगों को ज्यादा होती है, जो स्मोकिंग करते हैं। जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

क्या है बुर्जर की बीमारी

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

बुर्जर की बीमारी के कारण

ऐसा माना जाता है कि स्मोकिंग करने वालों में बुर्जर रोग विकसित होने का सबसे अधिक खतरा होता है। यह रोग भांग और तंबाकू का सेवन करने वालों में पाया गया है। यह एक दुर्लभ विकार है जो उन देशों में कम देखा गया है, जिन देशों में तंबाकू का कम सेवन किया जाता है।

बुर्जर की बीमारी के संकेत और लक्षण

चलने से आपके निचले पैरों या पैरों में दर्द या जलन होना
आपके हाथों या कलाइयों में दर्द या झनझनाहट
रक्त में थक्के
हाथ-पैर की उंगलियों पर अल्सर
हाथ-पैर की उंगलियों पर त्वचा के रंग में पीला, लाल और कभी-कभी नीला पड़ जाना

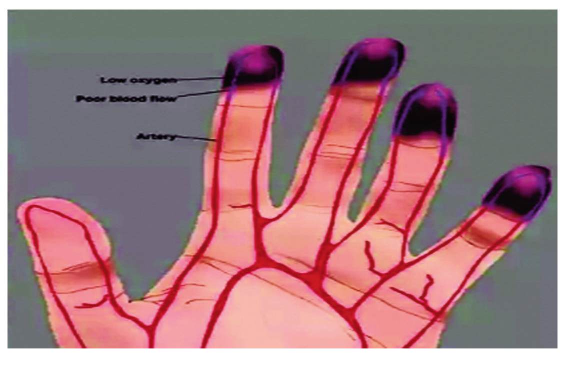

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने प्रतिष्ठित डायमंड लीग की 14 सीरीज के बाद समग्र तालिका में चौथे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

डायमंड लीग का फाइनल 13 और 14 सितंबर को ब्रुसेल्स में होगा। इस प्रतियोगिता के साथ ही एथलेटिक्स में इस सत्र का समापन भी होगा। चोपड़ा डायमंड लीग के दोहा और लुसाने चरण में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने कुल 14 अंक अर्जित किए। उन्होंने गुरुवार को ज्यूरिख में आखिरी सीरीज में भाग नहीं लिया था।

यह 26 वर्षीय खिलाड़ी चेक गणराज्य के तीसरे नंबर पर रहने वाले जैकब वाडलेच से दो अंक पीछे रहे। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मन स्टार जूलियन वेबर क्रमशः 29 और 21 अंकों के साथ शीर्ष दो स्थानों पर रहे। ज्यूरिख प्रतियोगिता में पीटर्स ने वेबर को पीछे छोड़ दिया था।

तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा इस सत्र में फिटनेस से जूझ रहे थे।

हरियाणा के खिलाड़ी ने कहा है कि ओलंपिक खेलों से पहले से ही उनकी कमर की चोट उन्हें परेशान कर रही है जो 90 मीटर का आंकड़ा छूने की उनकी राह में बाधा बन रही है। चोपड़ा डायमंड लीग के लुसाने चरण में पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। पीटर्स ने तब 90.61 मीटर थ्रो किया था। पेरिस ओलंपिक में पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

चोपड़ा ने पिछले महीने अपनी आगे की योजना के बारे में कहा था,सबसे पहले मुझे चिकित्सक के पास जाकर अपनी कमर को पूरी तरह से फिट बनाना है। मुझे अपनी तकनीक पर भी काम करना है जिसके बाद मैं दूर तक फेंकने की कोशिश करूंगा।

चोपड़ा ने 2022 और 2023 में डायमंड लीग के लुसाने चरण में जीत दर्ज की थी। वह पिछले साल अमेरिका के यूजीन में खेले गए डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे थे।

डायमंड लीग के फाइनल के विजेता को प्रतिष्ठित डायमंड ट्रॉफी, 30000 अमेरिकी डॉलर और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए वाइल्ड कार्ड मिलता है। इस फाइनल के साथ ही चोपड़ा इस सत्र का समापन भी करेंगे।

विक्रम राठौड़ और रंगना हेराथ न्यूजीलैंड कोचिंग स्टाफ में शामिल

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ और श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज रंगना हेराथ को अफगानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले शुक्रवार को न्यूजीलैंड के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया।

न्यूजीलैंड दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका जाने से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलेगा। न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच होने वाला एकमात्र टेस्ट मैच नौ से 13 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की टीम को अक्टूबर-नवंबर में भारत के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला भी खेलनी है। हेराथ को अफगानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड का स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। राठौड़ केवल अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए न्यूजीलैंड की टीम के साथ रहेंगे।

राठौड़ इससे पहले राहुल द्रविड़ की अगुवाई वाले भारतीय कोचिंग स्टाफ में बल्लेबाजी कोच के रूप में शामिल थे। इस साल जून में भारत की टी20 विश्व कप में जीत के बाद उनका कार्यकाल समाप्त हो गया था।

टीम से बढ़कर, एक परिवार है पुरानी दिल्ली 6: ईशांत शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने दिल्ली प्रीमियर लीग में पुरानी दिल्ली 6 टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर अपनी खुशी व्यक्त की है। फिलहाल सेंट्रल दिल्ली लायंस को हराकर दिल्ली 6 सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। हालांकि ईशांत ने टूनार्मेंट में बॉलिंग तो नहीं की है, लेकिन टीम को एक परिवार की तरह संजोए हुए हैं और लगातार उनका मार्गदर्शन करते चले आ रहे हैं।

ईशांत ने कहा, दुर्भाग्यवश मैं प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हूं, लेकिन जिस तरह से टीम प्रदर्शन कर रही है वह अदभुत है। लड़के जिस तरह खेल रहे हैं और एक दूसरे का साथ निभा रहे हैं, मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा ये टीम नहीं एक परिवार है। साथ ही टीम के मालिक आकाश नांगिया जिस तरह से टीम के हर सदस्य के लिए खड़े रहते हैं और मदद करते हैं वह वास्तव में सराहनीय है। पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो गेम जीतकर दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार वापसी की है। लीग के दौरान ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने लगातार दो गेम जीते हों।

ईशांत ने कहा, ऐसे ही फोकस बनाए रखें और उसी जुनून और एकता के साथ खेलना जारी रखें जो उन्हें यहां तक लाया है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने इस परिवार को बस यही सलाह दूंगा कि छोटी से छोटी बारीकी पर विशेष ध्यान दो, दिल से खेलो और भूल जाओ की तुम्हारे सामने कौन सा बल्लेबाज या गेंदबाज खड़ा है अगर ऐसा कर पाए तो तुम्हे विजेता बनने से कोई नहीं रोक सकता।

पुरानी दिल्ली 6 टीमः ललित यादव, ईशांत शर्मा, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, ऋषभ पंत, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भड़ाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छिकारा, अर्नव बुग्गा, वंश बेदी, मंजीत, यश भारद्वाज, संभव शर्मा, लक्ष्मण।

कपिल परमार ने पैरालंपिक जूडो में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता, भारत के 25 पदक

पेरिस, एजेंसी। दृष्टिबाधित कपिल परमार ने बृहस्पतिवार को यहां जे1 60 किग्रा पुरुष पैरा जूडो स्पर्धा में भारत को जूडो में पहला पैरालंपिक पदक दिलाया जिससे देश के प्रेरणादायी पैरा खिलाड़ियों ने 25 पदक जीतने का अपना लक्ष्य हासिल किया और इसमें इजाफा करने की राह पर बने हुए हैं। पदार्पण कर रहे परमार ने ब्राजील के एलिल्टोन डि ओलिवेरा के खिलाफ शुरू से ही दबदबा बनाकर रिकॉर्ड 10-0 की जीत से कांस्य पदक जीता। इससे परमार ने खुद के और देश के लिए ऐतिहासिक पोडियम स्थान हासिल किया। भारत के पदकों की संख्या 25 तक पहुंच गयी है जिसमें नौ स्वर्ण, नौ रजत और 11 कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय पैरालंपिक समिति ने इन खेलों से पहले कम से कम 25 पदक जीतने की उम्मीद जताई थी और यह लक्ष्य पूरा हो चुका है। इससे यहां पैरा खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीदों से अधिक रहेगा। हालांकि दोहरी संख्या में स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद पूरी नहीं हो सकी।

परमार (24 वर्ष) इससे पहले सेमीफाइनल ए में ईरान के एस

बनिताबा खोर्रम अबादी से 0-10 से पराजित हो गये। पैरा जूडो में जे1 वर्ग में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जो दृष्टिबाधित होते हैं या फिर उनकी कम दृष्टि होती है।

परमार ने 2022 एशियाई खेलों में इसी वर्ग में रजत पदक जीता था। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में वेनेजुएला के मार्को डेनिस ब्लांको को 10-0 से शिकस्त दी थी। परमार को दोनों मुकाबलों में एक एक पीला कार्ड मिला।

वहीं महिलाओं के 48 किग्रा जे2 वर्ग के क्वार्टरफाइनल में भारत की कोकिला को कजाखस्तान की अकमारल नौटबेक से 0-10 से हार का सामना करना पड़ा।

फिर रेपेशेज ए के जे2 फाइनल में कोकिला को यूक्रेन की यूलिया इवानित्स्का से 0-10 से हार मिली। इसमें उन्हें तीन जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी को दो पीले कार्ड मिले। जूडो में पीले कार्ड मामूली उल्लघंन के लिए दिये जाते हैं।

जे2 वर्ग में आंशिक दृष्टि वाले खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।

परमार मध्य प्रदेश के शिवोर नाम के एक छोटे से गांव से हैं। बचपन में परमार के साथ एक दुर्घटना हुई थी। जब वह अपने गांव के खेतों में खेल रहे थे और गलती से पानी के पंप को छू लिया जिससे उन्हें बिजली का जोरदार झटका लगा। बेहोश परमार को अस्पताल ले जाया गया और वह छह महीने तक कोमा में रहे।

वह चार भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे हैं। परमार के पिता टैक्सी चालक हैं जबकि उनकी बहन एक प्राथमिक विद्यालय चलाती है। इस असफलता के बावजूद परमार ने जूडो के प्रति अपने जुनून को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने मेंटोर और कोच भगवान दास और मनोज की बदौलत जूडो में अपने जुनून को आगे बढ़ाना जारी रखा।

परमार जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने भाई ललित के साथ मिलकर एक चाय की दुकान चलाते। ललित उनकी प्रेरणा का स्रोत हैं और आज भी उनकी वित्तीय सहायता का मुख्य स्रोत हैं।

निशानेबाजी में सिमरन टी10 100 मीटर फाइनल में :

भारतीय धाविका सिमरन ने अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखते हुए महिला टी12 वर्ग की 100 मीटर रेस के सेमीफाइनल में 12.33 सेकेंड के समय से फाइनल में जगह बनाई। नई दिल्ली की 24 वर्षीय मौजूदा विश्व चैम्पियन सिमरन दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी की कैटरीन म्यूलर रोटगार्ड के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

मनोलो के मुख्य कोच बनने से भारत फीफा रैंकिंग में आगे बढ़ना शुरू कर देगा: ओवेन कोयल

कोच्चि, एजेंसी। कई लोग तब हैरान रह गए जब केरला ब्लास्टर्स ने मुख्य कोच इवान वुकोमानोविक से अलग होने का फैसला किया, जो अपनी टीम के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जितने ही लोकप्रिय थे और जिनके नेतृत्व में क्लब ने लगातार तीन वर्षों तक इंडियन सुपर लीग प्लेऑफ में जगह बनाई थी। नए कोच माइकल स्टाहरे पर बेहतर परिणाम देने का बहुत दबाव होगा। लेकिन स्वीडिश खिलाड़ी ने यह स्पष्ट कर दिया कि काम करने का उनका अपना तरीका है।

स्टाहरे ने गुरुवार को कोच्चि में आईएसएल मीडिया डे के दौरान कहा, सबसे पहले, मैं पिछले कोच का पूरा सम्मान करता हूं लेकिन पुराना रिश्ता पूर्व पति या पूर्व पत्नी के साथ होने जैसा होता है। जाहिर है, वह एक अच्छे कोच और अच्छे इंसान हैं लेकिन मेरा काम अपने तरीके से प्रशिक्षण देना है। मैं टेबल पर ऊर्जा लाने की कोशिश करता हूं। जब खिलाड़ी प्रशिक्षण के लिए आएंगे तो मुझे ऊर्जा से भरा माहौल भी बनाना होगा। उन्होंने कहा कि वह खचाखच भरे स्टेडियम को देखने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, थाईलैंड में (क्लब के प्री-सीजन के दौरान), हमारे खेल को देखने के लिए 10 लोग और कुछ कुत्ते मौजूद थे और डूरंड कप में भी बहुत ज्यादा लोग नहीं थे। इसलिए अब मैं एक बड़े प्रशंसक आधार वाले अच्छे स्टेडियम में खेलने के लिए उत्सुक हूँ।

इस बीच, चेन्नईयिन एफसी के मुख्य कोच ओवेन कॉयल ने कहा कि आईएसएल क्लबों का कर्तव्य है कि वे भारतीय फुटबॉल को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा, भारतीय फुटबॉल को बेहतर बनाने की दिशा में हम सभी का कर्तव्य है। हम सभी चाहते हैं कि इंडियन सुपर लीग की खूब चर्चा हो। अब जबकि मेरे अच्छे दोस्त मनोलो मार्केज भारतीय टीम के साथ हैं (देश के मुख्य कोच के रूप में), उम्मीद है कि राष्ट्रीय टीम फीफा रैंकिंग में भी आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह बहुत दूर की बात है कि हम आठ से 10 साल में फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए काम कर सकते हैं। भारत में इसकी असली संभावना है।

इस बीच, आईएसएल कप चैंपियन मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच पेट्र क्रेटकी का मानना है कि इस सीजन में लीग पिछले सीजन की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी होगी। क्रेटकी ने कहा, मुझे लगता है कि गोवा, केरल, मोहन बागान, बेंगलुरु और चेन्नई सहित आठ टीमें खिताब की दौड़ में हैं। ये सभी टीमें इस सीजन में अच्छी दिख रही हैं, उनके पास अच्छे कोच और अच्छे खिलाड़ी हैं, इसलिए हमें इसका सम्मान करना चाहिए, लेकिन हम अपनी खूबियों को जानते हैं, इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

पिछले सीजन में लीग की शीर्ष तीन टीमें बहुत करीब थीं, जिसमें पहले और तीसरे स्थान के बीच सिर्फ. तीन अंकों का अंतर था। बुधवार को कोलकाता में सात टीमों के मीडिया डे के बाद, आज कोच्चि में छह टीमें मौजूद थीं। लेकिन एफसी गोवा के मुख्य कोच मनोलो मार्केज गायब थे। मनोलो के पास बहुत सी ज़िम्मेदारियाँ हैं, क्या इससे आईएसएल में गोवा को परेशानी होगी? गोवा के कप्तान संदेश झिंगन ने कहा, मुझे लगता है कि आपको मनोलो से यह सवाल पूछना चाहिए, वह यह काम कर रहे हैं। वह दोनों कामों को अच्छी तरह से संभाल सकते हैं।

एक नजर

इरानी और वावसोरी को अमेरिकी ओपन में मिश्रित युगल का खिताब

न्यूयॉर्क, एजेंसी। सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी ने गुरुवार को टेलर टाउनसेंड और डोनाल्ड यंग को 7-6 (0), 7-5 से हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूनामेंट में मिश्रित युगल का खिताब जीता। इटली की अपनी साथी रोबर्टा विंची के साथ महिला युगल में करियर ग्रैंड स्लैम जीतने वाली इरानी का यह अपने करियर का पहला मिश्रित युगल खिताब है। उन्होंने पिछले महीने जैस्मीन पाओलिनी के साथ मिलकर पेरिस ओलंपिक खेलों में महिला युगल में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने कहा, यह वर्ष मेरे लिए अविश्वसनीय रहा है। यह वर्ष शानदार रहा है। बचपन के मित्र टाउनसेंड और यंग को अमेरिकी ओपन में इस साल वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया था। यंग पहले ही घोषणा कर चुके थे कि वह इस टूनामेंट के बाद टेनिस से संन्यास ले लेंगे।

विश्व कप क्वालीफाइंग: अर्जेंटीना ने चिली को 3-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना ने चोटिल लियोनेल मेस्सी और संन्यास लेने वाले एंजेल डि मारिया के बिना भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चिली को 3-0 से हराकर दक्षिण अमेरिकी 2026 विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा।

एलेक्सिस मैक एलीस्टर ने 48वें मिनट में अर्जेंटीना की तरफ से पहला गोल किया जबकि जूलियन अल्वारेज ने 84वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुना कर दी। पाउलो डायबाला ने 90वें मिनट में तीसरा गोल किया। इस जीत से अर्जेंटीना के सात मैच के बाद 18 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर बना हुआ है।

दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग से शीर्ष छह स्थान पर रहने वाली टीम अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्व कप 2026 के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम दूसरे परिसंघ की टीम के खिलाफ प्लेऑफ मैच खेलेगी।

जेसिका पेगुला और आर्यना सबालेंका में होगा खिताबी मुकाबला

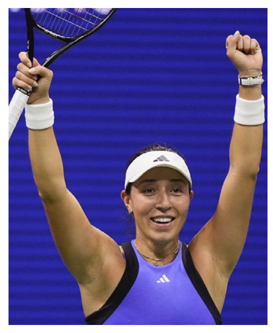

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की जेसिका पेगुला ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूनार्मेंट के महिला एकल के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना आर्यना सबालेंका से होगा। न्यूयॉर्क की 30 वर्षीय छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने करोलिना मुचोवा को 1-6, 6-4, 6-2 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंट के फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल के एक अन्य सेमीफाइनल में पिछले साल की उपविजेता सबालेंका ने अमेरिका की एम्मा नवारो को 6-3, 7-6 (2) से हराया। पेगुला की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उन्हें संघर्ष करना पड़ा। मुचोवा ने पहला सेट आसानी से 28 मिनट में जीता। उन्होंने पहले नौ गेम में से आठ में जीत हासिल की और दूसरे सेट में वह 3-0 से आगे थी लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गई। पेगुला तब तक लय हासिल कर चुकी थी और उन्होंने इसके बाद अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया।

सिमरन टी12 100 मीटर रेस में चौथे स्थान पर रहीं

पेरिस, एजेंसी। भारतीय धाविका सिमरन ने बृहस्पतिवार को यहां पेरिस पैरालंपिक के महिला टी12 वर्ग की 100 मीटर रेस के फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। सिमरन ने सेमीफाइनल में 12.33 सेकेंड के समय से फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन फाइनल में वह 12.31 सेकेंड के समय से चौथे और अंतिम स्थान पर रहीं। क्यूबा की ओमारा डूरंड ने 11.81 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता। यूक्रेन की ओक्साना बोटुरचुक ने 12.17 सेकेंड के समय से रजत और जर्मनी की कैट्रिन मुलर ने 12.26 सेकेंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले नई दिल्ली की 24 वर्षीय मौजूदा विश्व चैम्पियन सिमरन दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी की कैटरीन म्यूलर रोटगार्ड के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। सिमरन सेमीफाइनल में कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर रही। सिमरन ने बुधवार को अपनी हीट में 12.17 सेकंड से सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। टी12 वर्ग में दृष्टिबाधित एथलीट हिस्सा लेते हैं।

हरमीत देसाई ने गोवा चैलेंजर्स को लगातार दूसरे यूटीटी फाइनल में पहुंचाया

चेन्नई, एजेंसी। गोवा चैलेंजर्स ने हरमीत देसाई के शानदार प्रदर्शन के बूते बृहस्पतिवार को यहां अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के पहले सेमीफाइनल में बेंगलुरु स्मैशर्स को 8-4 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। गत चैम्पियन गोवा चैलेंजर्स का सामना दबंग दिल्ली और पदार्पण करने वाली अहमदाबाद एसजी पाइपर्स के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। गोवा चैलेंजर्स के लिए पहले पुरुष एकल में मिहाई बोबोसिका ने अल्वारो रॉबल्स को 2-1 (11-8 11-7 7-11) से हराकर बढ़त हासिल की। यांगजी लियू ने पहले महिला एकल में विश्व की 25वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा पर 2-1 (4-11 11-7 11-4) से जीत हासिल करके गत चैंपियन की बढ़त को मजबूत किया। मनिका और अल्वारो की स्टार जोड़ी ने मिश्रित युगल मैच में गोवा चैलेंजर्स की यांगजी और हरमीत की जोड़ी को 2-1 (11-10 11-7 9-11) से हराकर बेंगलुरु स्मैशर्स के लिए अंतर को एक अंक तक कम कर दिया। पर दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हरमीत ने दूसरे पुरुष एकल में युवा जीत चंद्रा को 3-0 (11-5 11-9 11-8) से हराकर गत चैंपियन को फाइनल में पहुंचाया।

झुकना नहीं, रोना नहीं, टूटना नहीं रिया चक्रवर्ती

हाल ही में काफी समय बाद एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अपने जेल के एक्सपीरिएंस के बारे में खुलकर बात की और बताया कि उन्हें कैसा लगता था। रिया चक्रवर्ती ने बताया कि कैसे वो रातों-रात देश की जनता की दुश्मन बन गईं। उन्होंने बताया कि कैसे मीडिया ने उन्हें ट्रोल किया, कैसे-कैसे नामों से बुलाया जाता था। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा- झुकना नहीं, रोना नहीं, टूटना नहीं। आपको ये करना ही होगा। मुझे याद है कि मैंने खुद को आईने में देखा और खुद से पूछा- तुम डरी हुई हो, है ना? ऐसा लगा जैसे आईने ने हां कहा हो। हर दिन इनवेस्टिगेशन होती थी, मेरी बिल्डिंग के नीचे लगातार मीडिया की भीड़ जमा होती थी, लोगों की भीड़ जमा होती थी और इनवेस्टिगेशन तक पहुंचने के लिए भी बहुत ताकत की जरूरत होती थी क्योंकि मुझे हमेशा डर लगता था कि रास्ते में मुझे कुछ हो जाएगा। एक्ट्रेस ने आगे बताया- जब मैं जेल से बाहर आई, तो मुझे पता था कि मैं जेल से बाहर निकलने के बाद वैसी नहीं रहूंगी, जैसी मैं जेल के अंदर जाने से पहले थी। जेल एक अलग दुनिया है, क्योंकि यहां कोई सोसायटी नहीं है। यहां आप हर दिन जिंदा रहने के लिए जद्दोजहद करते हो। हर दिन स्ट्रगल करते हो और खुद को जिंदा रखने की कोशिश करते हो। वहां एक-एक दिन एक साल के जैसा लगता था। रिया ने कहा, जेल में हर कोई सिर्फ एक नंबर है और वो जगह जिंदा रहने की एक परीक्षा है। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें यह भी लगा कि उनका परिवार खत्म हो गया है और आस-पास के सभी लोग अब उनके दोस्त नहीं रहे। रिया ने आगे कहा, मैंने नहीं सोचा था कि जो कुछ हुआ उसके लिए मैं माफ कर दूंगी। लेकिन, यह आसान तरीका बन गया क्योंकि मैं लंबे समय से बहुत गुस्से में थी। मेरे इतने गुस्से ने मुझे पेट से जुड़ी कई प्रॉब्लम और एसिडिटी दे दी। मैं लगभग तीन सालों तक एसिडिटी से बहुत बुरी तरह परेशान रही। मैंने सभी को माफ नहीं किया है। कुछ लोग अब भी मेरे जहन में हैं और मैं उन्हें माफ नहीं कर सकती। बता दें कि एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती काफी विवादों में आई थी। ड्रग्स केस में नाम आने के बाद उन्हें जेल की हवा खानी पड़ी, लोगों के ताने सुनने पड़े, ट्रोलिंग होना पड़ा और सोशल मीडिया पर हेट कमेंट्स तक का सामना करना पड़ा।

अभिनेत्रियों के न्यूड सीन को रिकॉर्ड करने छिपाए जाते हैं कैमरे

फिल्म 'नसीब अपना-अपना' में ऋषि कपूर के साथ काम कर चुकीं मशहूर साउथ इंडियन एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार (62) ने एक मलयालम फिल्म लोकेशन पर आपबीती के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है। राधिका ने बताया कि फिल्म लोकेशन पर अभिनेत्रियों के न्यूड सीन को रिकॉर्ड करने के लिए कैमरे छिपाए जाते हैं।

गुप्त तरीके से पहले इस तरह की चीजों को रिकॉर्ड किया जाता है और उसके बाद फिल्म के सेट पर ही पुरुष उन्हें देखते हैं और मजा लेते हैं। इस तरह की हरकतों से एक्ट्रेस परेशान हो गई थीं। राधिका ने कहा कि मैंने पर्सनली लोगों को एक ही फोन को यूज करते देखा है। फिल्म के सेट पर लोग इसका मजा लेते हैं। मैं डर गई थी और वेनेटी वैन में अपने कपड़े बदले बिना होटल के कमरे में चली गई। वे लोग वेनेटी वैन में एक कैमरा लगा देते हैं, जो अभिनेत्रियों की जानकारी या उनकी मर्जी के बिना उनके न्यूड सीन को रिकॉर्ड करता है। हालांकि जब मुझे इसका पता लगा, तो मैंने फिर कभी वेनेटी में कपड़े नहीं बदले।

जब राधिका से इस मामले में आरोपी अभिनेता दिलीप के साथ काम करने के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में उनके जैसे लोगों के साथ काम करना पड़ता है और साथ ही उनकी तुलना राजनेताओं से की। बता दें कि राधिका ने तमिल और तेलुगु इंडस्ट्री के साथ बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में भी काम किया है। मालूम हो कि जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद साउथ फिल्म इंडस्ट्री में तूफान आया हुआ है। आएदिन बड़े-बड़े स्टार पर आरोप लग रहे हैं। मीटू जैसे इस अभियान ने हर किसी को हिलाकर रख दिया।

नेपोटिज्म कभी ना खत्म होने वाली बहस है: कृतिका कामरा

बॉलीवुड अभिनेत्री कृतिका कामरा ने नेपोटिज्म को लेकर हा कि यह कभी न खत्म होने वाली बहस है। अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा, मैंने हमेशा अपने काम पर विश्वास किया है। मैं किसी कनेक्शन या पारिवारिक संबंधों के कारण यहां नहीं पहुंची। मुझे जो भी अवसर मिले हैं, वे वर्षों की कड़ी मेहनत और मेरी दृढ़ता का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसकी बहस में पड़ना सही नहीं है, क्योंकि आखिरी में दर्शक ही होते हैं जो एक कलाकार की किस्मत का फैसला करते हैं। उने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है, क्योंकि अंत में दर्शक ही होते हैं जो आपकी किस्मत का फैसला करते हैं। मैं उन सभी भूमिकाओं के लिए आभारी हूं जो मुझे मिली हैं, और यह इस बात का प्रमाण है कि आप इस उद्योग में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में भी सफल हो सकते हैं। वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता नागराज मंजुले की मटका किंग में दिखाई देंगी। मटका किंग मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दिखाता है। सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं। कृतिका ने कितनी मोहब्बत है शो में आरोही शर्मा की भूमिका निभाकर सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्हें कुछ तो लोग कहेंगे, रिपोर्टर्स और प्रेम या पहेली – चंद्रकांता जैसे शो में देखा गया।

अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 7 में भी भाग लिया है और तांडव और बंबई मेरी जान जैसी सीरीज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

35 वर्षीय अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई मित्रों से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। वो प्रतीक गांधी के साथ फॉर योर आईज ओनली में भी नजर आएंगी। बता दें कि अभिनेत्री को हाल ही में थ्रिलर सीरीज ग्यारह ग्यारह में देखा गया था। यह सीरीज कोरियाई शो सिग्नल का रूपांतरण है। इस शो में राघव जुयाल, धैर्य करवा और आकाश दीक्षित भी हैं।

जीनत अमान ने सोशल मीडिया पर अपनी पुरानी तस्वीर शेयर की

बॉलीवुड अभिनेत्री जीनत अमान ने सोशल मीडिया पर अपनी पुरानी तस्वीर शेयर की है। जीनत अमान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी तस्वीर शेयर कर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। जीनत अमान ने एक पुरानी तस्वीर शेयर कर लिखा, 'इस सोमवार, सार्थक रिश्तों पर एक ध्यान'। जीनत अमान ने पोस्ट में कहा, उनके बहुत अधिक सार्थक रिश्ते नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा अपने निजी जीवन को देखने के बाद मुझे एहसास हुआ है कि सार्थक रिश्तों का आना मुश्किल है, क्योंकि मेरा सार्वजनिक व्यक्तित्व हमेशा मेरे सच्चे स्वत्व पर हावी रहा है। उन्होंने अपने पोस्ट में पूछा एक सार्थक रिश्ते का पैमाना क्या है। अफसोस की बात है कि मुझे इस क्षेत्र में सीमित सफलता मिली है। आशा की किरण यह है कि इसने मुझे अपने उन सार्थक रिश्तों को और अधिक संजोने के लिए प्रेरित किया है। शायद मैंने आपको इस पोस्ट से बोर कर दिया है, लेकिन मेरी इच्छा है कि आप में से प्रत्येक को अपने जीवन में रोमांटिक और सार्थक रिश्ते मिलें।

एक्टर को पर्दे पर निभाए किरदारों के आधार पर नहीं आंका जा सकता

अभिनेत्री सारा खान का कहना है कि अभिनेताओं को पर्दे पर निभाए किरदारों के आधार पर नहीं आंका जा सकता है। सारा मानती है कि उन्हें टाइपकास्ट होने की भी चिंता नहीं है। सारा खान इन दिनों छठी मैया की बिटिया में दिख रही हैं। अपने नए किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि लोग अब अभिनेताओं को केवल उनकी स्क्रीन पर निभाई भूमिकाओं के आधार पर आंकते हैं। सोशल मीडिया अब इतना प्रचलित है कि लोग अभिनेताओं के बारे में उनकी प्रोफाइल के जरिए जान सकते हैं और देख सकते हैं कि वे अपने निभाए पात्रों से परे कैसे दिखते हैं? इसलिए मैं टाइपकास्ट होने को लेकर फिक्रमंद नहीं हूं क्योंकि इससे लोगों को हमें बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है और करियर में नए अवसर मिलते हैं। सारा खान ने कहा कि कई साल पहले जब अभिनेता टाइपकास्ट होने की चिंता करते थे। लेकिन अब यह चिंता का विषय नहीं है। सोशल मीडिया दर्शकों और निर्माताओं को अभिनेताओं की भूमिकाओं से परे उनकी प्रतिभा को देखने का मौका देता है, जिससे हमें अन्य कौशल दिखाने और पिछले किरदारों के आधार पर किसी भी पूर्वाग्रह को बदलने का मौका मिलता है। सारा खान छठी मैया की बिटिया में देवी की भूमिका निभा रही हैं। शो के बारे में सारा ने कहा कि जब भी मैं कोई किरदार निभाती हूं, तो मैं तय करती हूं कि वह किरदार कितना अहम है। किसी भूमिका को निभाने के लिए एक्टर के लिए यह जानना जरूरी होता है कि उसे क्या एक्सपोजर मिलेगा। जब मैंने देखा कि किरदार के कई रंग है तो लगा इसमें संभावनाएं अपार हैं। सारा ने 2007 में सपना बाबुल का...बिदाई से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें शो प्रीत से बांधी ये डोरी राम मिलाई जोड़ी में देखा गया, जहां उन्होंने प्रियल गोर की जगह ली। 2013 में जुनून-ऐसी नफरत तो कैसा इश्क में दिखीं। सारा खान ने ससुराल सिमर का, वी द सीरियल, प्यार तूने क्या किया, एनकाउंटर, तुझसे, हाय राब्ता, भाग्यलक्ष्मी, सौभाग्यलक्ष्मी और जाना ना दिल से दूर जैसे शो में अहम भूमिकाएं निभाईं हैं और लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है।

सलमान खान को लेकर फ़िल्म बनाएंगे एटली

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने निर्देशक एटली, बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को लेकर फ़िल्म बना सकते हैं। एटली ने शाहरुख़ खान को लेकर सुपरहिट फ़िल्म जवान बनाई है। एटली, अब सलमान खान को लेकर फ़िल्म बना सकते हैं। कहा जा रहा है कि दो हीरो वाली फिल्म की स्टोरीलाइन और आइडिया सलमान खान को काफी पसंद आया था और उन्होंने एटली से इसकी स्क्रिप्ट तैयार करके लाने की बात कही थी। कहा जा रहा है कि सलमान को फिल्म की पटकथा बहुत पसंद आई है और उन्होंने इसमें काम करने के लिए हामी भर दी है। सलमान खुद इस फिल्म के लिए कमल हासन से बात कर रहे हैं। यह एटली की छठी फिल्म है। इसलिए इसे ए6 कहा जा रहा है। निर्देशक एटली इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम अक्तूबर के महीने से शुरू करना चाहते हैं। निर्माताओं का प्लान है कि पहले इस फिल्म का एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया जाए। उसके बाद से फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से शुरू की जाए। कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू हो सकती है।

पुरस्कार से सम्मानित होना बड़ी बात: आयुष्मान

फिक्की यंग लीडर्स अवॉर्ड्स 2024 में युथ आइकॉन ऑफ इंडिया के रूप में सम्मानित होने पर, बॉलीवुड सुपरस्टार आयुष्मान खुराना ने कहा, युथ आइकॉन ऑफ इंडिया के रूप में सम्मानित होना मेरे लिए एक बड़ी बात है। मुझे लगता है कि मेरी फिल्मों की पसंद ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और समाज को बेहतर बनाने की मेरी मंशा को आगे बढ़ाया है। एक्टर ने आगे कहा, अपने सिनेमा के माध्यम से मैं एक उभरते हुए, गतिशील और बढ़ते हुए नए भारत की आकांक्षाओं, महत्वाकांक्षाओं और मूल्यों को चित्रित करना और उन्हें प्रतिबिंबित करना चाहता हूं। समावेशी स्क्रिप्ट और विषयों का चयन करके और क्रांतिकारी किरदार निभाकर, मेरा हमेशा से यह प्रयास रहा है कि मैं अपने देश के लोगों से जुड़ सकूं और हर मौके पर यथास्थिति को चुनौती दूं। अपने ब्रांड, फिल्मों और संगीत के साथ इस यात्रा के माध्यम से, मैं लोगों को मुस्कुराने, उनके दिलों में खुशी भरने, उन्हें एकजुट करने और दुनिया को यह बताने की कोशिश करता हूं कि हमारा देश, हमारा युवा कितना तेजस्वी है।

बता दें कि आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के जाने माने एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने इस साल एक और उपलब्धि हासिल की है, उन्होंने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के यंग लीडर्स अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। उनके साथ ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा भी इस सम्मान से पुरस्कृत किया गया है। आयुष्मान और नीरज दोनों ही दुनिया भर के हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जिन्होंने यह साबित किया है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

इम्तियाज अली को नहीं मिल रही थी अभिनेत्री, बंद कर दी फिल्म

इम्तियाज अली द्वारा निर्मित लैला मजनू फिर रिलीज के बाद हिट हो गई ओर अब चर्चा में है, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि त्रिप्ति डिमरी से जुड़ी कास्टिंग के चलते इस फिल्म को बंद कर दिया गया था। अविनाश तिवारी और तृप्ति डिमरी की 2018 की फिल्म लैला मजनू पिछले कुछ सालों में एक कल्ट क्लासिक के रूप में उभरी और दोनों की केमिस्ट्री आज भी सबसे बेहतरीन जोड़ियों में से एक है। इम्तियाज अली द्वारा निर्मित इस फिल्म को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था क्योंकि निर्माता अपनी आदर्श महिला लीड नहीं ढूंढ पाए थे?

लैला मजनू की कास्टिंग के दौरान मुकेश छाबड़ा के साथ उनकी कास्टिंग कंपनी में काम कर रहीं आस्था अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि लैला को खोजने में उन्हें कितने पापड़ बेलने पड़े। अरोड़ा ने कहा कि मुझे एक ऐसी खूबसूरत और आकर्षक लड़की की तलाश में बहुत मुश्किल समय का सामना करना पड़ा, जो अभिनय कर सके। कास्टिंग में इसे अक्सर बहुत मुश्किल ब्रीफ माना जाता है।

उन्होंने बताया कि लैला को खोजने के लिए टीम ने कई लड़कियों देखा, जिनमें लोकप्रिय फिल्म और टीवी कलाकार, फेमिना मिस इंडिया और देश भर के कई कॉलेज की लड़िकयां या महिलाएं शामिल थी। आस्था ने बताया कि सही लड़की न मिलने की वजह से 2016 में लैला मजनू को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा था, लेकिन एक साल बाद फिर तलाश शुरू हुई।

अरोड़ा ने कहा कि हमने वापस टेस्ट लेने शुरू किए और वह दिन था जब मैंने सलोनी नाम की एक अभिनेत्री को बुलाया और तृप्ति उसकी दोस्त थी जो उसके साथ थी और मुझे लगा कि बस यही है। मैंने तृप्ति को देखा और इतने महीनों में पहली बार मुझे लगा कि यह वही लड़की है जो लैला के रोक में फिट रहेगी। तृप्ति डिमरी का ऑडिशन लिया गया और उनका टेस्ट निर्देशक और प्रोड्यूसर को भेजा गया और उन्हें फाइनल कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि एनिमल एक्ट्रेस ने आस्था को बताया कि उन्होंने एक बार दिल्ली के कास्टिंग ऑफिस में अपना ऑडिशन दिया था और शायद उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया, क्योंकि फिल्म बंद हो गई थी।